kanwhizztimes

@kanwhizztimes lucknow

@kanwhizztimes

www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❒ वर्ष-15 ❒ अंक-122 ❒ मंगलवार, 02 जून 2026 ❒ नगर संस्करण ❒ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❒ मूल्य- ₹ 3.00 ❒ पृष्ठ-12

गया के मेधावी छात्र शुभम कुमार ने देश की प्रतिष्ठित 'जेईई-एडवांस 2026' परीक्षा में 330 अंक प्राप्त करके पूरे भारत में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी यह सफलता बिहार सहित पूरे देश के लाखों छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस स्वर्णिम उपलब्धि पर शुभम कुमार को हार्दिक बधाई अनंत शुभकामनाएं! नितिन नवीन

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार, 35 नये मंत्री शामिल 11

'नवीन मंत्र' से उत्तराखंड भाजपा का मनोबल ऊंचा 12

संक्षेप

पंजाब एससी आयोग ने केंद्रीय मंत्री बिट्टू को तलब किया

चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को कथित जातिसूचक टिप्पणी के मामले में चार जून को पेश होने के लिए समन जारी किया। आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से उनके संज्ञान में आया कि केंद्रीय रेल राज्यमंत्री बिट्टू ने हाल में धूरी दौरे के दौरान कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया था। वहीं, बिट्टू ने मामले को लेकर रविवार को अनुसूचित जाति समुदाय से अपनी आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए माफी मांगी और स्वीकार किया कि एक मंत्री के रूप में उन्हें ऐसे शब्द नहीं कहने चाहिए थे। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि वह पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष माफी मांगने के लिए तैयार हैं।

प्रताप बघेल माध्यमिक व अनिल भूषण बेसिक शिक्षा निदेशक बने

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल व बेसिक शिक्षा निदेशक के पद की जिम्मेदारी अनिल भूषण चतुर्वेदी को सौंपी गई है। अपर शिक्षा निदेशक स्तर के इन दोनों अधिकारियों को प्रभारी शिक्षा निदेशक बनाकर जिम्मेदारी दी गई है। प्रताप सिंह बघेल अभी तक बेसिक शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत थे और अनिल भूषण चतुर्वेदी साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह-क श्रेणी में कार्यरत अपर शिक्षा निदेशक स्तर के इन दोनों अधिकारियों को प्रभारी शिक्षा निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने के आदेश विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की ओर से जारी कर दिए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में आंधी तूफान का दौर जारी, पूर्वी व मध्य क्षेत्र में ओलावृष्टि का अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में तेज रफ्तार आंधी,बारिश का सिलसिला जारी रहने से लोगों को भीषण गर्मी से फौरी तौर पर निजात मिली है और मौसम खुशनुमा बना हुआ है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार शाम पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में तेज आंधी, मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, मध्यम से भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों के दौरान कई जिलों में 90 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। प्रयागराज, जौनपुर, प्रतापगढ़, बांदा, फतेहपुर, कानपुर नगर और आजमगढ़ जिलों तथा आसपास के क्षेत्रों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, तेज आंधी और मध्यम से तीव्र वर्षा के साथ ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। इन क्षेत्रों में 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जबकि झोंकों की गति 90 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक रहने का अनुमान है।

गाय राष्ट्र माता, घोषित करने की आवश्यकता नहीं : योगी

हिंसा व करुणा मानव के भूषण हैं, किंतु शस्त्र उठाना होगा गर सामने खरदूषण हैं: मुख्यमंत्री

एजेंसी/कैनविज टाइम्स ब्यूरो

बिजनौर/लखनऊ।। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर चर्चा हो रही है, लेकिन मां और संतान के रिश्ते को किसी घोषणा की आवश्यकता नहीं होती। भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और वह आस्था तथा संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग करने वालों की बुद्धि भ्रष्ट हो गयी है।

मुख्यमंत्री योगी सोमवार को बिजनौर जनपद के आलमपुर गांवड़ी में जमीन का अधिकार देने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।इस मौके पर उन्होंने पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों एवं लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र प्रदान किए। भूमिधरी अधिकार मिलने से लाभार्थियों को भूमि पर वैधानिक स्वामित्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के वंचित, शोषित और जरूरतमंद वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इस मौके पर उन्होंने जिले को विकास की सौगात देते हुए करोडों रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

❒ मुख्यमंत्री योगी ने 1645 विस्थापितों के परिवार कृषि भूमि का मालिकाना अधिकार दिया

उन्होंने गौ संरक्षण, कानून व्यवस्था, विकास योजनाओं और शरणार्थी परिवारों के मुद्दों पर सीधे जनता से संवाद किया। उन्होंने कहा कि वह 4 वर्ष पहले यहां के पूर्व सांसद सर्वेश कुमार के साथ सभा की थी, लेकिन आज वे हमारे बीच नहीं हैं, पर उनके पुत्र और यहां के विधायक सुशांत सिंह जनता की सेवा कर रहे हैं। इस क्षेत्र में हमने पाकिस्तान से आए विस्थापितों को उनके जमीनी अधिकार सौंपें हैं, जो 1947-48 में कट्टरपंथी पाकिस्तानियों ने उनकी संपत्ति पर कब्जा कर लिया गया था, उन्हीं विस्थापितों को आज कृषि भूमिका मालिकाना हक प्रधान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जो विस्थापित शेष बचे हैं, उनको अगले चरण में जमीन का मालिकाना हक देने का काम भी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुछ मुल्ला व मौलवी गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग कर रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि गाय हमारी माता है। जन्म जन्मान्तर का नाता है। मां पुत्र के बीच में कुछ घोषणा की आवश्यकता होती है क्या? तुम्हारी सोच ही पशुवत है, जो तुम माता को पशु कहते हो। गाय हमारी माता है। यह हमारे संस्कार में है। बकरीद पर हमने खुद देखा की बहुत से बधाई देने में गौ माता का चित्र लगा रहे थे। उन्हें जानकारी होनी चाहिए कि गौ वध पर क्या सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री ने गाय तो स्वघोषित राष्ट्र माता है, उसे घोषित करने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। इसी प्रकार गंगा भी हमारी माता है। ● शेष पेज 11 पर

दोस्ती की आड़ में नहीं चलेगी छुरेबाजी

बिजनौर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिजनौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोस्ती के नाम पर हिंसा और छुरेबाजी जैसी घटनाएं किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं हैं। सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद की यह घटना बेहद दुखद है और इसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने अभिभावकों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि यदि माता-पिता अपने बच्चों को सही संस्कार और दिशा देने में असफल रहते हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा कानून का सम्मान करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है। वहीं, कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले और समाज में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसी आपराधिक घटनाओं को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गोल्फ चौराहे पर आत्मदाह का ढोंग, चार गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❒ खुद पर पेट्रोल डालकर बनवा रहे थे वीडियो

❒ दुबग्गा डिपो पर मांगों को लेकर कई दिन से कर रहे थे प्रदर्शन, सुबह पहुंचे गोल्फ चौराहा-

❒ गौतमपल्ली थाने में मुकदमा दर्ज, वीडियो बनाने वालों की तलाश में दबिश

लखनऊ। दुबग्गा डिपो पर तीन सूत्री मांगों को लेकर कई दिन से सिटी बस के संविदा परिचालक धरने पर बैठे थे। सोमवार सुबह चार परिचालक लोहिया पथ गोल्फ चौराहे पर पहुंचे। वहां साथियों से वीडियो बनवाते हुए खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का ढोंग किया।

परिचालकों को पेट्रोल डालते देख दौड़े पुलिस कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया और गौतमपल्ली थाने लेकर पहुंचे, जबकि वीडियो बना रहे साथी फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। चारों को जेल भेजने की तैयारी है। वीडियो बनाने वालों की पुलिस तलाश कर रही है।

संविदा से निजी संस्था में विलय किए जाने के आदेश के खिलाफ तीन दिन से दुबग्गा सिटी बस डिपो पर परिचालक हड़ताल और प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार सुबह औरैया के रहने वाले परिचालक मुकेश सैनी, उन्नाव निवासी ज्ञानेंद्र, कानपुर के नितिन और गोंडा के अभिषेक कुछ साथियों के साथ विरोध प्रदर्शन करने गोल्फ चौराहे पर पहुंचे। यहां गोल्फ चौराहे पर खड़े होकर चारों ने कुछ दूरी पर अपने साथियों को खड़ा कर वीडियो बनाने को कहा। इसके बाद चारों ने खुद पर पेट्रोल उड़ेलना शुरू किया। कुछ दूरी पर खड़े साथी मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। यह देख पुलिस कर्मी दौड़े उन्हें पकड़ा। इस बीच एक ने माचिस निकालने की कोशिश की तो उसे भी पकड़ लिया। चारों को पुलिस गौतमपल्ली थाने लेकर पहुंची। चारों के पकड़े जाने पर वीडियो बना रहे उनके साथी भाग निकले। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल के मुताबिक दुबग्गा डिपो पर प्रदर्शन और धरना खत्म हो गया था। चारों गोपनीय तरीके से साजिश के तहत आत्मदाह ● शेष पेज 11 पर

जून के बिजली बिल में 10% अतिरिक्त वसूली पर रोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने जून के बिजली बिलों में प्रस्तावित 10 फीसदी अतिरिक्त वसूली को गैरकानूनी बताया है। नियामक आयोग ने इस मामले में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन को नोटिस जारी कर सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है। नियामक आयोग के अंतिम फैसले तक जून माह के बिजली बिलों में 10 फीसदी अधिभार की वसूली पर रोक लगा दिया गया। इससे प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिली है।

विद्युत उपभोक्ता परिषद ने बुधवार सुबह ही नियामक आयोग में याचिका दाखिल कर उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के उस आदेश पर सवाल उठाए थे, जिसमें पुराने बकाया भुगतान को भी जोड़कर 10 फीसदी अतिरिक्त वसूली करने के निर्देश दिए गए थे। उपभोक्ता परिषद का तर्क दिया

❒ नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन से मांगा जवाब

कि यह व्यवस्था नियामक प्रावधानों के अनुरूप नहीं है और इससे उपभोक्ताओं पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ेगा। याचिका पर नियामक आयोग ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक जून के बिजली बिलों में 10 फीसदी अधिभार नहीं जोड़ा जाएगा। उपभोक्ता परिषद का कहना है कि यदि पुराने भुगतान को इस गणना से बाहर रखा जाता है तो उपभोक्ताओं को ● शेष पेज 11 पर

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा छह को, एसटीएफ व खुफिया विभाग सतर्क

लखनऊ। नीट यूजी का पर्चा लीक होने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी प्रशासन और संजीदा हो गया है। बीएससी व एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा को लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने अतिरिक्ति एहतियात बरतने के लिए कदम उठाया है। इस संबंध में खुफिया विभाग, एसटीएफ व साइबर क्राइम ब्रांच को पत्र लिखकर परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए मदद मांगी है।

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी से प्रदेश के सरकारी व निजी नर्सिंग कॉलेज संबद्ध हैं। इन कॉलेजों में बीएससी नर्सिंग में दाखिले के लिए छह जून को कॉमन नर्सिंग एंट्रेंस टेस्ट (सीनेट) है। बीएससी नर्सिंग की करीब 14 हजार सीटों के लिए 148268 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी एक सीट पर करीब 11 उम्मीदवारों ने दावेदारी की है। इनमें सरकारी और निजी दोनों कॉलेजों की सीटें शामिल हैं। यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि एडमिट कार्ड वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। प्रदेश ● शेष पेज 11 पर

ड्रोन गिराए जाने के बाद अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर बम बरसाए

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहरा गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी एमक्यू 1 ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद, अमेरिकी सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरान के गेरुक शहर और केश्म द्वीप पर स्थित रडार और ड्रोन ठिकानों पर भीषण बमबारी की।

इस हमले के तुरंत बाद, ईरान ने भी पलटवार करते हुए कुवैत में मौजूद अमेरिकी एयरबेस पर ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए। ईरान ने रविवार तड़के अमेरिका का ड्रोन मार गिराया था, जिसके जवाब में अमेरिका ने कार्रवाई की। ईरान का दावा है कि ड्रोन ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसा था। बता दें कि ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष विराम बार-बार टूटता रहा है, भले ही दोनों देशों के अधिकारी युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहे हों। अमेरिकी सेना अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोमवार को कहा कि ईरान में शनिवार और रविवार को गेरुक शहर के आसपास और केश्म द्वीप पर हमले किए। ये हमले नपे-तुले थे। ईरान की आक्रामक कार्रवाईयों के जवाब में इसे अंजाम दिया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में उड़ान भर रहे एक अमेरिकी एमक्यू 1 ड्रोन को मार गिराना भी शामिल था। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान के हवाई सुरक्षा ठिकानों, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो एकतरफा हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया।

❒ जवाब में ईरान ने कुवैत में अमेरिकी बेस पर हमला किया

उन्होंने दावा किया कि ये समुद्र में पोतों के लिए खतरा बने हुए थे।

ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' ने कहा कि उसने अमेरिकी हमले का जवाब दिया है। हमने उस बेस को निशाना बनाया जिसका इस्तेमाल अमेरिकी सेना ईरानी इलाके पर हमला करने के लिए करती थी। गार्ड्स के बयान में बेस की जगह के बारे में कुछ नहीं बताया गया। हालांकि हमले कुवैत में किए गए थे। कुवैत की सेना ने कहा कि उनकी हवाई सुरक्षा प्रणाली ड्रोन और मिसाइल हमले का जवाब दिया है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ● शेष पेज 11 पर

नीट परीक्षा : फिलहाल नहीं बदलेगा परीक्षा प्रारूप

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आगामी 21 जून को फिर से होने वाली नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप में आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को निर्देश देने से सोमवार को इनकार कर दिया और मौजूदा 'पेन-एंड-पेपर' (ऑफलाइन) मोड को ही बरकरार रखने का फैसला किया।

न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इस संबंध में राहत देने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायालय के इस फैसले से नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के सीबीटी मोड में कराने की किसी भी संभावना पर फिलहाल विराम लग गया है। पीठ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें

❒ सुप्रीम कोर्ट ने 21 जून की परीक्षा को सीबीटी मोड में कराने की मांग ठुकराई, सुनवाई जुलाई तक टली

नीट परीक्षा से जुड़े कई निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने स्पष्ट किया कि वह केवल एक ही मांग पर जोर दे रहे हैं- 21 जून को होने वाली परीक्षा सीबीटी मोड में आयोजित की जाए। वकील ने दलील दी, ''आज मैं किसी अन्य मांग पर जोर नहीं दे रहा हूँ। परीक्षा सीबीटी मोड में ही होनी चाहिए। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने हालांकि ध्यान दिलाया कि न्यायालय अतीत में भी इस तरह की समान याचिकाओं को खारिज कर चुकी है। ● शेष पेज 11 पर

डीजीपी ने 10 बिंदुओं पर तय प्राथमिकताओं में मिली उपलब्धियां गिनाईं

साइबर सुरक्षा के लिए बनेगा एडवांस सेंटर : राजीव कृष्ण

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। डीजीपी राजीव कृष्ण ने यूपी पुलिस के स्थायी मुखिया के तौर पर सोमवार को अपनी पहली प्रेसवार्ता में एक वर्ष पहले निर्धारित की गईं 10 प्राथमिकताओं में मिली उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा के बढ़ते साइबर क्राइम पर नियंत्रण के लिए यूपी में सर्वाधिक 62 हजार पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिलाया गया है। अब पुलिस कर्मियों को एडवांस ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय में जल्द साइबर सुरक्षा की दृष्टि से केंद्रीय रूप से एडवांस सेंटर भी स्थापित होगा। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए एआई की भी मदद ली जाएगी। राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर 400.66 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज कराई गई। इसके अलावा 1.11 लाख मोबाइल नंबर और 1.22 लाख आईएमईआई ब्लाक कराए गए। पूर्णकालिक डीजीपी के रूप में कार्यभार ग्राहण करने पर राजीव कृष्ण को पुलिस मुख्यालय में गार्ड आफ आनर दिया गया।

डीजीपी ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और न्यायालयों में मजबूत पैरवी के परिणामस्वरूप ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत 93 प्रतिशत से अधिक दोषसिद्धि दर प्राप्त की गई। कुल 32,071 मामलों में न्यायालयों ने निर्णय दिया, जिनमें 29,911 मामलों में दोषसिद्धि हुई। इन मामलों में 42,681 अभियुक्तों को सजा दिलाई गई, जिनमें 18 मृत्युदंड और 3,340 आजीवन कारावास की सजाएं शामिल हैं। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 5,684 अपराधियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई तथा धारा 14(1) के अंतर्गत लगभग 788.38 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियाँ जब्त की गईं। डीजीपी ने बताया कि लूट के मामलों में 27.8 प्रतिशत, कुल चोरी के मामलों में 14.4 प्रतिशत तथा डकैती के मामलों में 11.1 प्रतिशत की कमी आई। हत्या, बलवा, नकबजनी जैसे अपराधों में भी गिरावट दर्ज की गई।

माफिया एवं संगठित अपराध के विरुद्ध कार्रवाई को लगातार प्रभावी बनाया गया। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 336 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां जब्त, ध्वस्त अथवा अवैध कब्जे से मुक्त कराई गईं। प्रभावी पैरवी के माध्यम से 10 माफिया सरगनाओं और उनके 20 सहयोगियों को सजा दिलाई गई।

उत्तर प्रदेश की महिला सुरक्षा के प्रतिबद्धता को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए मिशन शक्ति फ़ेज 5.0 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति केंद्रों को संस्थागत रूप दिया गया। प्रदेश के सभी थानों में मिशन शक्ति केन्द्र स्थापित किए गए हैं। वर्तमान में 1,647 थानों में महिला हेल्प डेस्क संचालित हैं, जिनके प्रभावी संचालन के लिए लगभग 13,500 कार्मिकों की नियुक्ति की गई है। महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण से संबंधित कार्यों के लिए 40,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। मिशन शक्ति केन्द्र स्थापित होने से तीन माह पूर्व (16 जून 25 से 15 सितम्बर 25 तक) व स्थापित होने के तीन माह पश्चात (16 सितम्बर 25 से 15 दिसम्बर 25 तक) के मध्य पूरे प्रदेश के महिला सम्बंधी अपराधों में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

बलात्कार सम्बंधी प्रकरणों में करीब 33.92 प्रतिशत की कमी हुयी है। महिलाओं एवं बच्चियों के अपहरण सम्बंधी प्रकरणों में करीब 17.03 प्रतिशत की कमी, दहेज हत्या सम्बंधी प्रकरणों में करीब 12.96 प्रतिशत की, घरेलू हिंसा सम्बंधी प्रकरणों में करीब 9.54 प्रतिशत की कमी आयी है। जन शिकायतों के सुचारू निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा गया है। लगातार निगरानी, नियमित समीक्षा और ● शेष पेज 11 पर

मेधावी विद्यार्थी ही विकसित उत्तर प्रदेश के भविष्य के निर्माता: डॉ. राजेश्वर सिंह

❒ डॉ. राजेश्वर सिंह के निरंतर प्रयासों से 169 सप्ताह से चल रहा 'आपका विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मान अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा केंद्र एवं राज्य बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल शैक्षणिक उपलब्धि का नहीं, बल्कि परिश्रम, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान है।

इस अवसर पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उनका सदैव यह विश्वास रहा है कि मेधावी विद्यार्थी ही विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। इसी सोच के साथ चार वर्ष पूर्व सरोजनीनगर में मेधावी सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य केवल पुरस्कार प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रतिभा को पहचान देना, उसका उत्साहवर्धन करना तथा अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि ल्लआपका विधायक आपके द्वारङ्क कार्यक्रम के माध्यम से संचालित *ल्लगाँव की शान, मेधावियों का सम्मानङ्क* अभियान के तहत सरोजनीनगर में विगत 169 सप्ताह से निरंतर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है। प्रत्येक सप्ताह आयोजित कार्यक्रम में गाँव के दो मेधावी बालक एवं दो मेधावी बालिकाओं सहित कुल चार विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को साइकिल तथा 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप एवं टैबलेट देकर सम्मानित किया जाता है।

उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 2,000 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें 1,800 से अधिक विद्यार्थियों को साइकिल, लैपटॉप एवं टैबलेट वितरित किए गए हैं। यह पहल केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, परिश्रम और उत्कृष्टता के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण तैयार करने का एक सतत प्रयास है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि ल्लगाँव की शानङ्क के रूप में सम्मानित ये विद्यार्थी न केवल अपने परिवार और विद्यालय, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। प्रतिभा का सम्मान और परिश्रम का प्रोत्साहन ही आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित उत्तर प्रदेश की मजबूत नींव है। उन्होंने सभी सम्मानित छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज के ये मेधावी विद्यार्थी ही कल के विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के निर्माता बनेंगे।

पत्रकार सरकार को आईना दिखाने का काम करते हैं: सुरेश कुमार खन्ना

❒ पत्रकारों ने फूलमाला पहनाकर किया वित्त मंत्री का स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने प्रेस क्लब में कार्यक्रम आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना का फूलमाला पहनाकर पत्रकारों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकार विवेक सेंगर, हरिओम त्रिवेदी, शिशांत शुक्ला, सुखलाल वर्मा और अंकित गुप्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पत्रकार सरकार को आईना दिखाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सकारात्मक पत्रकारिता की जाए तो इसके बेहतर परिणाम सामने आते हैं। इस दौरान श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष कुलदीप दीपक और महामंत्री शिवकुमार ने वित्त मंत्री को उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिलने पर उन्हें हनुमान जी की मूर्ति देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार ओंकार मनीषी, मोहम्मद इरफान, विनोबा आश्रम के संस्थापक रमेश भैया, डाक्टर आनन्द प्रकाश मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता इम्तियाज अली आदि ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुरेश चंद्र मिश्रा ने किया। इस दौरान भोर फाउंडेशन की अध्यक्ष स्वाति सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन डीपीएस राठौर, उद्योगपति अशोक अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम शंकर गंगवार, राकेश श्रीवास्तव, संजीव कुमार गुप्ता, सुनील अग्निहोत्री, बलराम शर्मा, पंकज सक्सेना, विवेक वर्मा, राजीव रंजन, अमित सक्सेना, कमल सिंह, आसिफ अली, तबस्सुम हुसैन, जगदीश सिंह, शुभम श्रीवास्तव, प्रभाकर मिश्रा, आशीष शुक्ला, शान मोहम्मद, महेंद्र चावला, रागिनी श्रीवास्तव, संजय कौशल, रोहित पांडे, नरेंद्र सिंह खोजी, उदित शर्मा, अमित गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, विमलेश अवस्थी, योगेश शुक्ला, स्वदेश शुक्ला, नितेश गंगवार, संजय श्रीवास्तव, बलजीत सिंह, अभिनव गुप्ता, हामिद फरीदी, दीपक साहू, आले नबी सहित तमाम पत्रकार आदि मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत अधिकारियों का बड़ा फ़ेरबदल, शिखर शुक्ला सहित कई अधिकारियों के तबादले

रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिला पंचायत राज विभाग में ग्राम पंचायत अधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर बड़ा प्रशासनिक फ़ेरबदल किया गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनहित एवं शासकीय कार्यहित में कई ग्राम पंचायत अधिकारियों का स्थानांतरण करते हुए नई तैनाती दी गई है।मुख्य विकास अधिकारी रायबरेली के 30 मई 2026 के अनुमोदन के क्रम में विकास खंड बछरावां में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी शिखर शुक्ला का स्थानांतरण विकास खंड महराजगंज कर दिया गया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार विकास खंड रोहनिया में तैनात सोमराज वर्मा को महराजगंज तथा महराजगंज में तैनात अरुण कुमार वर्मा को रोहनिया भेजा गया है। वहीं संतोष कुमार को दीनशाह गौरा से महराजगंज, सैल कुमारी पाल को जगतपुर से महराजगंज स्थानांतरित किया गया है।इसके अलावा महराजगंज से शिवाकांत को बछरावां, नितिन को हरचंदपुर, अमरेंद्र कुमार वर्मा को बछरावां, महेंद्र शुक्ला को आमावा तथा आदित्य कुमार को बछरावां विकास खंड में तैनाती दी गई है।जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने निर्देश दिए हैं कि स्थानांतरित सभी ग्राम पंचायत अधिकारी अपने नवीन तैनाती स्थल पर पहुंचकर संबंधित सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अथवा खंड विकास अधिकारी कार्यालय में तत्काल कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह स्थानांतरण आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। प्रशासनिक स्तर पर किए गए इस फ़ेरबदल को पंचायत व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा।

मचौटी टीम बनी नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता, ट्रॉफी व 8 हजार का पुरस्कार से सम्मानित

पहला, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड पहला क्षेत्र में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक समापन रविवार को हुआ। फाइनल मुकाबले में मचौटी और खींझना की टीम आमने-सामने रहीं, जिसमें मचौटी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 विकेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम कर लिया।टूर्नामेंट का शुभारंभ 31 मई की रात विधायक प्रतिनिधि आकाश मौर्य द्वारा फीता काटकर किया गया था। क्षेत्र की कई टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मचौटी टीम के कप्तान अंकित कुमार के नेतृत्व में टीम ने शानदार खेल दिखाया, जबकि उपविजेता टीम की कप्तानी आकाश निखिल गुप्ता ने की।मैच के परिणाम को लेकर स्थिति स्पष्ट करने हेतु 1 जून की सुबह पुनः मुकाबला खेला गया, जिसके बाद विजेता और उपविजेता टीम का अंतिम निर्णय हुआ।समापन समारोह में प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र वर्मा ने विजेता टीम को ट्रॉफी एवं ?8,000 नकद पुरस्कार प्रदान किया। वहीं उपविजेता टीम को ?4,000 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।टूर्नामेंट का सफल आयोजन शैलेन्द्र यादव, के.के. पांडिया, पुनीत यादव, मंजीत रावत, अजय राज एवं जतिन राज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी रवि अवस्थी, प्रधान प्रतिनिधि जितेंद्र यादव (कोरार), अंकित सिंह, आकाश कुमार, निखिल गुप्ता, अनु रावत, पंकज यादव, इरशाद, दिलीप, रोहित, रजनीश, अंकेश यादव, धर्मेंद्र कुमार, सूरज, दीपक, अनुराग, अनुज, कुलदीप सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण मौजूद रहे।टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर क्षेत्रवासियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खेत बचाओ अभियान' का हुआ शुभारंभ, वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कृषि विज्ञान केन्द, कटिया, सीतापुर एवं कृषि विभाग सीतापुर के संयुक्त प्रयास में *खेत बचाओ अभियान* जिला स्तरीय कार्यक्रम शुभारंभ किया गया है जिसमे कृषि विज्ञान केंद्र कटिया के अध्यक्ष, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला पादप रक्षा अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी व कृषि विभाग के कर्मचारी एवं जनपद के कृषि इनपुट डीलर, रिटेलर्स उपस्थिति रहे। कार्यक्रम में भूमि समतलीकरण, चौडी मेडबदी, मृदा परीक्षण, हरी एवं देशी खादो का प्रयोग, जैव उर्वरको एवं सूक्ष्म पोषक तत्वो का प्रयोग, प्रजाति एवं मृदा स्थित आधारित संतुलित उर्वरको के प्रयोग, बीज एवं भूमि उपचार लाइन बुवाई एवं एकीकृत नाशीजीव एवं खरपतवार प्रबंधन पर कृषि इनपुट विक्रेताओ को तकनीकी जानकारी देते हुए उन्हे किसानो के साथ संगोष्ठी कराने हेतु प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने छात्र-शिक्षक-अभिभावकों को किया सम्मानित

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन सभागार में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में प्रदेश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। मेधावियों को चेक, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा और अभिभावकों के चेहरे गर्व से दमक उठे। प्रदेश स्तर पर टॉप-10 स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को एक लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल दिए गए। जनपद स्तर पर टॉप-10 में जगह बनाने वाले 1,459 मेधावियों को 21 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और मेडल से सम्मानित किया जा रहा है। सीतापुर की कशिश वर्मा (97.83 प्रतिशत) को मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सम्मानित किया। लखनऊ पब्लिक कॉलेज के शिवम अवस्थी, कानपुर की अनन्या गर्ग और श्रेष्ठी सिंह, सीटीएमएस गोमती नगर के वैवस्वत नारायण दुबे ने 99.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। समारोह का विशेष क्षण शीलिंग हाउस स्कूल, कानपुर के ओजस्वित पसरीचा को 100 प्रतिशत अंक पर सम्मानित करने पर आया, जिस पर सभागार में जोरदार तालियां बजीं। गाजियाबाद के दक्ष वासुदेवा और अश्विक जैन तथा बरेली की मानवी पटेल को भी उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मान मिला। मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों और प्रधानाचार्यों को भी बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की।

सिपाही के समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की परीक्षा तिथि और परीक्षा जनपद की सूचना जारी

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी (सिपाही) नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों (सीधी भर्ती 2025) की लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को 75 जिलों के निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रन्नोति बोर्ड के अपर सचिव (भर्ती)/परीक्षा नियंत्रक सत्यार्थ अनिरूद्ध पंकज की ओर से सोमवार को पत्र जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि ये परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइड पर उपलब्ध करा दी गई है। अभ्यर्थी अपनी पंजीकरण संख्या एवं जन्मतिथि के माध्यम से लॉगिन करके अपनी लिखित परीक्षा के परीक्षा जनपद सूचना पर्ची डाउनलोड कर लें। साथ ही साथ अभ्यर्थी निर्देशों को और इस भर्ती की विज्ञप्ति को भी पढ़ लें। बोर्ड ने यह भी कहा कि अभ्यर्थी इस बात का भी ध्यान दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र नहीं है। सुविधा के लिए यह उस जिले के आंवटन के लिए एक अग्रिम सूचना हैं, जहां परीक्षा केंद्र होगा। अभ्यर्थी का एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि के तीन दिन पहले बोर्ड की अधिकारी वेबसाइट पर भेजा जाएगा।

अनवेश ने चमकाया नाम, जेईई एडवांस्ड में एआईआर-68

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। जेईई एडवांस्ड 2026 के घोषित परिणामों में एलन लखनऊ के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहर का गौरव बढ़ाया है। एलन लखनऊ के क्लासरूम स्टूडेंट अनवेश पटेल ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 68 हासिल कर लखनऊ सिटी टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। परिणाम घोषित होते ही संस्थान में उत्सव का माहौल बन गया और सफल विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। एलन उत्तर प्रदेश के अकादमिक प्रमुख विनोद शर्मा ने बताया कि लखनऊ सेंटर के पहले दो वर्षीय बैच ने ही उत्कृष्ट परिणाम देकर संस्थान की गुणवत्ता को साबित किया है। अनवेश पटेल के अलावा शशांक ने एआईआर-455 तथा अविशि पांडे ने एआईआर-1246 प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि ये परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के विश्वास का प्रतिफल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी एलन कैरियर इंस्टीट्यूट ने लगातार तीसरे वर्ष जेईई एडवांस्ड में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस वर्ष कोटा के छात्र शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक प्राप्त कर देश में पहला स्थान हासिल किया। वहीं कबीर छिल्लर ने एआईआर-2 और जतिन चाहर ने एआईआर-3 प्राप्त की। ऑल इंडिया गर्ल्स टॉपर आरोही देशपांडे भी एलन कोटा की छात्रा हैं, जिन्होंने एआईआर-77 हासिल की है।

सेवानिवृत्त कुल 12 कर्मचारियों को किया समापक धनराशि का भुगतान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन की अध्यक्षता में 31 मई, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले विभिन्न विभागों से कुल 12 कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय वाराणसी के प्रेमचंद सभागार कक्ष में उनके समापक धनराशि का भुगतान किया गया ।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, अभिनव कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार समेत लेखा एवं कार्मिक विभाग के निरीक्षक व कर्मचारी उपस्थित थे । इस अवसर मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की लम्बी और उत्कृष्ट सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की आप सभी के अथक परिश्रम,समर्पण और ईमानदारी के कारण भारतीय रेल प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर है । सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी अपनी धनराशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें और सोच समझ कर ही इन्वेस्ट करें । उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम के बारे में बताते हुए सतर्कता बरतने तथा अपना बचा हुआ समय अपने परिवार और समाज के कल्याण में समर्पित करने का अनुरोध किया ।मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि वाराणसी मंडल के कार्मिक विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन एवं मेहनत से कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के दिन ही उनके रिक्त पद पर वरीयता क्रम में आ रहे 07 कर्मचारियों को पदोन्नति पत्र सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों से दिलवाया गया है।1 अशोक कुमार गुप्ता, मुख्य कार्याधी / वाराणसी के रिक्त पद पर श्री गोपाल कुमार को पदोन्नति को पदोन्नत किया गया ।2. शांति स्वरूप श्रीवास्तव, स्टेधी/जंगीगंज के रिक्त पद पर श्री सत्य नारायण प्रसाद को पदोन्नत किया किया गया ।3. रबीचन्द्र मण्डल, वरि. तकनीशियन/छपरा के रिक्त पद पर दीपक कुमार गोंड को पदोन्नत किया किया गया ।4. महेंद्र सिंह, वरि. तकनीशियन/गोरखपुर के रिक्त पद पर विनोद कुमार मिश्र को पदोन्नत किया किया गया ।5. रणविजय उपाध्याय, तकनीशियन/भटनी के रिक्त पद पर अरविन्द कुमार को पदोन्नति को पदोन्नत किया गया । ।6. रेवती प्रसाद, मु.कार्याधी/वाराणसी के रिक्त पद पर श्री जीतेन्द्र कुमार चौधरी को पदोन्नत किया गया ।7. केदार चौहान, ट्रैकमैंन ।।/ आज़मगढ़ के रिक्त पद पर अशोक सिंह को पदोन्नत किया गया ।

आंगनबाड़ी केंद्रों की बदहाल व्यवस्था उजागर, बच्चों के पोषण पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांकेगंज खीरी। विकासखंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 एवं 11 में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्र में किए गए निरीक्षण के दौरान कई आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिले, जबकि कुछ केंद्रों पर बच्चों की उपस्थिति बेहद कम दिखाई दी। इससे बच्चों के पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रश्नचिह्न लग गया है।स्थानीय ग्रामीणों एवं बच्चों से बातचीत के दौरान यह बात सामने आई कि अधिकांश केंद्रों पर बच्चों को नियमित रूप से पका-पकाया भोजन उपलब्ध नहीं कराया जाता। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले खाद्यान्न और अन्य संसाधनों का लाभ बच्चों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है।गौरतलब है कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को पोषाहार उपलब्ध कराने के लिए शासन की ओर से खाद्यान्न, गैस सिलेंडर, चूल्हा, बर्तन, प्लेट, ग्लास तथा स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके बावजूद यदि बच्चों को नियमित भोजन नहीं मिल रहा है तो यह संबंधित व्यवस्था की निगरानी और संचालन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।ग्रामीणों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित निगरानी न होने के कारण योजनाओं का लाभ पात्र बच्चों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उनका आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते केंद्रों की व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।क्षेत्रवासियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों एवं अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को प्रतिदिन गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने और योजनाओं के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने की अपील की है।अब देखना यह होगा कि संबंधित विभाग इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और बच्चों के हितों की रक्षा के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

जन उद्घोष व्यापार मंडल में अध्यक्ष व मंत्री बनने की हुई घोषणा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सोमवार व्यापारियों के हितो के लिए काम करने के संकल्प और संगठन को मज़बूत बनाने की तीव्र इच्छा के साथ उमेश विनोद लोधी ने जन उद्घोष व्यापार मंडल का मंत्री व अध्यक्ष पद सम्भला है। कन्हैया माधोपुर में जन उद्घोष व्यापार मंडल द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया मीटिंग जिसमे प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश मंत्री ने उमेश को मंत्री और विनोद लोधी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री को बुके देकर उनका सम्मान किया उमेश व विनोद ने बताया है कि हम संगठन को मजबूती से जोड़ने का काम करेंगे व संगठन की आगे बढ़ाने के लिए भी कार्य करेंगे.. उमेश विनोद इरशाद पवन सिंह आशीष पाल सुशील यादव राहुल राजपूत राजा लोधी रामसागर पाल अमन राजपूत राहुल गुप्ता सभी क्षेत्र के लोग भी शामिल हैं।

उत्तर रेलवे

टेंडर नोटिस संख्या-51265214 दिनांक- 01.06.2026

इलेक्ट्रानिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, आलमबाग, लखनऊ-226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	51265214	"Cone Calorimeter and smoke density chamber for fire property testing of materials (Cost of basic machine meeting the requirement of attached technical specification including preventive maintenance during warranty period)."	1 Nos.	07.07.2026

निविदा शर्तें- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। **1844/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, वाराणसी, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएँ दो पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत में काशी रेलवे स्टेशन के पास मौजूदा पुराने मालवीय पुल के 50 मीटर नीचे, गंगा नदी पर नए रेल सह सड़क पुल संख्या 11 का डिजाइन और निर्माण, जिसमें निचले डेक पर चार लाइन ट्रैक और ऊपरी डेक पर छह लेन की सड़क के लिए पुल की उप संरचना और सुपर संरचना (8 X 108.5 मीटर + 2 X 103.3 मीटर ओपन वेब स्टील गर्डर) शामिल है, जिसमें जीएडी के अनुसार रेलवे और सड़क पहुंच के साथ-साथ ओएचई कार्य और सामान्य इलेक्ट्रिक का कार्य शामिल है, के परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राधिकरण अभियंता की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी)।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	48 (अड़तालीस) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 31,56,52,935.08
4	धरोहर राशि	रु. 63,13,100/-
5	रेलवे वेबसाईट पर निविदा दस्तावेजों की बिक्री/उपलब्धता	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 02.06.2026 से 09.07.2026 11:00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगे।
6	प्री बिड कॉनफेरेंस	दिनांक - 09.06.2026 समय 11:30 बजे, **स्थानः** कार्यालय मुख्य परियोजना प्रबंधक, निर्माण, उत्तर रेलवे, वाराणसी एवं आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट पर साझा की गई ऑनलाइन वीसी लिंक के माध्यम से भी।
7	बिड पूर्व पूछताछ प्राप्त करने की अंतिम तिथि	10.06.2026
8	रेलवे द्वारा बिड पूर्व प्रश्नों के उत्तर की तिथि	18.06.2026
9	निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	पूर्ण निविदा प्रपत्र निविदाएँ दिनाँक 02.06.2026 से 09.07.2026 (भारतीय समयानुसार 11.00 बजे) तक रेलवे वेबसाइट के आफिसियल पोर्टल **www.ireps.gov.in** पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। निविदाकर्ता अपनी तकनीकी एवं वित्तीय बिड आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर 09.07.2026 भारतीय समयानुसार 11.00 बजे तक अवश्य जमा करें। ऑनलाइन प्राप्त निविदाएँ दिनाँक 09.07.2026 को भारतीय समयानुसार 15.00 बजे खोली जाएगी।
10	विस्तृत निविदा सूचना व प्रपत्र	विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र दिनाँक 02.06.2026 से 09.07.2026 तक भारतीय समयानुसार 11.00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध रहेंगें। व दिनाँक 25.06.2026 से 09.07.2026 तक ई-निविदा अपलोड की जा सकती है। उपर्युक्त निविदा के संबंध में अन्य सभी नियम और शर्तें RFP डॉक्युमेंट्स में ऑनलाइन दिये गए हैं।

टेण्डर नोटिस संख्या 11-टेण्डर/मु.परि.प्र./नि./वाराणसी दिनांक 30.05.2026 **1843/26**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मंत्री मनोज पाण्डेय ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

❒ माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री उप्र योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग कर उच्च अंक प्राप्त करने वाले 1,682 छात्र/छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उप्र सरकार डॉ मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इसके पश्चात माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले हाईस्कूल के 07 एवं इण्टरमीडिएट के 14 छात्र/छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र व रुपये 21 हजार का डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के प्रदेश में 6वाँ स्थान प्राप्त करने वाली हाईस्कूल की तनु जायसवाल (96.83 प्रति0), प्रदेश में 08वाँ स्थान प्राप्त करने वाले सर्वेश कुमार मिश्रा (96.50 प्रति0) एवं अभिषी साहू (96.50 प्रति0) राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री द्वारा हाईस्कूल के मेधावी छात्र/छात्राएं दृष्टि गुप्ता (95.50 प्रति0), सोनाली सिंह (95.50 प्रति0), अंशी (95.33 प्रति0), आंचल शुक्ला (95.17 प्रति0), मुस्कान सिंह (95.17 प्रति0), रिया पटेल (95.00 प्रति0), प्राची वैश्य (95.00 प्रति0) को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट मेधावी छात्र/छात्राएं नन्दनी गुप्ता (93.80 प्रति0), जया शुक्ला (93.40 प्रति0), वैष्णवी (92.60 प्रति0), अभिषेक अवस्थी (92.40 प्रति0), दिव्यांशी मौर्या (92.40 प्रति0), शुभ सिंह (92.00 प्रति0), अद्वैत अवस्थी (92.00 प्रति0), उम्मे हबीबा (91.80 प्रति0), आर्या पटेल (91.80 प्रति0), तृप्ति शुक्ला (91.20 प्रति0), अभिनव (91.20 प्रति0), खिलय पाण्डेय (91.20 प्रति0), अर्पित मौर्य (91.20 प्रति0), निधि श्रीवास्तव (91.20 प्रति0) को सम्मानित किया गया।

उत्तर प्रदेश आज देश में अक्षय ऊर्ज़ा विकास का अग्रणी मॉडल बनकर उभरा है: ए के शर्मा

❒ उत्तर प्रदेश को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार (PM Surya Ghar Excellence Award) प्रदान किए जाने के लिए चयनित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने सौर एवं अक्षय ऊर्ज़ा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अग्रणी पहचान स्थापित की है। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम ''पीएम सूर्य घर के दो वर्ष : एक करोड़ रूफटॉप तक सौर ऊर्ज़ा का विस्तार'' में उत्तर प्रदेश को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार (PM Surya Ghar Excellence Award) प्रदान किए जाने के लिए चयनित किया गया है।

नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए.के. शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश में अक्षय ऊर्ज़ा विकास का अग्रणी मॉडल बनकर उभरा है और ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 9.91 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनके सापेक्ष 5.57 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इन संयंत्रों से 5.64 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित हुए हैं तथा प्रदेश में 1,888 मेगावाट से अधिक रूफटॉप सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। लाभार्थियों को अब तक ?3,602 करोड़ से अधिक की केंद्रीय सब्सिडी तथा ?1,200 करोड़ से अधिक की राज्य सरकार की अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने PM Surya Ghar Stakeholders Monitoring State Dashboard विकसित कर योजना की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 2,000 रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन किए जा रहे हैं तथा 6,000 से अधिक पंजीकृत वेंडरों के साथ उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि लखनऊ देश का पहला जनपद बन गया है जिसने योजना के अंतर्गत एक लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार किया है। मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्ज़ा क्षेत्र का कारोबार बढ़कर 36 से 40 करोड़ प्रतिदिन तक पहुंच चुका है, जिससे 70,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 9,200 सरकारी भवनों पर 247 मेगावाट, जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 900 मेगावाट तथा 691 वाणिज्यिक एवं औद्योगिक भवनों पर 220 मेगावाट सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश केवल सौर ऊर्ज़ा ही नहीं, बल्कि अन्य अक्षय ऊर्ज़ा कार्यक्रमों में भी राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। सीबीजी (Compressed Biogas) क्षेत्र में 38 संयंत्रों के माध्यम से 284 टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता के साथ प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं पीएम-कुसुम सी-1 योजना के अंतर्गत 7,821 संयंत्रों की स्थापना कर किसानों को स्वच्छ एवं किफायती ऊर्ज़ा उपलब्ध कराई जा रही है।

व्यापारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी अधिकारियों ने सुनीं व्यापारियों की समस्याएं

❒ बीकेटी में आयोजित बैठक में जीएसटी पोर्टल, ई-इनवॉइसिंग और रिटर्न फाइलिंग की दी जानकारी

❒ 20 जून तक खंडवार आयोजित होंगे व्यापारी संवाद कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सोमवार को बख्शी का तालाब स्थित एक निजी होटल में राज्य कर विभाग की ओर से व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीएसटी अधिकारियों ने व्यापारियों और दुकानदारों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा जीएसटी से संबंधित विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी।

उपायुक्त राज्य कर लखनऊ वीरेंद्र मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेशभर में खंड स्तर पर व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जीएसटी करदाताओं की समस्याओं का समाधान करना तथा उन्हें नई व्यवस्थाओं और नियमों के प्रति जागरूक करना है।बैठक में व्यापारियों को जीएसटी पोर्टल के उपयोग, ई-इनवॉइसिंग, रिटर्न फाइलिंग, इनपुट टैक्स क्रेडिट और नियम 14ए सहित विभिन्न प्रावधानों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही जीएसटी 2.0 पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतीकरण भी किया गया, जिसमें व्यापारियों के सवालों के जवाब देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।अधिकारियों ने बताया कि 20 जून तक प्रत्येक जिले में खंडवार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन बैठकों के माध्यम से जीएसटी पंजीकरण, रिटर्न, कर भुगतान और अन्य तकनीकी समस्याओं को लेकर व्यापारियों से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा।कार्यक्रम में उपायुक्त राज्य कर, अमरदीप वर्मा, सहायक आयुक्त राज्य कर, संजय सिंह, सहायक आयुक्त राज्य कर,अभिमन्यु पाठक, राज्य कर अधिकारी प्रखर सिंह एवं सत्यजीत सहित संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष वेद रतन सिंह, अतुल मिश्रा, योगेंद्र प्रसाद दीक्षित समेत बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय दुकानदार उपस्थित रहे।

राजधानी के माल इलाके में बना अपना बाजार एक बार फिर गुलजार होने को तैयार

❒ इस अवसर पर करीब डेढ़ दर्जन स्वयं सहायता समूहों ने अपने-अपने टेंट त्रिपाल लगाकर आम कारोबार की शुरुआत कर दी है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । राजधानी के माल इलाके में करोड़ों रुपए की लागत से बना अपना बाजार एक बार फिर से गुलजार होने जा रहा है। सरकारी मंशा के अनुरूप स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन हेतु करोड़ों की लागत से बनाया गया अपना बाजार उपेक्षा का शिकार हो रहा था । मात्र वर्ष भर में आम की फसल की खरीद फरोख्त के लिए यहां रौनक दिखती है। शेष वर्ष भर यहां कस्बा वासियों द्वारा बकरिया और पशुओं के चरागाह के रूप में इसे इस्तेमाल किया जाता है। प्रत्येक वर्ष आम फसल के पकते ही इस अपना बाजार में विकास खंड के लगभग दर्जनभर स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रथम जून को टेंट त्रिपाल लगाकर आम की बिक्री का काम शुरू कर दिया जाता है।

यहां कुछ छोटे किसान अपना आम बिक्री के लिए लाते हैं। जबकि बड़े आम व्यापारी और लखनऊ, आजादपुर दिल्ली, पंजाब और सूबे की विभिन्न मंडियों में अपने आम को बिक्री के लिए भेजते है। अधिकांश मंडिया पहली जून से ही आम का कारोबार शुरू करती हैं। इसी क्रम में माल कस्बा स्थित अपना बाजार ने भी पहली जून से कारोबार की शुरुआत की जाती है जिसमें बदायूं दिल्ली इलाहाबाद पंजाब बरेली आदि जिलों से व्यापारियों द्वारा आम की खरीदारी की जाती है । इस अवसर पर किसान स्वयं सहायता समूह, चांद स्वयं सहायता समूह, काके स्वयं सहायता समूह, जे एम डी स्वयं सहायता समूह सहित डेढ़ दर्जन स्वयं सहायता समूहों ने अपने अपने टेंट त्रिपाल लगाकर आम कारोबार की शुरुआत कर दी है। यह आम का कारोबार लगभग डेढ़ से दो माह चलेगा तब तक रौनक दिखेगी उसके बाद पशुओं का आरामगाह बनकर रह जायेगा।

वृद्ध महिला का तालाब में पड़ा मिला शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ । महिंगवा थाना के अंतर्गत सोमवार की सुबह 85 वर्षीय वृद्ध महिला का शव तालाब में पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चकबनकट गांव निवासी अर्जुन ने बताया की मां अन्नपूर्णा 85 वर्ष रविवार को सुबह 4:00 बजे घर से अचानक गायब हो गई थी। काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चल सका। इसके बाद थाने में जाकर गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने काफी तलाश किया घर वालों और ग्रामीणों ने आसपास क्षेत्र में भी पता लगाया। लेकिन जानकारी नहीं हुई। परिवार के लोगों के मुताबिक वृद्ध महिला अन्नपूर्णा 85 वर्ष को आंखों से कम दिखाई पड़ता था। और सुनाई भी नहीं पड़ता था हाथ पैर से भी कमजोर थी। वह किसी तरह बैठकर ही चल पाती थी। जिससे वह लुढ़क कर तालाब में चली गई। नागरिकों ने बताया यह तालाब उनके घर के निकट आबादी के बीच में था। सोमवार की सुबह जब वृद्ध महिला के कपड़े देखें तो इसके बाद तालाब में शव पड़े होने की जानकारी हुई। प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम मौर्य ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है घर वालों ने कोई लिखित शिकायत नहीं दी है।

इंदिरा डैम पर युवकों से मारपीट व जान से मारने की धमकी पीड़ित की तहरीर पर बीबीडी थाने में मुकदमा दर्ज

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा डैम पर युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिनहट थाना क्षेत्र के देवरिया गांव निवासी सनी निषाद ने बीबीडी थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह अपने मित्र सुमित के साथ इंदिरा डैम घूमने गया था। इसी दौरान वहां पहले से मौजूद कुछ युवकों ने बिना किसी कारण के गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार विरोध करने पर आरोपित युवकों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे उसके मित्र सुमित को भी हमलावरों ने पीट दिया। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों के जुटने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। जाते समय आरोपितों ने जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर में सनी निषाद ने रोकी, आदित्य समेत अन्य अज्ञात युवकों को नामजद करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद वह काफी भयभीत था, जिसके चलते तत्काल शिकायत नहीं कर सका। बीबीडी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव गए परिवार के सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना, लाखों के जेवरात समेट ले गए बदमाश

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तरधौना स्थित हिमसिटी फ़ेस-3 निवासी राजमणि यादव 29 मई को परिवार सहित अपने पैतृक गांव गए हुए थे। घर की देखरेख के लिए उन्होंने मकान की चाबी परिचित व्यक्ति को सौंप रखी थी। इसी दौरान देर रात अज्ञात चोरों ने मकान का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। बताया गया कि रात करीब 3:14 बजे चोरी की सूचना मिलने पर पीड़ित ने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। चोरी गए सामान में सोने की चेन, अंगूठियां, झुमके, कमरबंद, चांदी की पायल, बिछिया, नथ और अन्य कीमती आभूषण शामिल बताए गए हैं। बीबीडी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की लखनऊ एवं जिला कार्यकारिणी का होगा विस्तार

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सोमवार उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारियो की अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में बैठक आयोजित हुई बैठक मे लखनऊ की नगर एवं जिला कमेटी के विस्तार की रूपरेखा बनाई गई प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने लखनऊ की नगर एवं जिला कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी के विस्तार एवं पदाधिकारियो के चयन के लिए 8 सदस्यीय प्रभारी कमेटी का गठन किया तथा प्रभारी कमेटी को 20 जून तक लखनऊ के जिला एवं नगर कमेटी मे पदाधिकारियो के चयन की जिम्मेदारी सौंपी प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के बढ़ते हुए स्वरूप के दृष्टिगत राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों एवं बाजारों से एवं विभिन्न ट्रेड से ऊर्ज़ावान व्यापारियों को जोड़कर नई कमेटी में पदाधिकारी के रूप में स्थान दिया जाएगा 8 सदस्यीय प्रभारी कमेटी मेंव्यापारी नेता अविनाश त्रिपाठी,अनिरुद्ध निगम, हरजिंदर सिंह, मोहित कपूर, राजीव शुक्ला, राजन मिश्रा, आशीष गुप्ता ,संजीव जैन को जिम्मेदारी दी गई।

दहेज हत्या मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सरोजनीनगर,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सरोजनीनगर पुलिस ने दहेज हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी पवन लोधी उर्फ गोलू को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के अनुसार थाना बिजनौर क्षेत्र के कंकड़ कुआं निवासी रूपा ने 29 मई 2026 को थाना सरोजनीनगर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके चलते उसकी हत्या कर दी गई।तहरीर के आधार पर थाना सरोजनीनगर में मुकदमा संख्या 197/2026 के तहत धारा 80(2), 85 भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर को सौंपी गई।जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के आदेश जारी किए गए। इसके बाद पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश देकर आरोपियों की तलाश कर रही थी।सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गहरू अंडरपास के पास घेराबंदी कर मुकदमे में नामजद आरोपी पवन लोधी उर्फ गोलू (27 वर्ष) पुत्र पप्पू, निवासी ग्राम पिपरसंड, थाना सरोजनीनगर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी द्वारा दहेज के लालच में अपनी पत्नी को प्रताड़ित एवं मारपीट की जाती थी। प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने 29 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

जनसमस्याओं का समयसीमा में निपटारा करें, देरी पर तय हो जवाबदेही: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनदर्शन में प्रदेशभर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं और समयसीमा में निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व और पुलिस से जुड़ी शिकायतों का निपटारा निर्धारित अवधि में हो, और बिना वजह देरी होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाए। जनदर्शन में मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस मामलों के आवेदन संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए कहा कि लंबित राजस्व मामलों का निपटारा तय समय में हो। छह महीने से अधिक समय से लंबित मामलों की समीक्षा कर बिना उचित कारण देरी पाए जाने पर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि जरूरतमंद को समय पर मदद और समाधान मिले। अधिकारियों को संवेदनशीलता से काम करने, बिना भेदभाव न्याय दिलाने, पात्रों को योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जरूरतमंदों को उचित इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए। कुछ बच्चों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से बच्चों को नियमित स्कूल भेजने को कहा।

राजस्व अभिलेखों से खुलेगा निष्क्रांत जमीन का राज, जांच में जुटे अधिकारी

❒ निष्क्रांत भूमि प्रकरण में राजस्व अभिलेखों की जांच शुरू, कई फर्जी बैनामों की परतें खंगाल रही विवेचना

❒ राजस्व रिकॉर्ड और बैनामों का किया जा रहा मिलान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बख्शी का तालाब। निष्क्रांत घोषित भूमि से जुड़े चर्चित प्रकरण में अब जांच का फोकस राजस्व अभिलेखों, बैनामा दस्तावेजों और न्यायालय के आदेशों के अनुपालन पर केंद्रित हो गया है। पुलिस और संबंधित विभागों द्वारा भूमि से जुड़े पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निष्क्रांत घोषित होने और न्यायालय द्वारा यथास्थिति के आदेश दिए जाने के बाद भी भूमि का हस्तांतरण किन परिस्थितियों में हुआ।

जानकारी के अनुसार बख्शी का तालाब तहसील अंतर्गत रसूलपुर सादात गांव की गाटा संख्या 712 को वर्ष 2005 में निष्क्रांत संपत्ति घोषित किया गया था। इसके बाद वर्ष 2013 में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने और किसी भी प्रकार के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने का आदेश दिया था। जांच एजेंसियां अब यह सत्यापित कर रही हैं कि उक्त अवधि के दौरान हुए बैनामों में प्रस्तुत अभिलेख, खतौनी, खसरा और अन्य राजस्व दस्तावेज न्यायालय एवं राजस्व अभिलेखों से मेल खाते हैं या नहीं। सूत्रों के मुताबिक विवेचना के दौरान उप निबंधक कार्यालय में दर्ज बैनामा दस्तावेजों, राजस्व विभाग के रिकॉर्ड तथा न्यायालय के आदेशों का तुलनात्मक परीक्षण किया जा रहा है। जांच का प्रमुख बिंदु यह है कि यदि भूमि निष्क्रांत घोषित थी और उस पर यथास्थिति का आदेश प्रभावी था तो उसके बावजूद हुए लेन-देन की प्रशासनिक और कानूनी वैधता क्या थी।मामले में स्थानीय गांव निवासी अवशीष उर्फ बऊवा की तहरीर पर डीसीपी के आदेशानुसार इंद्रानगर थाने में कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।वहीं कूटरचना, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और सरकारी अभिलेखों में कथित हेराफ़ेरी के आरोपों की भी जांच चल रही है। जांच अधिकारी संबंधित अभिलेखों की प्रमाणिकता, दस्तावेजों में प्रयुक्त विवरण और विभिन्न विभागों में उपलब्ध रिकॉर्ड का मिलान कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच भी कराई जा सकती है। वहीं पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उनका कहना है कि समय बीतने के साथ महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ रही है। दूसरी ओर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि विवेचना साक्ष्य आधारित तरीके से की जा रही है और जांच में प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निष्क्रांत भूमि क्या है, क्यों गंभीर है मामला

निष्क्रांत वह संपत्ति होती है जिस पर किसी व्यक्ति का वैध उत्तराधिकार साबित नहीं होता और वह सरकार के अधिकार में चली जाती है। गाटा संख्या 712 को वर्ष 2005 में निष्क्रांत घोषित किया गया था। इसके बाद इस भूमि के किसी भी हस्तांतरण या स्वामित्व परिवर्तन को कानूनी रूप से विशेष जांच और अनुमति के दायरे में माना जाता है। ऐसे में यदि निष्क्रांत घोषित भूमि पर वर्षों तक बैनामे होते रहे हैं तो यह केवल राजस्व नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि दस्तावेजी कूटरचना और प्रशासनिक जवाबदेही का भी बड़ा विषय बन जाता है।

जांच के घेरे में 17 साल का रिकॉर्ड

जांच एजेंसियां वर्ष 2005 से लेकर 2022 तक के राजस्व अभिलेख, खतौनी, खसरा, बैनामा दस्तावेज और न्यायालयी आदेशों का मिलान कर रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि हाईकोर्ट द्वारा यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के बावजूद जमीन की खरीद-फरोख्त कैसे होती रही। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि कहीं दस्तावेजों में हेराफ़ेरी, फर्जी अभिलेखों का इस्तेमाल या विभागीय स्तर पर लापरवाही तो नहीं हुई। यदि आरोप सही पाए गए तो मामले में कई लोगों की भूमिका जांच के दायरे में आ सकती है।

राष्ट्र को राममय बनाना हमारा संकल्प : जगद्गुरु रामभद्राचार्य

❒ कलश यात्रा के साथ आरंभ हुई नौ दिवसीय श्रीराम कथा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सोमवार को लखनऊ में आरंभ हुई अपनी 1423वीं श्रीराम कथा के प्रथम दिवस में पंचवटी प्रसंग का वर्णन करते हुए लक्ष्मण द्वारा भगवान राम से पूछे गए पांच महत्वपूर्ण प्रश्नों एवं उनके उत्तरों की व्याख्या की। उन्होंने नवधा भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन सहित भक्ति के नौ स्वरूप मानव हृदय को ईश्वर से जोड़ने का माध्यम हैं।

सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज विश्व अभूतपूर्व तनाव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सुरक्षित और सशक्त है क्योंकि यह भगवान की कृपा और प्रेम से अनुप्राणित राष्ट्र है।कथा प्रारंभ होने से पूर्व भव्य कलश एवं पोथी यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर गाजे-बाजे और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कथा स्थल तक यात्रा की तथा विधिवत कलश स्थापना की। विधायक डा. नीरज बोरा ने सपरिवार गुरुपाद पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।अपने उद्बोधन में रामभद्राचार्य ने कहा कि राष्ट्र की संस्कृति और अस्मिता की रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है तथा भारत को राममय बनाना उनका संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए बताया कि आगामी 14 जनवरी से एक गुरुकुलम् की स्थापना की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को नई गति देना है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट स्थित इस संस्थान में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ विश्वभर के लोगों को ऑनलाइन माध्यम से संस्कृत शिक्षा भी उपलब्ध कराई जाएगी।रामजन्मभूमि प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत सात दिनों की गवाही ने अनेक महत्वपूर्ण प्रश्नों के प्रामाणिक उत्तर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर का निर्माण भारतीय आस्था और सांस्कृतिक चेतना की ऐतिहासिक विजय का प्रतीक है। कथा स्थल पर मौजूद राम जन्मभूमि आदि प्रकरणों से जुड़ी रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि भोजशाला का निर्णय हिंदुओं के पक्ष में आना बहुत बड़ी जीत है। मैं भोजशाला तब जाऊंगा जब लंदन से मां सरस्वती की प्रतिमा भारत वापस आ जाएगी।कथा के दौरान उन्होंने देश में घटित हाल की बकरीद वाली घटना पर भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाज से सजग एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध समाज को संगठित होकर खड़ा होना चाहिए तथा राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए सतत प्रयास करना चाहिए।कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजक संस्था उत्सव के पदाधिकारी, भारत लोक शिक्षा परिषद के स्वयंसेवक, श्यामप्रेमी संघ, बोरा फाउण्डेशन सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की।

महिलाओं के साहस और संघर्ष को मिलेगा सम्मान

❒ 'क्राउन ऑफ करेज' का आगाज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। महिलाओं के संघर्ष, आत्मविश्वास और उपलब्धियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से वुमनशाइन मैगज़ीन एवं डब्लूसीई द्वारा विशेष मंच 'क्राउन ऑफ करेज' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वुमनशाइन एवं डब्लूसीई की संस्थापक अपर्णा मिश्रा ने इस पहल की परिकल्पना और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मंच महिलाओं को केवल उनके व्यक्तित्व के आधार पर नहीं, बल्कि उनके संघर्ष, उपलब्धियों, आत्मविश्वास और जीवन में दिखाई गई हिम्मत के लिए सम्मानित करेगा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'क्राउन ऑफ करेज' के आधिकारिक लोगो का अनावरण रहा। लोगो के माध्यम से महिला शक्ति, आत्मविश्वास और नेतृत्व का प्रभावी संदेश दिया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष सत्र 'करेज हैज़ नो एज' विषय पर वक्तव्य देते हुए डॉ. कविता सोमानी ने कहा कि साहस, सपने और नई शुरुआत की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने महिलाओं को जीवन के हर पड़ाव पर स्वयं पर विश्वास रखने, नए अवसरों को अपनाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले ऑडिशन की जानकारी भी साझा की गई। आयोजकों ने बताया कि 'करेज हैज़ नो एज' के संदेश के साथ 'क्राउन ऑफ करेज' का उद्देश्य देशभर की महिलाओं को प्रेरित करना तथा उन्हें अपनी पहचान, क्षमता और उपलब्धियों का उत्सव मनाने के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर डॉ. कविता सोमानी, रेनुका टंडन, रेनिता कपूर और प्रभा श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य अतिथि, प्रायोजक, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि, मीडिया कर्मी, उद्यमी एवं विभिन्न क्षेत्रों की महिला नेतृत्वकर्ता उपस्थित रहीं।

जिलाधिकारी के निर्देश पर खैराबाद में बड़ी कार्रवाई

- 100 बीघा से अधिक सरकारी एवं नजूल भूमि कराई गई कब्जा मुक्त
- 15 दिन की मोहलत समाप्त होने के बाद नगर पालिका ने चलाया बुलडोजर, अवैध कब्जों पर प्रशासन सख्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर । जिलाधिकारी सीतापुर के निर्देशों के क्रम में नगर पालिका परिषद खैराबाद द्वारा सोमवार को अवैध अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान मोहल्ला कमाल सराय एवं सुजावलपुर में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए लगभग 100 बीघा से अधिक सरकारी एवं नजूल भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

नगर पालिका परिषद की टीम ने सबसे पहले मोहल्ला कमाल सराय में कार्रवाई की, जहां करीब 1000 वर्ग फुट सरकारी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। प्रशासन के अनुसार संबंधित पक्ष को 15 दिन पूर्व नोटिस जारी कर कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कब्जा न हटाए जाने पर नगर पालिका ने राजस्व एवं पुलिस विभाग की मौजूदगी में कार्रवाई को अंजाम दिया।

इसके बाद प्रशासनिक टीम ने मोहल्ला सुजावलपुर में अभियान चलाकर लगभग 100 बीघा नजूल एवं सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराया। लंबे समय से अतिक्रमण की शिकायतों के बाद इस भूमि को चिन्हित किया गया था। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनहित एवं सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। सरकारी एवं नजूल भूमि पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है, वे स्वयं कब्जा हटा लें, अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से आने वाले दिनों में भी अभियान जारी रहेगा।

सोमवार को हुई इस बड़ी कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना रहा। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि को सुरक्षित रखना और उसे जनहित के कार्यों के लिए उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

महमूदाबाद में दो बाइकों की भीषण टक्कर, मिश्रिख में पलटी पिकअप

- महमूदाबाद में चार लोग घायल, दो की हालत गंभीर; मिश्रिख में बड़ा हादसा टला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जनपद में सोमवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। महमूदाबाद क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में एक महिला समेत चार लोग घायल हो गए, जबकि मिश्रिख में पावर हाउस के सामने एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि मिश्रिख हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

पहली घटना थाना महमूदाबाद क्षेत्र के सिरौली चौराहे के आगे अनु मेडिकल स्टोर के सामने सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार ग्राम शाहीनपुर निवासी सुरेंद्र (28) अपनी पत्नी आरती (27) और चार माह के पुत्र वीनू राज के साथ बाइक से दवा लेने जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर सवार आनंद कुमार (26), निवासी इटौंजा, जनपद लखनऊ भी हादसे का शिकार हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सभी लोग सड़क पर जा गिरे। हादसे में सुरेंद्र, आरती, वीनू राज तथा आनंद कुमार घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद आरती और आनंद कुमार की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। उधर, दूसरी घटना मिश्रिख पावर हाउस के सामने हुई, जहां एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय वहां से गुजर रहे बाइक सवार तीन लोग वाहन की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि पिकअप चालक सुरक्षित बाहर निकल आया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पुलिस ने खोज निकाले 220 मोबाइल, कीमत 42 लाख से ज्यादा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ पुलिस कमिश्ररेट की साइबर से पश्चिम जोन ने जनपद में अलग-अलग जगह से खोए या फिर चोरी हुए 220 मोबाइल फोन को खोज निकाला। सोमवार को पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) कमलेश दीक्षित ने खोए मोबाइल को उनके असली स्वामियों को सौंपा। इनकी लगभग कीमत 42 लाख 50 हजार रुपये है।पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) ने बताया कि जिले के विभिन्न थानों और सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पर लोगों ने अपने फोन खोने या फिर गिरने की शिकायत दर्ज करायी थी।

लखीमपुर खीरी की सड़कों पर दौड़ रही मौत!

- ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के दावों की खुल रही पोल, परिवहन विभाग पर उठ रहे गंभीर सवाल

सांकेतिक फोटो

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनपद की सड़कों पर ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार जारी है। ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, बालू और गिट्टी से भरे भारी वाहन तथा नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रही अवैध टैक्सियां न केवल यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं, बल्कि आम लोगों की जान को भी जोखिम में डाल रही हैं। स्थिति यह है कि जिले के प्रमुख सड़कों और हाईवे पर हर दिन सैकड़ों ओवरलोड वाहन फर्राटा भरते देखे जा सकते हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की कार्रवाई कहीं दिखाई नहीं देती।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे ही परिवहन विभाग का कार्यालय मौजूद है, तब भी ओवरलोड वाहनों का निर्बाध संचालन आखिर कैसे हो रहा है? यह प्रश्न अब आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया है। लोगों का आरोप है कि विभागीय निगरानी केवल कागजों तक सीमित रह गई है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

हादसों के बाद भी नहीं जागा सिस्टम

हाल ही में जिले में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षिका सहित 10 लोगों की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। हादसे के बाद प्रशासन और परिवहन विभाग ने सख्ती के दावे किए थे, लेकिन कुछ ही दिनों में हालात फिर पुराने ढर्रे पर लौटते दिखाई दे रहे हैं। ओवरलोड वाहन आज भी पहले की तरह सड़कों पर दौड़ रहे हैं और हर गुजरते दिन के साथ किसी नए हादसे की आशंका बढ़ती जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्घटना होने के बाद कुछ दिनों तक अभियान चलाकर चालान और सीज की कार्रवाई की जाती है, लेकिन यह कार्रवाई स्थायी समाधान साबित नहीं होती। नतीजा यह है कि कुछ समय बाद फिर वही वाहन सड़कों पर नजर आने लगते हैं।

टोकन सिस्टम'' की चर्चाओं ने बढ़ाए सवाल

जिले में लंबे समय से यह चर्चा भी होती रही है कि ओवरलोड वाहनों के संचालन को लेकर कथित तौर पर ''टोकन सिस्टम'' काम करता है। सूत्रों के मुताबिक कुछ वाहन चालक और संचालक ऐसे अनौपचारिक तंत्र की बात करते हैं जिसके चलते वाहनों को बिना रोक-टोक गुजरने की सुविधा मिलती है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही संबंधित विभाग ने कभी इसकी आधिकारिक पुष्टि की है, लेकिन ऐसी चर्चाएं लगातार परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि ओवरलोड वाहन केवल दुर्घटनाओं का कारण ही नहीं बनते, बल्कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कों को भी समय से पहले क्षतिग्रस्त कर देते हैं। अधिक वजन के दबाव से सड़कें टूटती हैं, गड्ढे बनते हैं और उनकी आयु कम हो जाती है। इसका सीधा असर सरकारी खजाने पर पड़ता है, क्योंकि बार-बार मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है।

अवैध टैक्सियों का भी बढ़ रहा नेटवर्क

ओवरलोड वाहनों के साथ-साथ जिले में अवैध रूप से संचालित टैक्सियों का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है। बिना फिटनेस, बिना वैध परमिट और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर कई वाहन यात्रियों को ढो रहे हैं। ऐसे वाहनों में यात्रा करने वाले लोग हर समय खतरे के साए में रहते हैं। बावजूद इसके, इन पर भी प्रभावी कार्रवाई न होने से जिम्मेदार विभागों की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार हो रहे हादसों और प्रशासनिक उदासीनता से आम लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ओवरलोडिंग और अवैध परिवहन पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

लोगों ने मांग की है कि जिले में विशेष अभियान चलाकर ओवरलोड वाहनों की नियमित जांच की जाए, दोषी वाहन मालिकों और चालकों पर कड़ी कार्रवाई हो तथा परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही अवैध टैक्सियों के संचालन पर भी तत्काल रोक लगाई जाए।

जनता के बीच अब एक ही सवाल गूंज रहा है, जब सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन सबको दिखाई दे रहे हैं, तो जिम्मेदार विभागों की नजर इन पर क्यों नहीं पड़ रही? आखिर कब तक लोगों की जान जोखिम में डालकर यह खेल चलता रहेगा? और क्या किसी और बड़े हादसे के बाद ही प्रशासन की नींद खुलेगी? जिले की जनता अब जवाब और कार्रवाई, दोनों का इंतजार कर रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली गई जागरूकता रैली, नशे से दूर रहने का संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। 31 मई को विश्व, तम्बाकू निषेध दिवस के मौके पर शहर के तरीनपुर स्थित अमन नशा मुक्ति केंद्र द्वारा ब्लाक परसेण्डी पीरपुर गुजरा में मद्य पदार्थों के निषेध हेतु जागरुकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को तम्बाकू युक्त पदार्थ जैसे तम्बाकू, बीड़ी, सिगरेट आदि से होने वाली शारीरिक हानियों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुए डा0 मुन्नालाल ने कहा कि गुटखा (पुड़िया) के लगातार सेवन से उच्चरक्तचाप, लीवर की गड़बड़ी, लकवा, भूख की कमी, पथरी, कब्ज, मानसिक कमजोरी, दिल का दौरा, नपुंसकता, मुंह के भीतर झिल्लियों में अकड़न, मुंह में सफ़ेद छाले, मुंह का खुलना कम होना आदि बीमारियां हो जाती हैं। गुटखे में डाला जाने वाला तम्बाकू, चूना, सुपारी सभी कैंसर के प्रेरक हैं। उन्होंने कहा कि सिगरेट के धुएं में कार्बन मोनो ऑक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, अमोनिया, नाइट्रोजन ऑक्साइड ये गैस खांसी उत्पन्न करती हैं। साथ ही श्वांस नली को संकुचित करके उसमें विभिन्न रोगों को जन्म देती हैं। उन्होंने कहा कि तम्बाकू के सेवन से उत्पन्न होने वाले रोगों जैसे- मुख, गले, साउंड बॉक्स, फ़ूड पाइप, पैनक्रियाज, आदि में कैंसर का खतरा एवं सुबह आंखे खुलने के समय खांसी आना, बलगम, साँस फूलना, आवाज भारी होना व त्वचा और दांतों पर धब्बे, अक्सर रहने वाला जुकाम, जख्मों का देरी से भरना, बुढ़ापा जल्दी आना, मोतिया बिन्द एवं पेट में अल्सर हो जाता है। इस अवसर पर अमन नशा मुक्ति केंद्र के प्रबन्धक अवनेन्द्र विक्रम सिंह, ग्राम प्रधान मनीष सिंह, छेदालाल राठौर, मंगली प्रसाद, चन्द्रभान, रामपाल, रामाश्रय, सन्तोषी देवी, फूलमती, उमादेवी एंव अन्य ग्राम वासी उपस्थित थे।

विकास उत्सव के तहत आधार कार्ड कैंप का शुभारंभ

- ग्रामीणों को मिलेगी घर के पास सुविधा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां, सीतापुर। शरद चौधरी फाउंडेशन कंदुनी के तत्वावधान में आयोजित 'विकास उत्सव' कार्यक्रम के अंतर्गत आधार कार्ड कैंप का भव्य शुभारंभ किया गया। क्षेत्र के विकास पुरुष शरद चौधरी और उनकी पत्नी गुंजन चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर इस शिविर का उद्घाटन किया। इस पहल से स्थानीय निवासियों को अब सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए दूर नहीं भटकना पड़ेगा। कैंप के लोकार्पण से पूर्व पत्रकारों से वार्ता करते हुए शरद चौधरी फाउंडेशन के सीईओ अरिंजय चौधरी ने कहा कि क्षेत्र का हर क्षेत्र में विकास करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और प्रमाण पत्रों के लिए बाहर भागना नहीं पड़ेगा, बल्कि सभी सुविधाएं इस कैंप के माध्यम से गांव में ही मिल सकेंगी। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार के अवसरों से भी जोड़ा जाएगा। विकास उत्सव के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए सलमान जादूगर द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे लोगों ने काफी सराहा।

करोड़ों की सड़क पर भ्रष्टाचार के आरोप

- निर्माण शुरू होते ही उखड़ने लगी सड़क

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निघासन, खीरी। निघासन क्षेत्र में जीतपुरवा से मंडप फार्म तक लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। करोड़ों रुपये की लागत से बन रही इस सड़क में मानकों की अनदेखी और भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा, जिसके चलते सड़क निर्माण पूरा होने से पहले ही कई स्थानों पर उखड़ने लगी है।

ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। आरोप है कि सड़क पर पर्याप्त सफाई किए बिना ही डामरीकरण किया जा रहा है, जबकि तारकोल और निर्माण सामग्री भी मानक के अनुरूप नहीं डाली जा रही। इससे सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस सड़क की उम्र पांच वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए, वह निर्माण के दौरान ही अपनी वास्तविक स्थिति बयां कर रही है। सड़क की सतह कई स्थानों पर कमजोर दिखाई दे रही है और निर्माण कार्य में बरती जा रही लापरवाही साफ नजर आ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी सड़क निर्माण में अनियमितताओं को लेकर समाचार प्रकाशित हो चुके हैं और शिकायतें भी की गई थीं, लेकिन विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कार्रवाई के अभाव में ठेकेदार पर मनमानी करने के आरोप लग रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई तो सरकारी धन का दुरुपयोग होगा और जनता को एक बार फिर खराब सड़क की समस्या से जूझना पड़ेगा। लोगों ने मांग की है कि उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराएं तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जहां बेहतर सड़क नेटवर्क और गुणवत्ता युक्त विकास कार्यों का दावा कर रही है, वहीं जमीनी स्तर पर कुछ ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारी इन दावों को पलीता लगाने में लगे हुए हैं। ऐसे में जीतपुरवा से मंडप फार्म तक बन रही सड़क की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब संबंधित विभाग को देना होगा। अब बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क में यदि वास्तव में मानकों की अनदेखी हो रही है, तो क्या जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इसकी जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी या फिर शिकायतें फाइलों तक ही सीमित रह जाएंगी?

यातायात पुलिस ने अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग के खिलाफ चलाया अभियान

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एसपी सौरभ दीक्षित के निर्देश पर महानगर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं जाम व अतिक्रमण की समस्या के निराकरण के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में सोमवार को यातायात पुलिस ने थाना सदर बाजार व कोतवाली क्षेत्र के फायर स्टेशन से अंटा चौराहा होते हुए केरुगंज तक अतिक्रमण एवं अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम ने स्थानीय अस्पतालों एवं दुकानों के सामने मुख्य सड़क पर किए गए अवैध अतिक्रमण के साथ अवैध रूप से लगे सब्जी और फलों के ठलों का हटवाया और सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक यातायात द्वारा लोगों से अपील की गई कि यातायात नियमों का पालन करें तथा अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित करें। साथ ही दुकानदार अपनी दुकान के अंदर सामान रखकर ही व्यापार करें तथा वाहन चालक अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें। ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। एसपी सिटी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि आम जनता की सुविधा के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने एवं जाम व अतिक्रमण की समस्या के निराकरण के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

हर्ष फायरिंग करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज, बंदूक बरामद

शाहजहांपुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना सदर बाजार पुलिस ने हर्ष फायरिंग के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर बंदूक को बरामद कर थाने में दाखिल किया है। बीती रात थाना सदर बाजार में तैनात उपनिरीक्षक नितिन कुमार ईदगाह मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि मोहल्ला ककरा कलां का रहने वाला मोहम्मद उमर अपनी लाइसेंसी बंदूक से हर्ष फायरिंग कर रहा है। मुखबिर ने पुलिस को हर्ष फायरिंग करने के फोटो और वीडियो दिखाए। जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल हर्ष फायरिंग के आरोपी मोहम्मद उमर के घर पहुंची, लेकिन पुलिस को आरोपी मोहम्मद उमर घर पर नहीं मिला। जबकि आसपास के लोगों ने पुलिस को बताया कि 26 मई को मोहम्मद उमर ने लाइसेंसी बंदूक खरीदी है और उसी खुशी में हर्ष फायरिंग की है। पुलिस ने आरोपी के घर से उक्त बंदूक बरामद की। पुलिस के अनुसार, हर्ष फायरिंग करना दंडनीय अपराध है। जिसके तहत पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 125 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने बरामद बंदूक को थाने में दाखिल कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

खीरी के होनहारों पर बरसी सम्मान की बारिश

- मेडल-शील्ड और 21 हजार के चेक पाकर खिल उठे चेहरे
- डीएम, जिलाध्यक्ष, विधायकगण के हाथों सम्मान पाकर खुशी से झूम उठे मेधावी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खीरी में सोमवार का दिन टॉपर विद्यार्थियों के लिए खास रहा। जिला प्रशासन की ओर से कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में यूपी बोर्ड परीक्षा के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप टेन विद्यार्थियों का भव्य अलंकरण समारोह आयोजित हुआ, जिसमे मेधावियों को प्रोत्साहन राशि की 21 हजार की डेमो चेक के साथ ही शील्ड और मेडल भी प्रदान किया।

माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग देखी और सुनी गई। कार्यक्रम में डीआईओएस विनोद कुमार मिश्र ने कार्यक्रम की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताइ। इसके बाद डीएम अंजनी कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, सदर विधायक योगेश वर्मा, धौरहरा विधायक विनोद शंकर अवस्थी और सीडीओ अभिषेक कुमार ने मेधावियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों का परिणाम आज विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने छात्रों से मेहनत, ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए विकसित भारत के निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वहीं विधायक विनोद शंकर अवस्थी ने कहा कि सफलता उन्हीं के कदम चूमती है जो निरंतर प्रयास करते हैं। जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने शिक्षा को सफलता की सबसे मजबूत नींव बताते हुए विद्यार्थियों से अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था ने प्रतिभाओं को सही पहचान दिलाई है। उन्होंने छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और गुरुजनों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, समर्पण और अनुशासन ही सफलता की असली कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि मेधावी छात्र-छात्राओं ने कठिन परिश्रम से बोर्ड परीक्षा को उल्लेखनीय अंकों के साथ उत्तीर्ण कर परिवार व जिले का नाम रोशन किया है।

हाईस्कूल के मेधावी

अर्जित गुप्ता, हर्षित तिवारी, आयुष वर्मा, अरविंद कुमार गौतम, प्रांशु, आर्यन वर्मा, आयुष, इशांत शर्मा, ह्रदयानशी, अंश पटेल, सिद्धार्थ दीक्षित।

इंटर के मेधावी

उमाशंकर, शौर्य गुप्ता, अचल वर्मा, आयुष, प्रियांशु सिंह, शुभम कुमार मौर्या, श्रद्धेय श्रीवास्तव, रजत चक्रवर्ती, तेजस्वी नारायण शर्मा, अनुरुद्ध कुमार।

दरौल विधायक ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकभवन लखनऊ में वर्ष 2026 में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जिसके क्रम में विकास भवन सभागार में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे ददरौल विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने लखनऊ में हुए समारोह का लाइव प्रसारण देखा। इसके बाद विधायक अरविंद सिंह, सीडीओ उत्कर्ष द्विवेदी ने हाईस्कूल व इंटरमीडियट के छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशिस्त पत्र देकर उनको सम्मानित किया। इस दौरान विधायक अरविन्द सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। मेधावियों का सम्मान युवा पीढ़ी को परिश्रम और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है। कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी निरंतर आगे बढ़ने और शिक्षा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें दीं। सीडीओ उत्कर्ष द्विवेदी ने बताया कि एूपी बोर्ड परीक्षा-2026 में जिला स्तर पर हाईस्कूल के 10 एवं इंटरमीडिएट के 10 टॉप-10 छात्र-छात्राओं को 21000 रूपए की धनराशि उनके बैंक खातों में कोषागार के माध्यम से ट्रांसफर की गई तथा उन्हें मेडल, प्रशस्ति पत्र व वल्ड पावर मेड इजी किताब देकर सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन डीपीएस राठौर, भाजपा जिलाध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण अवधेश राम, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिवंश कुमार आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण पर उठे सवाल बिना जांच शिकायत बंद करने का आरोप

सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने नगर पालिका परिषद सीतापुर पर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल की शिकायतों के निस्तारण में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आर.एम.पी. इंटर कॉलेज रोड पर लंबे समय से अंधेरा रहने के कारण वहां स्ट्रीट लाइटें लगाए जाने की मांग मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत संख्या 40015426033861 के माध्यम से की गई थी लेकिन शिकायत का निस्तारण बिना वास्तविक जांच किए ही कर दिया गया। नवल किशोर मिश्रा का आरोप है कि शिकायत के संबंध में नगर पालिका परिषद का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर निरीक्षण करने नहीं पहुंचा। इतना ही नहीं शिकायतकर्ता से मोबाइल फोन पर भी कोई जानकारी या संपर्क नहीं किया गया। इसके बावजूद शिकायत को निस्तारित दर्शाते हुए पोर्टल पर एक अन्य व्यक्ति नावेद आलम निवासी मोहल्ला कजियारा सीतापुर के नाम से संबंधित आख्या अपलोड कर शिकायत बंद कर दी गई।शिकायतकर्ता का कहना है कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का निष्पक्ष और पारदर्शी समाधान करना है लेकिन यदि बिना जांच और बिना शिकायतकर्ता की बात सुने शिकायतों का निस्तारण दिखाया जाएगा तो पोर्टल की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई शिकायतों को वास्तविक निस्तारण किए बिना ही बंद किए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों से जनता का भरोसा शासन की जनसुनवाई व्यवस्था से कमजोर होता है।नवल किशोर मिश्रा ने जिलाधिकारी एवं शासन स्तर के अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों पर किया जाएगा तो मुख्यमंत्री पोर्टल का उद्देश्य ही प्रभावित होगा और आम नागरिकों को न्याय नहीं मिल सकेगा। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से दर्ज इस शिकायत और लगाए गए आरोपों पर जिला प्रशासन क्या कदम उठाता है तथा आर.एम.पी. इंटर कॉलेज रोड पर स्ट्रीट लाइट की समस्या का वास्तविक समाधान कब तक हो पाता है।

सम्भल को मिली सौगात : विद्युत उपकेंद्र ततारपुर से 10 गांव के विद्युत उपभोक्ताओं को होगा लाभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल (बहजोई) । आज पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अंतर्गत योजना बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जनपद में ?671.84 लाख की लागत से निर्मित होने वाले नवनिर्मित 33/11 केवी 2x5 एम. वी. ए विद्युत उपकेंद्र ग्राम ततारपुर (विकासखण्ड सम्भल) विद्युत वितरण खंड सम्भल का लोकार्पण कार्यक्रम विकासखण्ड सम्भल के ग्राम ततारपुर में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा प्रभारी मंत्री/ मा. राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश शासन श्री धर्मवीर प्रजापति जी रहे तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरेन्द्र सिंह रिंकू, जी रहे। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि मा. प्रभारी मंत्री तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा विद्युत उपकेंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया।मा. प्रभारी मंत्री जी द्वारा बटन दबाकर फीडर चालू कर विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। लोकार्पण कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि मा. प्रभारी मंत्री / मा. राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा श्री धर्मवीर प्रजापति का एक पुष्प एवं एक पुस्तक देकर स्वागत सम्मान किया तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरेन्द्र सिंह रिंकू का एक पुष्प देकर स्वागत सम्मान किया। अन्य अतिथियों का भी स्वागत सम्मान किया गया। स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार थैला भी मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों एवं अन्य अतिथि गणों को भेट किया गया। अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय द्वारा बताया कि योजना बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ? 671.84 लाख से निर्मित होने वाले नवनिर्मित 33/11 केवी 25 एम.वी. ए विद्युत उप केन्द्र ततारपुर विद्युत वितरण केंद्र सम्भल से लगभग 10 गाँव जुड़ जाएंगे तथा लगभग 1800 उपभोक्ताओं को इससे लाभ प्राप्त होगा तथा विद्युत आपूर्ति में राहत मिलेगी साथ ही 5-5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर लगे हैं इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से विद्युत उपभोक्ताओं को फायदा होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरेन्द्र सिंह रिंकू ने कहा कि सरकार बिना भेदभाव के सबके हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है। ऐंचोडा कम्बोह के विद्युत उप केन्द्र का लोड़ कम होगा तथा लोगों को लाभ प्राप्त होगा।उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यह आपकी सम्पत्ति है इसकी देखभाल रखें।अगर कोई समस्या आपके सामने आये उसको संज्ञान में लाएं उसका निस्तारण होगा।मुख्य अतिथि मा. प्रभारी मंत्री ने कहा कि विद्युत उप केंद्र बनने से इस क्षेत्र के लिए बहुत बहुत काम हुआ है हमारी सरकार मा.योगी जी के नेतृत्व में शिक्षा,स्वास्थ्य,सड़के, विद्युत,पानी आदि के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं सड़कों का कायाकल्प हुआ है।मा. मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश की जनता को हर चिंता से मुक्त किया है। हर घर हर परिवार आगे बढे उस सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था अच्छी हुई है। इस विद्युत उप केन्द्र से 10 गाँव जुड़ेंगे इससे उन गांवों के विद्युत उपभोक्ताओं को इससे लाभ होगा। मा. प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री जी, मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व वाली हमारी सरकारें लोगों के लिए अच्छा कार्य कर रहीं हैं। हमारी सरकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हमारी बहन बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा की शासन के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाए ताकि लोग योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। मा. प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि हमारी सरकार में भर्तियाँ निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से हो रही हैं। मा. प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि लू एवं गर्म हवाओं के दृष्टिगत जहाँ भी जिस चौराहे आदि के पास श्रमिक एकत्र होते हैं वहां उनके लिए पेयजल की व्यवस्था की जाए तथा सार्वजनिक स्थलों पर भी पीने के पानी व्यवस्था की जाए। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा कहा कि मा. मंत्री जी द्वार जो भी निर्देश दिए गए हैं उनका अक्षरशः पालन किया जाएगा।उन्होंने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि तथा अन्य अतिथियों तथा लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य मंत्री आवास योजना की लाभार्थी संतोष देवी तथा ममता देवी को मुख्य अतिथि मा. प्रभारी मंत्री जी द्वारा आवास की चाबी सौंपी तथा कृषि विभाग के अन्तर्गत मिनी बीज किट का कृषक लाभार्थियों को वितरण किया। स्वयं सहायता समूह की विद्युत सखीयों जो कि ? एक लाख से अधिक की आय कर रही हैं उनको प्रभारी मंत्री जी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत मुख्य अतिथि मा. प्रभारी मंत्री जी द्वारा गोद भराई एवं अन्न प्राशन कार्यक्रम सम्पन्न किया।मंच का संचालन सीडीपीओ रचना यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह,जिला विकास अधिकारी राम आशीष, कृषि उप निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी,अधीक्षण अभियंता विद्युत हिमांशु वार्ष्णेय, अधिशासी अभियंता विद्युत सम्भल रघुनाथ तित्तल, खण्ड विकास अधिकारी सम्भल प्रेम पाल सिंह,,एसडीओ चन्द्र भूषण, एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष, भाजपा मण्डल अध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

योजना बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत 671.84 लाख से निर्मित 33/11 केवी 25 एम. वी. ए विद्युत उपकेंद्र ततारपुर विद्युत वितरण खण्ड सम्भल का प्रभारी मंत्री द्वारा किया गया लोकार्पण

निर्बाध रूप से लोगों को प्राप्त होगी विद्युत तथा विद्युत ओवरलोड से भी मिलेगी राहत

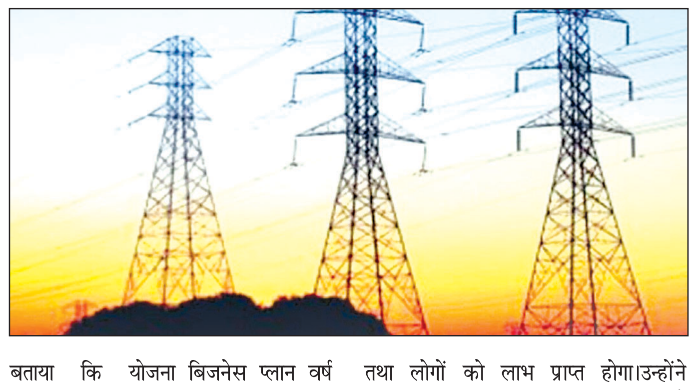

स्वास्थ्य विभाग के फ़ेरबदल में अमेठी के दो अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

अमेठी । प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) के तबादले किये हैं।इस प्रशासनिक फ़ेरबदल में अमेठी के दो वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं जिसमें महेंद्र कुमार त्रिपाठी को चित्रकूट का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है वहीं डॉ. राम प्रसाद को मेरठ का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है।अमेठी जनपद में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी के पद पर कार्यरत महेंद्र कुमार त्रिपाठी पिछले लगभग बीस वर्षों से जिले के विभिन्न अस्पतालों में सेवाएं दे चुके हैं। दो वर्ष पूर्व उन्हें पदोन्नति देकर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी बनाया गया था। अब शासन ने उन्हें चित्रकूट जिले की कमान सौंपी है।वहीं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राम प्रसाद को मेरठ का नया सीएमओ नियुक्त किया गया है।डॉ. राम प्रसाद ने अपनी शुरुआत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भादर के अधीक्षक के रूप में की थी।इसके बाद उन्होंने बरेली और रायबरेली में भी सेवाएं दीं।पदोन्नति के बाद उनकी पुनः अमेठी में तैनाती हुई थी।

दिव्यांगजन सर्वांगीण पुनर्वासन कार्यक्रमों के संचालन हेतु इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाए करे आवेदन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना के अन्तर्गत 21 प्रकार की दिव्यांगताओं (मानसिक मंदित एवं मानसिक रुप से रुग्ण दिव्यांगजनों को छोडकर) से सम्बन्धित 07 परियोजनाओं/कार्यक्रमों का स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से क्रियान्वयन किये जाने हेतु सहायता अनुदान प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम अंतर्गत अर्ली इण्टरवेंशन सेन्टर,डे केयर सेन्टर/प्री-प्राइमरी स्कूल, प्राइमरी स्कूल के स्तर के विशेष विद्यालयों का संचालन,जूनियर हाईस्कूल स्तर तक विशेष विद्यालयों का संचालन,हाईस्कूल स्तर तक के विशेष विद्यालयों का संचालन,कौशल विकास (अधिकतम 04 ट्रेंड तथा न्यूनतम 02 ट्रेड), पाठ्य सामाग्री विकास एवं पुस्तकालयों का संचालन है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अन्तर्गत पंजीकृत प्रदेश के स्वैच्छिक संगठन जो सम्बन्धित क्षेत्र में अनुभव तथा उक्त योजना हेतु पात्रता रखते हों, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 की वेबसाइट से प्रश्नगत योजना से सम्बन्धित कार्यकारी आदेश/दिशा-निर्देश व आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। परियोजनाओं/कार्यक्रमों का संचालन करने हेतु इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाए आवेदन कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, कक्ष सं0-103, विकास भवन, बदायूँ से प्राप्त करा सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु उक्त कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

जनप्रतिनिधियों ने मेधावियों को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, आईसीएसई, सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 223 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र, 1-1 लाख रुपए के प्रतीकात्मक चेक, टैबलेट देकर व पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बदायूं की प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी व लखनऊ की मेयर मौजूद रही। लखनऊ के कार्यक्रम के अतिरिक्त पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में बदायूं के 20 सहित 1459 विद्यार्थियों को मेधावियों को सम्मानित किया गया। कुल 1682 मेधावियों को सोमवार को प्रदेश में सम्मानित किया गया है। वहीं बदायूं में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक, बिल्सी विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष व जिलाधिकारी ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा 2026 के 10वीं व 12वीं के 10-10 मेधावियों को 21-21 हजार रुपए के प्रतीकात्मक चेक, प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभी ने देखा। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाएं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए होती हैं। उन्होंने उपस्थित मेधावियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते हुए अनुशासन,लगन व कड़ी मेहनत से लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाती है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है, कड़ी मेहनत और लगन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहिए। मा0 मुख्यमंत्री ने मेधावियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों व संबंधित कॉलेज के प्रधानाचार्य को भी सम्मानित किया। बदायूं में आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक महेश चंद गुप्ता ने कहा कि अच्छा सोचो तो अच्छा होगा, आज नहीं तो कल होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक दिन विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम व मेहनत से किए गए कार्य कभी असफल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अपना लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने वालों की ईश्वर भी मदद करते हैं। उन्होंने अपना व्यक्तिगत प्रसंग भी इस अवसर पर उपस्थित मेधावियों से साझा कर उन्हें प्रेरित किया। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उस पर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थित मेधावियों को सम्मानित होने पर बधाई दी। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने कहा कि जीवन में सही मार्ग को चुनना जरूरी है और उस पर आगे बढ़ते रहने से ही सफलता मिलेगी। उन्होंने मेधावियों से कहा कि वह अपने गुरुओं का अपने माता-पिता के समान सम्मान करें। बदायूं में हाई स्कूल बोर्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त केदारनाथ महिला इंटर कॉलेज की छात्रा श्वेता, द्वितीय स्थान प्राप्त सिंगुलर गर्ल्स इंटर कॉलेज की अंजली वर्मा व द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के अभिषेक चौहान, तृतीय स्थान प्राप्त शिव देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के लक्षित, चतुर्थ स्थान प्राप्त राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बिसौली की अर्चना, अयोध्या प्रसाद एस वी एम एच एस एस उझानी के छात्र अमन राना, पांचवा स्थान प्राप्त संजय गांधी स्मारक श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज रुदायन की पायल धनगर, अहमद हसन इंटर कॉलेज उसहैत के हर्षवर्धन, छठवा स्थान प्राप्त द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की गौरी शर्मा व सातवां स्थान प्राप्त द्रौपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कार्तिक को सम्मानित किया गया। बदायूं में इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावियों में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमौरियल इंटर कॉलेज रुदायन के निखिल, द्वितीय स्थान प्राप्त राधेलाल इंटर कॉलेज कछला के सुधांशु, तृतीय स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमोरियल इंटर कॉलेज रुदायन के महेश, चतुर्थ स्थान प्राप्त त्रिवेणी इंटर कॉलेज भटपुरा बिसौली के उदित सक्सेना, पंचम स्थान प्राप्त पंडित भगवान दास मेमोरियल इंटर कॉलेज रुदायन की अंशी तिवारी, छठवां स्थान प्राप्त श्री कृष्ण इंटर कॉलेज बदायूं के लक्ष्यपाल, द्रोपदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के अनुज कुमार तथा पंडित भगवान दास मेमौरियल इंटर कॉलेज रुदायन की कनक शर्मा तथा सातवां स्थान प्राप्त संतोष कुमार मेमोरियल इंटर कॉलेज गंगोला दातागंज के सुरेंद्र व महात्मा गांधी पालिका इंटर कॉलेज उझानी के हिमांशु बघेल को जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अवनीश राय, मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, संयुक्त मजिस्ट्रेट, सहायक निदेशक सूचना आशुतोष चंदोला, जिला विद्यालय निरीक्षक लालजी यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने लूट के तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, दो के लगी गोली, सिपाही भी घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। वजीरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने रात मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें से दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। एक सिपाही भी जख्मी हुआ है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी लूट की घटना में वांछित थे। आपको बता दें कि वजीरगंज थाना क्षेत्र में नौ मई को ब्यौली मढ़ी के पास हुई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने रविवार रात मुठभेड़ के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। एक सिपाही भी घायल हुआ है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बाइक, तीन तमंचे, कारतूस और खोखे बरामद किए हैं। थाना पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली थी कि लूट की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी किसी वारदात की फिराक में बिल्सी से वजीरगंज की ओर आ रहे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ग्राम मुसेपुर पुल के पास चेकिंग कर रही थी। कुछ देर बाद एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर उन्होंने बाइक कच्चे रास्ते की ओर मोड़ दी और भागने लगे। पीछा करने पर उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। पुलिस ने आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान सिपाही प्रिंस चौधरी गोली लगने से घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें फारुख उर्फ बादशाह उर्फ सफी उर्फ सफिया और अमन चतुर्वेदी घायल हो गए, जबकि तीसरे आरोपी सुरजीत उर्फ नन्हू उर्फ नानू को मौके से दबोच लिया गया। घायल सिपाही और दोनों बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी फारुख ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों आदिल मलिक और अरमान के साथ मिलकर नौ मई की रात ब्यौली मढ़ी के पास एक व्यक्ति को तमंचा दिखाकर उसकी बाइक और मोबाइल फोन लूट लिया था। आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ एक और वारदात को अंजाम देने के इरादे से क्षेत्र में आया था।

गिरफ्तार आरोपी फारुख पर नोएडा और अन्य क्षेत्रों में लूट, हत्या, गैंगस्टर एक्ट, चोरी और आर्म्स एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अमन चतुर्वेदी के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और चोरी से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। तीसरे आरोपी सुरजीत पर भी चोरी और अन्य आपराधिक मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।

वहीं इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने फारुख उर्फ बादशाह उर्फ सफी उर्फ सफिया निवासी धनौली थाना बिल्सी, अमन चतुर्वेदी निवासी पारा खेड़ा जिला टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) तथा सुरजीत उर्फ नन्हू उर्फ नानू निवासी पुराय थाना तिलहर, शाहजहांपुर को गिरफ्तार किया है।

बड़े सरकार दरगाह के पास मां-बेटे पर हमला आरोपियों ने बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सदर कोतवाली क्षेत्र में बड़े सरकार दरगाह के पास मां-बेटे की पिटाई की गई। घटना का वीडियो वायरल हुआ है। पीड़ित ने एक शख्स और उसके बेटे पर आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दे कि सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित बड़े सरकार दरगाह परिसर के पास मां-बेटे की बेरहमी से पिटाई की गई। घटना का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में कुछ लोग एक युवक को जमीन पर गिराकर डंडे से पीटते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित पक्ष ने क्षेत्र के रहने वाले अजमेरी और उसके पुत्र अरमान पर हमला करने का आरोप लगाया है। मारपीट में घायल युवक और उसकी मां को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित सैफ का आरोप है कि कुछ समय पूर्व अरमान का तमंचे के साथ एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजा था। सैफ का कहना है कि अजमेरी और अरमान को शक था कि उक्त वीडियो उसने वायरल कराया था। इसी रंजिश को लेकर दोनों पिता-पुत्र ने उस पर हमला किया। बताया जा रहा है कि सैफ अपनी मां अंजुम के साथ बड़े सरकार दरगाह पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अजमेरी और उसका पुत्र अरमान अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंच गया और सैफ को रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने पहले सैफ के साथ गाली-गलौज की और फिर डंडों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। सैफ को बचाने के लिए जब उसकी मां अंजुम पहुंची तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। घटना में मां-बेटे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सैफ और उसकी मां अंजुम का आरोप है कि आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं की गई है। उनका कहना है कि जेल से छूटने के बाद भी आरोपी पिता-पुत्र की दबंगई कम नहीं हुई है और वे लगातार क्षेत्र में भय का माहौल बना रहे हैं। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो और प्राप्त तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है,जांच के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी से राहत के लिए शहर में शुरू हुई मिस्ट फॉगिंग - पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। भीषण गर्मी से जूझ रहे शहरवासियों को राहत देने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिका ने मिस्ट फॉगिंग अभियान की शुरुआत कर दी है। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने 52 लाख 95 हजार रुपये की लागत से खरीदे गए फॉग कैनन व्हीकल का फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इसके बाद शहर के कई प्रमुख मार्गों पर मिस्ट फॉगिंग कराई गई, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने के साथ-साथ धूल के कणों में भी कमी आई। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि फॉग कैनन व्हीकल के माध्यम से की जाने वाली मिस्ट फॉगिंग वातावरण के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक साबित हो रही है। इससे लू के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है और सड़कों पर आने-जाने वाले लोगों को राहत महसूस होती है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य गर्मी के मौसम में नागरिकों को अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि मिस्ट फॉगिंग का एक महत्वपूर्ण लाभ यह भी है कि इससे हवा में मौजूद धूल के सूक्ष्म कण नीचे बैठ जाते हैं, जिससे प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलती है। बाजारों, प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर इस तकनीक के उपयोग से वातावरण में शीतलता बनी रहती है और लोगों को स्वच्छ हवा मिलती है। पालिका प्रशासन के अनुसार यह अभियान आने वाले दिनों में भी लगातार जारी रहेगा। शहर के विभिन्न क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर नियमित रूप से मिस्ट फॉगिंग कराई जाएगी, ताकि भीषण गर्मी के दौरान नागरिकों को राहत मिल सके और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जा सके। नगरवासियों ने पालिका की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया है।

संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 सकुशल संपन्न

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। पांच परीक्षा केंद्रों पर आयोजित संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2026 आज शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुई। जिलाधिकारी के निर्देशन तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के नेतृत्व में परीक्षा का सफल संचालन सुनिश्चित किया गया। जनपद के पांच परीक्षा केंद्रों—राजकीय महाविद्यालय आवास विकास बदायूं, केदारनाथ महिला इंटर कॉलेज बदायूं, नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास कॉलेज बदायूं, पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बदायूं एवं श्री कृष्णा इंटर कॉलेज बदायूं—पर कुल 2117 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। प्रथम पाली में 1965 तथा द्वितीय पाली में 1970 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा के सफल संचालन में जनपद समन्वयक प्रो. आशीष कुमार सक्सेना, नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास कॉलेज बदायूं एवं उप नोडल अधिकारी डॉ. श्रद्धा गुप्ता, राजकीय महाविद्यालय बदायूं, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय प्रतिनिधि प्रोफ़ेसर रमेश कुमार जी तथा प्रोफ़ेसर महीपत सिंह यादव सहित सभी केंद्राध्यक्षों, पर्यवेक्षकों एवं प्रशासनिक अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गंगा की लहरों से लखनऊ के पूल तक छाया मीरजापुर, तैराकों ने जीते पांच पदक

मीरजापुर । सीमित संसाधनों के बावजूद मीरजापुर-चुनार के युवा तैराकों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लखनऊ में आयोजित केएन कपूर मेमोरियल 67वीं सीनियर उत्तर प्रदेश स्टेट एक्वेटिक चैंपियनशिप में जिले के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। 30 और 31 मई को आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में मीरजापुर की बेटियों ने विशेष रूप से अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाया। शिखा निषाद ने 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा उन्होंने 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले (आईएम) में कांस्य पदक भी हासिल किया। प्रतियोगिता में अर्चना निषाद ने 400 मीटर आईएम में रजत पदक, वंदना साहनी ने 200 मीटर बटरफ्लाई में रजत पदक तथा कलावती निषाद ने 100 मीटर बटरफ्लाई में कांस्य पदक जीतकर मीरजापुर का परचम लहराया। टीम कोच एवं मैनेजर सौरभ साहनी ने बताया कि प्रतियोगिता में लालचंद साहनी, किशन साहनी, बाल गंगाधर, कन्हैया साहनी, दीपेश साहनी, हर्ष निषाद और अंजली यादव ने भी भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन का ही परिणाम है कि टीम लगातार राज्य स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रही है। जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष कैलाश नाथ ने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चुनार में आज भी अंतरराष्ट्रीय स्तर का तरणताल उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद यहां के खिलाड़ी गंगा नदी में अभ्यास कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीत रहे हैं। यह उनकी मेहनत, लगन और संघर्ष का जीवंत उदाहरण है। जिला तैराकी संघ के महामंत्री रामबिलास साहनी ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी।

पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, मानदेय बढ़ाने समेत पांच प्रमुख मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। उत्तर प्रदेश के बदायूं जनपद में पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन के बैनर तले पंचायत सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। पंचायत सहायकों ने कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर नारेबाजी करते हुए अपनी समस्याओं को शासन और प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया और जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। वहीं पंचायत सहायकों का कहना है कि ग्राम पंचायत स्तर पर वे लगातार शासन की योजनाओं और डिजिटल सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है, जिससे उनका जीवन-यापन कठिन हो गया है। कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर उस समय पंचायत सहायकों की बड़ी संख्या एकत्रित हुई जब पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन की जनपद शाखा ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान पंचायत सहायकों ने शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए सरकार और प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी बदायूं को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने कहा कि वे ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं, सरकारी योजनाओं के संचालन, जनहित कार्यों तथा प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निरंतर निर्वहन कर रहे हैं। गांव स्तर पर सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन वर्तमान में उन्हें मात्र छह हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। पंचायत सहायकों का कहना है कि बढ़ती महंगाई के दौर में छह हजार रुपये प्रतिमाह में परिवार का भरण-पोषण करना लगभग असंभव हो गया है। बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा, आवास और दैनिक जरूरतों का खर्च वहन करना बेहद मुश्किल हो रहा है। प्रदर्शन कर रहे पंचायत सहायकों ने अपनी पांच प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखीं। पहली और सबसे महत्वपूर्ण मांग यह है कि पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाकर ग्राम पंचायत सचिव के समकक्ष तीस हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। यदि यह संभव न हो तो कम से कम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम कुशल मजदूरी के बराबर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। दूसरी मांग के रूप में पंचायत सहायकों ने अनुबंध व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली लागू करने की मांग की है। उनका कहना है कि वर्षों से कार्य करने के बावजूद उनके भविष्य की कोई स्पष्ट सुरक्षा नहीं है। तीसरी मांग महिला पंचायत सहायकों से जुड़ी है। पंचायत सहायकों ने विवाह के बाद महिला कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण और समायोजन नीति लागू करने की मांग की है ताकि उन्हें पारिवारिक परिस्थितियों के अनुसार कार्यस्थल परिवर्तन की सुविधा मिल सके। चौथी मांग में ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी के रिक्त पदों पर होने वाली भर्ती प्रक्रिया में पंचायत सहायकों को पचास प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की मांग की गई है। पंचायत सहायकों का कहना है कि उनके पास ग्राम पंचायत स्तर का व्यावहारिक अनुभव है, इसलिए उन्हें पदोन्नति और रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। पांचवीं मांग के रूप में पंचायत सहायकों और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की मांग की गई है, ताकि उन्हें स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके। प्रदर्शन कर रहे पंचायत सहायकों ने कहा कि वे लंबे समय से शासन से अपनी समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेश भर के पंचायत सहायक आंदोलन को और व्यापक रूप देने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि यदि उनकी मांगों पर निर्धारित समयावधि में विचार नहीं किया गया तो प्रदेश के समस्त पंचायत सहायक आगामी 15 जून 2026 को लखनऊ स्थित ईको गार्डे न में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करेंगे। तो यह थी बदायूं से पंचायत सहायकों के प्रदर्शन और उनकी मांगों से जुड़ी बड़ी खबर। अब देखना होगा कि प्रदेश सरकार पंचायत सहायकों की इन मांगों पर क्या निर्णय लेती है और क्या लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे पंचायत सहायकों को राहत मिल पाती है या नहीं।

पिता की हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पानी की टंकी पर चढ़े अधिवक्ता, दौड़ी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले में एक अधिवक्ता ने अपने पिता के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए ऐसा तरीका अपनाया कि गोंडा पुलिस और प्रशासनिक गलि यारों में हड़कंप मच गया।दौड़ी पहुंची पुलिस ने पहले खुद कोशिश की फिर महकमे और जिला प्रशासन के आला अफसरों को पूरे मामले की जानकारी दी।सूचना मिलते ही प्रशासनिक अफस र भी मौके पर पहुंचे।वे सब अधिवक्ता द्वारा उठाए गए इस कदम से हैरान थे।अफसर वकील से मनु हार करने लगे कि वे पानी की टंकी से नीचे उतरें और अपनी मांगों के बारे में बैठकर बात करें,मिली जानकारी के अनुसार गोंडा के कमिश्नरी परिसर में सोमवार की सुबह नौ बजे के करीब अचानक शोर मचा कि एडवोकेट संजय दुबे और उनके चचेरे भाई इंद्रमणि दुबे कैंपस में लगी पानी की टंकी पर चढ़ गए हैं।वे पिता के हत्यारोपियों की

गिरफ्तारी के साथ-साथ अपनी जमीन पर से अवैध कब्जा हटवाने की मांग कर रहे हैं। एक अधिवक्ता के यूं पानी की टंकी पर चढ़ने से वकीलों के बीच यह मामला चर्चा में आ गया। उधर, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के लिए भी यह मामला चुनौतीपूर्ण हो गया।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल कई वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस अफसर मौके पर पहुंचे।उन्होंने एडवोकेट संजय दुबे से बात कर उन्हें समझाने की कोशिश की।उधर, घटना की जानकारी होने पर एडिशनल कमिश्नर मीनू राणा,सीओ सदर शिल्पा वर्मा, धानेपुर थानाध्यक्ष अरविन्द यादव,एसडीएम सदर जि तेंद्र कुमार सुबह से लेकर दोपहर अधिवक्ता संजय दुबे और उनके चचेरे भाई इंद्रमणि दुबे से पानी की टंकी से नीचे उतर आने की मनुहार करते रहे लेकि न दोनों ने साफ कह दिया कि हम तब तक नहीं उ तरेंगे जब तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल जा ता है उन्होंने मांग की कि पिता के हत्यारोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और जमीन पर से अवैध कब्जा हटवाया जाए।

अधिकारियों के चौखट पर माथा पटक कर थका अधिवक्ता

अधिवक्ता संजय दुबे का आरोप है कि मुख्य आरो पियों की गिरफ्तारी के लिए उन्होंने स्थानीय थाना, एसपी कार्यालय और अन्य अधिकारियों के यहां कई बार गुहार लगाई।लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।उन्होंने मामले की विवेचना दूसरे थाने को सौंपने की मांग भी की थी,जिस पर भी अब तक निर्णय नहीं लिया गया।वही अधिवक्ताओं, पुलिस के अधिकारियों के काफी मान-मनोबल के बाद पुलिस दोनों को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश नीचे उतरा है। वहीं, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता रविचंद्र त्रिपाठी, महामंत्री सुनील कुमार पांडेय भी मौके पर पहुंचे।उन्होंने भी अधिवक्ता सा थी को नीचे उतरने की अनुरोध कर रहे हैं। लेकिन अधिवक्ता नीचे उतरने से बार-बार मनाते रहे।करी ब पांच घंटे बाद आरोपियों के गिरफ्तारी के आश्वा सन पर दोनों नीचे उतर गए।

गोंडा रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में अवैध वेंडरों की भर मार,यात्री परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । ट्रेनों में अवैध वेंडरों द्वारा खाद्य पदार्थ बेचने पर रेलवे की ओर से लाख पाबंदी लगाई गई हो लेकिन हकीकत में पैसेंजर व एक्सप्रेस ट्रेनों में इनकी भरमार है। रेल प्रशासन की लापरवाही व अनदेखी के चलते लखनऊ रेल मंडल खासकर के तहत आने वाली वैशाली एक्सप्रेस, आम्रपाली एक्सप्रेस, पनवेल एक्सप्रेस,जनसाधारण एक्सप्रेस जनसत्ता एक्सप्रेस सहित विभिन्न स्टेशनों पर इन का जमावड़ा लगा रहता है।प्लेटफार्म पर ट्रेनों के रुकते ही वह जबरदस्ती रेल डिब्बों में प्रवेश कर जाते हैं और मनमाने दर पर यात्रियों को खाद्य सामग्री बेचने का काम करते हैं। इसमें अधिकांश पदार्थ काफी दिनों का भी होता जो यात्रियों की सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है।इन पर न तो प्लेटफॉर्म निरीक्षक और न ही स्टेशन मास्टर की नजर है और न ही तैनात रेल पुलिस कर्मियों की।यही नहीं ट्रेनों व प्लेटफार्म पर अवैध वेंडरों द्वारा मनमानी व दबंगई से यात्रियों को का फी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।इन स्टेश नों से यात्रा शुरू करने वाले यात्रियों व क्षेत्रीय लो गों ने रेल प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है।

एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का सफल समापन, कैडेट्स का विद्यालय में भव्य स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । 51 यूपी बटालियन एनसीसी, बलरामपुर के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-153 का सफल समापन 20 मई से 29 मई 2026 के बीच जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ। इस शिविर में कैडेट्स ने अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिविर के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में गर्ल्स कैडेट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। बुशरा खान ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रिया तिवारी ने रायफल शूटिंग एवं सोलो डांस में पदक हासिल कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रियंका वर्मा और वंदना ने क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त किए। वहीं सोनल और अंशिका ने बैडमिंटन प्रतियोगिता में सफलता हासिल की। ज्योति कुमारी ने डांस प्रतियोगिता में पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। बॉयज कैडेट्स में शौर्य कुमार ने रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किया,

जबकि नसीर अहमद का चयन ग्रुप बटालियन स्तर पर होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए किया गया, जो उनके खेल कौशल और मेहनत का प्रमाण है। शिविर के सफल समापन के बाद सभी कैडेट्स के विद्यालय लौटने पर विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य अनुराग श्रीवास्तव ने सभी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करता है तथा ऐसे शिविर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने सभी कैडेट्स की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बच्चों के संग 80 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी रेप पीड़िता, डीएम के मानने के बाद उतरी पीड़िता

गोंडा में पुलिस की लचर व्यवस्था से न्याय पाने के लिए 80 फुट टावर पर चढ़ी रेप पीड़िता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले सोमवार को एक रेप पीड़ित महिला अपने तीन साल के बेटे को पीठ पर बांधकर 80 फीट ऊंचे मोबाइल टॉवर पर चढ़ गई।उसका आरो प था कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद पुलि स आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर रही है।महिला के टॉवर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ लग गई।एडीएम,एएसपी समेत कई अफसर पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे।महिला को नीचे उतर ने के लिए समझाने लगे।अफसरों ने महिला की आरोपी की मां से भी बात कराई, लेकिन वह नहीं मानी।करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद डीएम प्रियंका निरंजन ने महिला से बात की।उनके आश्वा सन पर महिला बेटे के साथ नीचे उतरी।मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि महिला तरबगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है।सोमवार सुबह करीब 9 बजे वह रघुकुल विद्यापीठ स्कूल के दूसरे गेट से परिसर में दाखिल हुई।फिर वहां लगे मोबा इल टॉवर के पास पहुंची।इसके बाद अपने बेटे को साड़ी के सहारे कमर में बांधकर टॉवर पर चढ़ गई करीब 50 फीट ऊंचाई पर जाकर वह बैठ

गई।यह टॉवर डीएम आवास से करीब 100 मीटर दूर है। इसी बीच,किसी ने टॉवर पर चढ़ी महिला को देख लिया।उसने शोर मचाया, तो मौके पर भीड़ लग ग ई।फिर पुलिस को सूचना दी गई।इस पर एएसपी पूर्वी अजीत कुमार रजक पुलिस फोर्स के साथ प हुंचे।सब लोग महिला से नीचे उतरने के लिए मान-मनौव्वल करने लगे,लेकिन उसने नीचे उतरने से इनकार कर दिया।पुलिस माइक पर भी उससे नी चे उतरने के लिए कहती रही।फिर सीओ सिटी आ नंद राय ने महिला को माइक पर ही अपना मोबाइ ल नंबर नोट कराया।इसके बाद महिला ने सीओ के मोबाइल पर कॉल किया।महिला ने सीओ को बताया कि गांव के ही रहने वाले राम अकबाल ने उसके साथ रेप किया था।उसने इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई है, लेकिन पुलिस ने उसको गिरफ्तार नहीं किया। राम अकबाल

एडीएम भी मौके पर पहुंचे, महिला को मनाते रहे

महिला के टॉवर पर चढ़ने की सूचना के बाद एडी एम आलोक कुमार,सिटी मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा भी मौके पर पहुंचे गए।अफसरों ने कार्रवाई का आश्वा सन देते हुए नीचे उतरने को कहा,लेकिन महिला नहीं मानी। पुलिस अफसरों ने बताया कि तरबगंज पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बेटे के लिए बिस्किट-पानी भेजा

मनाने में जुटे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने दो पुलिसवालों को पानी और बिस्किट लेकर टॉ वर पर भेजा।फायर ब्रिगेड के दरोगा नितेश कुमार शुक्ला और सिविल पुलिस के सिपाही राकेश कु मार दो घंटे तक टॉवर पर ही महिला को समझाते रहे।उन्हें महिला ने बताया कि वह अपनी शिकाय त लेकर लखनऊ से गोंडा तक कई बार चक्कर लगा चुकी है।आश्वासन दिया जाता है कि उसके प्रकरण से संबंधित दस्तावेज कार्रवाई के लिए भेजे जा रहे हैं।वह पांच बार पुलिस कप्तान को भी प्रार्थनापत्र दे चुकी है।अधिकारियों ने उससे कहा कि जब आरोपी उसे अपने साथ रख रहा था, तब वह उसे छोड़कर क्यों आई.? महिला ने बताया कि वह डीआईजी और कमिश्नर ऑफिस भी गई थी।महिला का आरोप है कि उसने तरबगंज क्षेत्रा धिकारी (सीओ) के सामने रो-रोकर अपनी बात कही, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ ।

आरोपी की मां मौके पर पहुंची,फोन पर कहा- बेटी उतर आओ

पुलिसवालों ने आरोपी राम अकबाल की मां से वीडियो कॉल के जरिए महिला की बात कराई। फिर भी वह नहीं मानी।राम अकबाल की मां ने कहा कि उनके बेटे का फोन बंद है।उन्हें नहीं पता कि वह कहां है...? महिला से हाथ जोड़कर नीचे आने की अपील करते हुए कहा कि उसके और बच्चों के रहने-खाने समेत पूरे खर्च की जिम्मेदारी उनका परिवार उठाएगा।फिर डीएम प्रियंका निरंज न ने भी महिला से बात की।इसके बाद महिला टॉ वर से नीचे उतरी।

तीन दिवसीय विकास चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ, भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों नीति यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा गांधी पार्क के निकट तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी ने फीता काटकर किया।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरज मौर्य,जिला महामं त्री विष्णु प्रताप नारायण सिंह,जिला मंत्री शिवदास कनौजिया एवं विष्णु प्रताप पांडेय,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष विद्या भूषण द्विवेदी,मीडिया प्रभारी वि वेकमणि श्रीवास्तव सहित पार्टी के अन्य पदाधि कारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उद्घाटन के बाद प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए जिलाध्यक्ष अ कबाल बहादुर तिवारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को दर्शाने वाली यह प्रदर्शनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों

की झलक प्रस्तुत करती है।उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश देश के विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभरा है।कानून व्यवस्था, आधारभूत संरचना,औद्योगिक निवेश,रोजगार सृजन तथा ज नकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश की पहचान राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी मजबूत हुई है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर घर नल से जल,स्वास्थ्य बीमा, मेट्रो विस्तार, एयर कनेक्टिविटी, रैपिड रेल,तकनीकी विकास त था धार्मिक स्थलों के विकास जैसे कार्यों के माध्य म से आमजन के जीवन स्तर में सुधार लाने का प्र यास किया जा रहा है।आजादी के समय स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा देखे गए विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में देश तेजी से आगे ब ढ़ रहा है।प्रदर्शनी में प्रदेश सरकार की उपलब्धि यों, रोजगारपरक योजनाओं एवं जनकल्याणकारी निर्णयों को चित्रों और सूचनात्मक सामग्री के मा ध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसमें औद्योगिक विकास,किसान हित में लिए गए निर्णय, स्वरोज गार योजनाएं,गन्ना मूल्य भुगतान,उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,खेलो इंडिया अभियान, मे ट्रो विस्तार,बेसिक शिक्षा, कन्या सुमंगला योजना तथा अन्य विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी गई है।अपर जिला सूचना अधिकारी अनिल कुमार ने जिलाध्यक्ष सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्रदर्शनी का विस्तृत अवलोकन कराया। उन्होंने बताया कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, लखनऊ द्वारा भेजी गई यह तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी तीन जून तक जनसामान्य के अवलो कन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में ''सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रया स की भावना को केंद्र में रखते हुए प्रदेश के विका स कार्यों को प्रदर्शित किया गया है।साथ ही श्री अयोध्या धाम के विकास, विश्वविद्यालयों की स्थाप ना, औद्योगिक निवेश, शिक्षा,महिला सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से संबंधित उपलब्धियों को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है।

बलईगांव सीमा क्षेत्र में संयुक्त अभियान, स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और थाना मोतीपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने 12 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। 59वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट कैलाश चन्द रमोला के निर्देशन में रविवार को खुफिया सूचना के आधार पर सीमा चौकी बलईगांव की टीम तथा थाना मोतीपुर पुलिस द्वारा संयुक्त गश्त अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दोपहर लगभग 1:25 बजे सीमा पिलर संख्या 665/1 के निकट भारतीय क्षेत्र में करीब 220 मीटर अंदर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। सुरक्षाबलों को देखकर उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे घेरकर पकड़ लिया। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत ली गई तलाशी में उसके पास से लगभग 12 ग्राम स्मैक तथा एक रियलमी सी-61 मोबाइल फोन (फिरोजी नीला रंग) बरामद किया गया। कार्रवाई के दौरान 59वीं वाहिनी के प्रशिक्षित एनडी डॉग 'मिचू' ने अपनी विशेष सूंघने की क्षमता के माध्यम से मादक पदार्थ की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्ति ने अपनी पहचान विक्रम चौधरी (30 वर्ष), पुत्र बड्डु थारू, निवासी वार्ड संख्या-05, गुलरिया, जिला बर्दिया (नेपाल) के रूप में बताई। उसने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि बरामद स्मैक उसने बलईगांव (भारत) में किसी अज्ञात व्यक्ति से अपने

निजी सेवन के लिए खरीदी थी। प्रारंभिक जांच में उसके विरुद्ध पूर्व में ऐसे किसी अपराध का रिकॉर्ड नहीं पाया गया। एसएसबी के अनुसार बरामद स्मैक की मात्रा स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट), 1985 की धारा 8/21 के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आती है। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को बरामद मादक पदार्थ एवं अन्य सामान के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई और विस्तृत जांच के लिए थाना मोतीपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। एसएसबी ने कहा है कि भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सीमा पर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के इक्कीस मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में जनपद स्तर पर मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन आज जीजीआईसी सभागार गौरीगंज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, जिलाध्यक्ष भाजपा सुधांशु शुक्ला ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित सभी ने आत्मसात किया। कार्यक्रम में हाईस्कूल के ग्यारह एवं इंटरमीडिएट के दस मेधावी छात्र छात्राओं को रुपये इक्कीस हजार रुपये का

चेक, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले मेधावी छात्र छात्राओं में हाई स्कूल में विकास, श्रेया मौर्या, मधुलिका शुक्ला, सेजल, कीर्ति, आयुष पाण्डेय, साक्षी यादव, कृष्णा मौर्या, लक्ष्मी, अंजलि मौर्या, शिखा जायसवाल तथा इंटरमीडिएट में रुकसार, आस्था मौर्या, सक्षम पाण्डेय, आरज़ू शर्मा, अदिति सिंह, श्रद्धा गुप्ता, शिवांशी शुक्ला, काजल, अंशी सिंह, प्रिंशी के नाम शामिल है। इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष, गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह,जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी व जिलाध्यक्ष भाजपा ने सभी मेधावी छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उक्त के अतिरिक्त जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश द्विवेदी सहित हाई स्कूल इंटरमीडिएट के मेधावी छात्र छात्राएं व उनके अभिभावक एवं गुरुजन उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा केन्द्रों के लिए नामित किये गये स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जिले के 11 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी भर्ती परीक्षा

परीक्षा में शामिल होंगे 4264 परीक्षार्थी

08 से 10 जून तक 02 पॉली में सम्पन्न होगी परीक्षा

बहराइच । उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उ.प्र. पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु 08 से 10 जून 2026 तक दो पालियों में सम्पन्न होने वाली की लिखित परीक्षा-2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र हेतु स्टैटिक एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। दो पालियों में आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा की प्रथम पाली में पूर्वान्ह 10:00 बजे से मध्यान्ह 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पॉली की परीक्षा अपरान्ह 03:00 बजे से अपरान्ह 05:00 बजे तक सम्पन्न होगी।

यह जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि 240 परीक्षार्थियों के लिए नामित परीक्षा केन्द्र आर्य कन्या इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या श्रीमती किरन कुमारी यादव को केन्द्र व्यवस्थापक, जिला उद्यान अधिकारी को स्टैटिक व उपायुक्त स्वतः रोजगार को सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। 384 परीक्षार्थियों के लिए आज़ाद इण्टर कालेज के प्रधानाचार्या मनोज कुमार पाण्डेय को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ मिहींपुरवा को स्टैटिक व जिला कृषि अधिकारी को सेक्टर मजिस्ट्रेट 384 परीक्षार्थियों के लिए राजकीय बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या मधु यादव को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ चित्तौरा को स्टैटिक व एसडीएम नानपारा को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 384 परीक्षार्थियों के लिए राजकीय इण्टर कालेज के लिए प्रधानाचार्य नागेन्द्र कुमार को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ शिवपुर को स्टैटिक व एसडीएम पयांगपुर को सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किया गया है।

इसी प्रकार 384 परीक्षार्थियों के लिए नामित परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्या रवि कुमार शुक्ला को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ रिसिया को स्टैटिक व जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी को सेक्टर मजिस्ट्रेट, 240 परीक्षार्थियों के लिए राजकीय पॉलीटेक्निक मोहम्मदनगर के प्रधानाचार्या शिवेन्द्र सिंह को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ फखरपुर को स्टैटिक व जिला पंचायत राज अधिकारी को सेक्टर मजिस्ट्रेट, 720 परीक्षार्थियों के लिए स्व. ठाकुर हुकुम सिंह किसान पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. विनय सक्सेना को केन्द्र व्यवस्थापक, तहसीलदार मुख्यालय रविकान्त द्विवेदी को स्टैटिक व एसडीएम महसी को सेक्टर मजिस्ट्रेट, तथा 384 परीक्षार्थियों के लिए महाराज सिंह इण्टर कालेज के प्रभारी प्रधानाचार्य प्रकाश गुप्ता को केन्द्र व्यवस्थापक, जिला क्रीड़ा अधिकारी को स्टैटिक व एसडीएम कैसरगंज को सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किया गया है। इसी प्रकार 480 परीक्षार्थियों के लिए नामित परीक्षा केन्द्र महिला पी.जी. कालेज की प्राचार्या डॉ. प्रिया मुखर्जी को केन्द्र व्यवस्थापक, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी को स्टैटिक व एसडीएम न्यायिक कैसरगंज श्रीमती पूजा चौधरी को सेक्टर मजिस्ट्रेट, 240 परीक्षार्थियों के लिए तारा महिला इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या अंजू उपाध्याय को केन्द्र व्यवस्थापक, बीडीओ विशेश्वरगंज को स्टैटिक व एसडीएम मिहींपुरवा को सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 384 परीक्षार्थियों के लिए नामित परीक्षा केन्द्र वैद्य भगवानदीन मिश्र गांधी इण्टर कालेज के लिए प्रधानाचार्य जसवन्त सिंह को केन्द्र व्यवस्थापक, जिला सेवायोजन अधिकारी को स्टैटिक व बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी को सेक्टर मजिस्ट्रेट नामित किया गया है।

फेसबुक पर दोस्त बनकर ठगों ने उड़ाए 1.61 लाख, सऊदी में फंसे होने का बनाया बहाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक अपने ही दोस्त की फर्जी फ़ेसबुक आईडी के झांसे में आकर 1 लाख 61 हजार रुपये गंवा बैठा। जालसाजों ने युवक के परिचित बनकर सऊदी अरब में फंसे होने और भारत लौटने के लिए पैसों की जरूरत बताकर उससे किश्तों में रकम ऐंठ ली। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला सोनरा गांव निवासी अफजल खां से जुड़ा है। बताया गया कि अफजल के फ़ेसबुक अकाउंट पर सलमान जी नाम की आईडी से संदेश आया। मैसेज करने वाले ने खुद को उनका परिचित सलमान बताते हुए कहा कि वह सऊदी अरब में फंस गया है और वीजा वापस पाने तथा भारत लौटने के लिए तत्काल पैसों की जरूरत है। उसने घर में शादी होने की

बात कहकर भावनात्मक दबाव भी बनाया। दोस्त को मुसीबत में समझकर अफजल ने मदद के लिए हामी भर दी। इसके बाद जालसाजों ने अलग-अलग बहानों से विभिन्न बैंक खातों, यूपीआई आईडी और क्यूआर कोड भेजकर पैसे मंगवाने शुरू कर दिए। अफजल ने पे जेड ऐप समेत अन्य माध्यमों से कुल 1 लाख 33 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में और पैसों की मांग होने पर उन्होंने अपनी भाभी रुसदा बानो के बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से भी 28 हजार रुपये आरोपियों के बताए खातों में भेज दिए। इस तरह कुल 1 लाख 61 हजार रुपये ठग लिए गए।

लगातार पैसों की मांग होने पर अफजल को संदेह हुआ। उन्होंने दूसरे माध्यम से अपने असली दोस्त सलमान से संपर्क किया तो पता चला कि वह पूरी तरह सुरक्षित है और उसने किसी प्रकार की मदद नहीं मांगी है।

तब अफजल को एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। घटना के बाद पीड़ित ने तत्काल ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। आरोप है कि शुरुआत में मामले की जांच में लापरवाही बरती गई। बाद में पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देने के बाद साइबर क्राइम थाने में अज्ञात जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच निरीक्षक यदुवीर सिंह को सौंपी गई है।

पत्रकार को फर्जी बताने और छवि धूमिल करने पर मानहानि नोटिस

अखण्डनगर/सुल्तानपुर। स्थानीय पत्रकार अनुराग त्रिपाठी को सोशल मीडिया पर कथित रूप से फर्जी पत्रकार और चोर कहकर उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने के मामले में एक व्यक्ति को तीन लाख रुपये की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा गया है। नोटिस में सार्वजनिक माफी न मांगने पर सक्षम न्यायालय में वाद दायर करने की चेतावनी दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्रकार अनुराग त्रिपाठी द्वारा जारी नोटिस में आरोप लगाया गया है कि 27 मई 2026 को सुबह लगभग 11.22 बजे ऋषि तिवारी पुत्र लालमणि, निवासी ग्राम बड़गांव, थाना अखण्डनगर जनपद सुल्तानपुर ने व्हाट्सएप ग्रुप अहिलर बाबा ट्रस्ट में उनके मोबाइल नंबर से आपत्तिजनक और भ्रामक संदेश प्रसारित किया। बताया गया कि उक्त संदेश में अनुराग त्रिपाठी को चोरङ्क एवं फर्जी पत्रकार कहा गया, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और पत्रकारिता की छवि को गंभीर क्षति पहुँची है। नोटिस में कहा गया है कि इस कृत्य से पत्रकार को मानसिक तनाव, सामाजिक अपमान तथा पेशेवर नुकसान उठाना पड़ा है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि इस घटना से उनकी प्रतिष्ठा को गहरी ठेस पहुँची तथा आर्थिक एवं मानसिक रूप से भारी क्षति हुई है। कानूनी नोटिस के माध्यम से विपक्षी पक्ष को 15 दिनों के भीतर ?3 लाख की क्षतिपूर्ति राशि अदा करने, अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित अथवा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का निर्देश दिया गया है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी किए जाने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय भाजपा नेताओं को महंगाई डायन नजर आती थी, लेकिन आज वही महंगाई उनके लिए डार्लिंग बन गई है। राणा ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता, छोटे व्यापारी, होटल-रेस्टोरेंट संचालक और मध्यम वर्ग परेशान हैं। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और दैनिक जरूरत की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार जनता को राहत देने के बजाय केवल प्रचार में व्यस्त है।उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में हुई नई बढ़ोतरी का सीधा असर बाजार और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों का बोझ आम जनता पर डाला जा रहा है। अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते आर्थिक संकट से जूझ रही है तथा आने वाले समय में जनता इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

वसूली के आरोपों का वीडियो वायरल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी से जवाब तलब

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। लम्भुआ तहसील क्षेत्र के खुदौली गांव स्थित एक आइसक्रीम फैक्ट्री में सैंपलिंग के दौरान कथित अवैध वसूली के आरोपों का मामला अब प्रशासन तक पहुंच गया है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग हरकत में आ गया है। जिला अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) अजीत कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लम्भुआ क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा अधिकारी अंजनी कुमार मिश्रा से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने बताया कि वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों के संबंध में जवाब मांगा गया है। स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जाता है कि खुदौली स्थित एक आइसक्रीम फैक्ट्री में जांच के दौरान टीम और फैक्ट्री पक्ष के बीच विवाद हो गया था। फैक्ट्री संचालक ने सैंपल भरने के नाम पर धनराशि मांगने का आरोप लगाया था, जबकि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि टीम नियमित जांच अभियान के तहत गई थी और नियमानुसार सैंपल लिया गया। हालांकि लम्भुआ तहसील में अवैध वसूली का आरोप पहले भी विभाग के अधिकारी पर लग चुका है।

शुकुल बाजार में जमीनी विवाद में बवाल के फायरिंग से फैली सनसनी

शुकुल बाजार अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना बाजार शुकुल क्षेत्र के कस्बा शुकुल बाजार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने बेशकीमती भूमि पर कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में मारपीट और बवाल हो गया। एक पक्ष द्वारा फायरिंग कर कस्बा में दहशत फैला दी गई। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पांच नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है।थाना क्षेत्र के गांव भटपुरवा मजरे हरखू मऊ निवासिनी निर्मला देवी पत्नी शिव कुमार शर्मा ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि सीएचसी गेट के सामने हर्ष आटो मोबाइल्स पैट्रोल पम्प के पास अपने स्वामित्व वाले गाटा संख्या 813 में पूर्व में कम्पटीशन सेन्टर संचालित किया जाता था बाद में उसी भवन में दुकान संचालित की जा रही थी। उक्त भूमि एवं दुकान का बैनामा उस के पक्ष में वर्ष 1989 में विधिवत रूप से हुआ और उस पर कब्जा भी है। रविवार की रात्रि लगभग रात्रि आठ बजे विपक्षीगण उसकी बंद दुकान के पीछे की ओर दिवाल तोडकर दुकान में पीछे से ही अपना दरवाजा लगा रहे थे। इतना ही नही हमारे मुख्य सटर पर अवैध रुप से ताला लगाकर कब्जा करने का प्रयास किया सूचना मिलने पर जब वह मौके पर पहुंची तो तो उक्त कृत्य के सम्बन्ध में पूछताछ की तो विपक्षी गण आग बबूला हो गये तथा गाली गलौच करते हुये बच्चो से मारपीट करने लगे।इसी दौरान फायरिंग कर दी गई जिससे भगदड़ मच गई और सब लोग जान बचाकर थाने की ओर भागे। थाने के सामने हुई फायरिंग से कस्बे में सनसनी फैल गई और दहशत में अपनी दुकानों को बंदकर भाग निकले। स्थानीय पुलिस ने पीड़िता निर्मला देवी की तहरीर पर पांच नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर लिया है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा ने बताया कि अविनाश सिंह,अश्वनी सिह पुत्रगण स्व. सुरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी गण टेवसी, प्रहलाद सिंह पुत्र साहब वरदान सिंह, शिव बरदान सिंह पुत्र उदल सिंह निवासीगण पन्ही थाना बाजार शुकुल को गिरफ्तार किया गया है एवं एक अदद स्कार्पियो को एमवी एक्ट मे सीज किया गया एंव स्कार्पियो के अंदर से एक अदद रिवाल्वर और चार अदद जिन्दा कारतूस,दो अदद खोखा कारतूस बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि तीन अदद मोबाइल फोन, तेइस हजार चार सौ रुपया बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार युवकों को जेल भेज दिया गया है।

देव स्वरूप आर्य बने बसपा के मंडल प्रभारी समर्थकों में उत्साह

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी ने संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए पीलीभीत जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष देव स्वरूप आर्य को बरेली मंडल का मंडल प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी हाईकमान ने पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सनेही गौतम को हटाकर यह जिम्मेदारी देव स्वरूप आर्य को सौंपी है।बसपा के प्रदेश कार्यालय से जारी आदेश के बाद जिले में कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। देव स्वरूप आर्य लंबे समय से पार्टी से जुड़े हैं और पीलीभीत के जिलाध्यक्ष के रूप में संगठन को मजबूती देने का कार्य कर चुके हैं। जमीनी पकड़ और संगठनात्मक क्षमता के चलते पार्टी ने उन्हें मंडल स्तर की अहम जिम्मेदारी दी है।नवनियुक्त मंडल प्रभारी देव स्वरूप आर्य ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। बरेली मंडल के सभी जिलों में संगठन को मजबूत किया जाएगा और बहन मायावती की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू की जाएगी।उनकी नियुक्ति पर जिलाध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्षों और सेक्टर प्रभारियों ने बधाई दी। कार्यकर्ताओं का कहना है कि देव स्वरूप आर्य के अनुभव से मंडल में बसपा को नई ऊर्ज़ा मिलेगी।

बच्चे के विवाद में महिला से मारपीट का आरोप, कपड़े फाड़ने और जातिसूचक गालियां देने की शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुंघचिहाई थाना क्षेत्र के ग्राम बलरामपुर में बच्चों के बीच हुए विवाद ने बड़ा रूप ले लिया पीड़िता शीला देवी पत्नी रामलखन ने पुलिस क्षेत्राधिकारी पूरनपुर को शिकायती पत्र देकर गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट, अभद्रता और जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया है शीला देवी के अनुसार, उनका पुत्र दीपक 30 मई 2026 की शाम करीब 6 बजे गांव में स्थित भूमसेन बाबा स्थल के पास खेल रहा था उसी दौरान पड़ोसी अनुराग के पुत्र के साथ उसका विवाद हो गया आरोप है कि अनुराग के बेटे ने दीपक के अंडरवियर में गोबर और पत्थर भर दिए तथा उसके साथ मारपीट की रोते हुए घर पहुंचे बेटे ने पूरी घटना अपनी मां को बताई पीड़िता का कहना है कि वह शिकायत करने अनुराग के घर गई थीं और वापस लौट आईं आरोप है कि कुछ देर बाद अनुराग, वीरपाल और भारत पुत्रगण घनश्याम उनके घर पहुंच गए और जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी शोर सुनकर बाहर आई उनकी पुत्री ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने महिला को पकड़कर खींचतान की, जिससे उनकी साड़ी और ब्लाउज फट गए साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई पीड़िता ने बताया कि उनके पति मानसिक रूप से बीमार हैं और इलाज चल रहा है परिवार आर्थिक रूप से भी कमजोर है ।

जिलाधिकारी ने गोमती नदी के पुनरूद्धार कार्य का ग्राम पंचायत शेरपुर मकरन्दरपुर चन्दुइया घाट में किया शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने विकास खण्ड पूरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायत शेरपुर मकरन्दपुर चन्दुइया घाट में माँ गोमती नदी का पुनरूद्धार कार्य का विधि-विधान से पूजन कर कार्य की शुरूआत की। विधायक पूरनपुर, जिलाधिकारी एवं आमजन ने फावड़ा चलाकर नदी के पुनरूद्धार हेतु श्रमदान किया विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गोमती नदी को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए जनपद में जन अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन और आम जनता के सहयोग से आदि माँ गोमती की अविरल जलधारा को बनाए रखने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के उद्गम स्थल (फुलहर झील, माधोटांडा) से लेकर अगले 47 किलोमीटर तक नदी की साफ-सफाई, गाद हटाने और पानी के प्रवाह को सुचारू बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने उत्साह के साथ श्रमदान किया। उन्होंने कहा कि आगामी पर्यावरण दिवस के अवसर पर गोमती नदी के तटों/किनारे पर पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराया जायेगा।जिलाधिकारी ने कहा कि गोमती नदी का पुनरूद्धार कर नदी को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। नदी को अतिक्रमण मुक्त करने का कार्य किया जा रहा है और जिन स्थानों पर जलधारा का प्रवाह रूक गया है उन स्थानों को सहयोग व जन भागीदारी से साफ करने का कार्य किया जा रहा है। गोमती नदी का कायाकल्प का कार्य जनपद में 47 किलोमीटर के दायरे में आने वाली सभी 16 ग्राम पंचायतों के लोग इन पुनीत कार्य में सभी लोग अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि विधायक जी ने गोमती नदी की अविरल धारा को स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है। ताकि इस अभियान को और अधिक गति दी जा सके। उन्होंने कहा कि नदियों का पुनर्जीवित होना प्रकृति के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। इस अभियान को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए हर वर्ग का सहयोग मिल रहा है, जो इस बात का प्रतीक है कि गोमती नदी जल्द ही अपनी पुरानी पहचान वापस पाएगी।इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा, उप जिलाधिकारी पूरनपुर, डीसी मनरेगा, खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान, ग्रामवासी सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे है।

नवदिया सुल्तानपुर में दोनों पक्षों में चली कई राउंड फायरिंग,दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जन्मदिन पार्टी के बीच पुरानी रंजिश ने लिया हिंसक रूप, तीन लोग घायल, कई हिरासत में

पूरनपुर।गजरौला थाना क्षेत्र के गांव नवदिया सुल्तानपुर में रविवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर बवाल हो गया दोनों ओर से हुई कई राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरे गांव में दहशत फैल गई घटना में तीन लोगों को छर्रे लगने की सूचना है फायरिंग की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई और गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया जानकारी के अनुसार गांव निवासी सुखचैन सिंह के घर बच्चे का जन्मदिन समारोह आयोजित किया गया था घर में परिजन और रिश्तेदार मौजूद थे तथा खुशी का माहौल था इसी बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद दोबारा भड़क उठा बताया जा रहा है कि सुखचैन सिंह और उनके पड़ोसी कुलवीर सिंह के बीच काफी समय से विवाद चला आ रहा था सूत्रों के मुताबिक कुलवीर सिंह के रिश्तेदार थाना बंडा, जनपद शाहजहांपुर क्षेत्र से करीब 8 से 10 गाड़ियों में सवार होकर गांव पहुंचे थे वहीं हरप्रीत का पूरनपुर में कुलवीर सिंह के भांजे मनरूप और अन्य रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था इसी मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच पंचायत भी हुई थी पंचायत में समझौता होने की बात कही जा रही थी और मामला शांत माना जा रहा था बताया जा रहा है कि सुखचैन सिंह अपने घर लौट आए और जन्मदिन समारोह में शामिल हो गए आरोप है कि कुछ देर बाद दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला हिंसक हो गया दोनों तरफ से कई राउंड फायर शुरू हो गए गोलियों की तड़तड़ाहट से गांव में भगदड़ मच गई और लोग घरों में दुबक गए फायरिंग में तीन लोगों को छर्रे लगने की बात सामने आई है हालांकि पुलिस अभी घायलों की स्थिति और संख्या की पुष्टि करने में जुटी हुई है घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है सूचना मिलते ही कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया पुलिस ने मौके से कई लोगों को हिरासत में लिया है वहीं कुछ लोगों के पास से अवैध असलाह और तमंचे भी बरामद किए गए हैं क्षेत्राधिकारी पूरनपुर प्रतीक दहिया और पीलीभीत सदर क्षेत्राधिकारी दीपक चतुर्वेदी ने जांच पड़ताल की पुलिस अधीक्षक ने घटनाक्रम की गहन जांच के निर्देश दिए हैं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने और अवैध हथियारों का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी पूरे मामले में वीडियो संदेशों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी जुटाए जा रहे हैं गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर पंचायत सहायकों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के पंचायत सहायकों ने सोमवार को नियमितीकरण सहित विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। पंचायत सहायकों ने जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपा। पंचायत सहायकों का कहना है कि ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिवों के प्रशासनिक कार्यों में सहयोग तथा ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए उनकी संविदा पर नियुक्ति की गई थी। वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह 6 हजार रुपये मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई के बीच पर्याप्त नहीं है। प्रदर्शन कर रहे पंचायत सहायकों ने आरोप लगाया कि उनसे मूल कार्यों के अतिरिक्त अन्य विभागों के कार्य भी कराए जाते हैं, लेकिन इसके लिए कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं दिया जाता। पंचायत

सहायक काजल चौरसिया ने बताया कि कई बार महीनों तक मानदेय का भुगतान नहीं होता, जिससे आर्थिक समस्याएं बढ़ जाती हैं। ज्ञापन के माध्यम से पंचायत सहायकों ने मानदेय बढ़ाने, कार्यों के लिए स्पष्ट नियमावली लागू करने तथा मानदेय भुगतान के लिए पारदर्शी पोर्टल व्यवस्था शुरू करने की मांग की। महिला पंचायत सहायकों ने अन्य महिला कर्मचारियों की तरह सुविधाएं और रियायतें दिए जाने की भी मांग उठाई। जिले भर से पहुंचे सैकड़ों पंचायत सहायकों ने चेतावनी दी कि यदि 15 जून तक उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो वे लखनऊ में बड़ा आंदोलन करेंगे।

मुसाफिरखाना में डीसीएम से टक्कर के बाद कार बनी आग का गोला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । थाना मुसाफिरखाना क्षेत्र के लखनऊ सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव धरौली मोड़ के पास सोमवार की सुबह एक अनियंत्रित महिंद्रा एसयूवी ने डीसीएम के पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे एसयूवी अनियंत्रित होकर पलट गई और देखते ही देखते उसमें आग लग गई।गनीमत रही कि राहगीरों ने कार सवार दम्पत्ति व उनके बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया है जिनका उपचार जारी है। बताते चलें कि सुल्तानपुर जनपद के मुबारकपुर निवासी अजय शुक्ला अपनी पत्नी नीता शुक्ला व बेटे प्रथम शुक्ला के साथ एसयूवी से लखनऊ से सुल्तानपुर की ओर जा रहे थे जैसे ही उनकी गाड़ी हाइवे पर स्थित यूपी छत्तीस ढाबा के पास पहुंची तभी एसयूवी ने सीएनजी डीसीएम में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि एसयूवी पलट गई और उसमें आग लग गई।हादसा होते ही आसपास मौजूद राहगीरों

ने कार के अंदर फंसे अजय,नीता व प्रथम को सुरक्षित बाहर निकाला।कुछ ही देर में कार पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई।सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद रेफर कर दिया है। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

अमेठी में नवजात बेटियों को बेबी किट वितरित कर दिया गया सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने रविवार को मलिक मोहम्मद जायसी संयुक्त जिला चिकित्सालय गौरीगंज में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम उप जिलाधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत जन्मी तीन नवजात कन्याओं को कन्या सुमंगला योजना से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराते हुए पंपलेट एवं बेबी किट वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा सरकार द्वारा संचालित महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। महिला कल्याण विभाग की ओर से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव की टीम के सदस्य एवं सुपरवाइजर रोशन लाल ने उपस्थित परिजनों को कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उनका लाभ उठाने के लिये प्रेरित किया।

कार्यक्रम में स्टाफ नर्स सुधा श्रीवास्तव तथा चिकित्सालय की टीम के सदस्य भी मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। महिला कल्याण विभाग ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और समानता की भावना को सुदृढ़ किया जा रहा है।

भारतीय महिला मंडल ग्रुप ने शरबत वितरण कार्यक्रम का किया आयोजन

चन्दौसी। भीषण गर्मी एवं नौतपा को देखते हुए नगर के पुरानी पैंठ में सभी ग्रुप की महिलाओं द्वारा शीतल शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राहगीरों को शीतल शरबत वितरित कर गर्मी से राहत प्रदान की गई। इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्ष भारती ने कहा कि वर्तमान में नौतपा चल रहा है, ऐसे समय में दान-पुण्य एवं सेवा कार्यों का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना और राहगीरों को गर्मी से राहत पहुंचाना पुण्य का कार्य किया जाना चाहिए समाज के सक्षम लोगों को भी इस प्रकार के सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इसी क्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है तथा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर सेवा कार्यों में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में भारती अग्रवाल लता पूजा कविता शिल्पी अनामिका पूजा रस्तोगी सारिका निधि प्रियंवदा प्रभा मंजू सुदर्शन देवांश वेदांश पीहू ईशान्वी इब्हान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री के द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल (बहजोई) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित माध्यमिक शिक्षा विभाग के केंद्र एवं राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों के सम्मान समारोह कार्यक्रम का कलक्ट्रेट सभागार में सजीव प्रसारण देखा एवं सुना गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मा. प्रभारी मंत्री जी/ मा. राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा उत्तर प्रदेश श्री धर्मवीर प्रजापति जी, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री हरेन्द्र सिंह रिंकू जी, पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गुन्नौर श्री अजीत कुमार राजू यादव जी तथा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री ओमवीर सिंह खडग़वंशी जी तथा मा. माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गुलाब देवी जी के प्रतिनिधि श्री चन्द्रसेन दिवाकर छोटू जी एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह तथा संबंधित अधिकारीगण, प्रधानाचार्य, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक कलक्ट्रेट सभागार में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मा. प्रभारी मंत्री जी एवं विशिष्ट अतिथि गणों तथा मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह द्वारा बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं में जनपद स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को चेक (?21000 प्रत्येक को) एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी गई। हाई स्कूल के 10 विधार्थियों वही इंटरमीडिएट में 11 विधार्थियों को चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू जी ने सबसे पहले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उन्होंने विद्यालय के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्य को भी बधाई दी उनके एक अच्छे प्रयास से उनके विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा जिले में नाम रोशन किया जा रहा है और उन्होंने कहा कि विद्यार्थी मन लगाकर मेहनत करें आपका भविष्य उज्जवल है जो सपने आपने देखे हैं वह निश्चित ही पूरे होंगे। पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक गन्नौर श्री अजीत कुमार राजू यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में विद्यालयों में अच्छी पढ़ाई हो रही है तथा गांव में बच्चे अच्छी एवं नकलविहीन शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं यह हमारे एवं हमारे देश तथा समाज के लिए गर्व की बात है आज माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य किया है उसको भुलाया नहीं जा सकता । योग्य बच्चों को प्रत्येक क्षेत्र में मौका मिल रहा है। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष ओमवीर सिंह खड़कवंशी ने कहा कि बच्चों ने जनपद संभल का मान बढ़ाया है और उन्होंने कहा कि आप संकल्प लें कि आने वाली परीक्षाओं में भी इसी प्रकार से सफलता प्राप्त करते रहेंगे। माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्रीमती गुलाब देवी जी के प्रतिनिधि चंद्रसेन दिवाकर छोटू जी ने संबोधित करते हुए कहा कि सफलता कोई छोटा कार्य नहीं है अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा. प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार एवं विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रेरित किया माननीय प्रभारी मंत्री जी ने विद्यार्थियों से कहा कि यह क्रम आगे भी चलते रहना चाहिए इसमें कोई व्यवधान नहीं आए और उन्होंने कहा कि मां-बाप का सपना होता है उनका बच्चा कामयाब हो अभिभावक अपने बच्चों को पढ़ाने में कोई कंजूसी ना करें उन्होंने कहा कि जो बच्चा मां-बाप के संघर्ष को ध्यान में रखेगा निश्चित रूप से वह कामयाब होकर अपने मां-बाप का नाम रोशन करेगा। प्रभारी मंत्री जी ने विद्यार्थियों से कहा कि अपने अभिभावकों को कपड़े के थैले का प्रयोग करने एवं पॉलीथिन का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित करें और माननीय मंत्री जी ने कहा कि जल के संरक्षण को लेकर लोगों को जागरुक करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

संरा. की चिंता और चरागाह भूमि का संकट

संयुक्त राष्ट्रसंघ ने 2026 को चरागाह और पशुचारक वर्ष घोषित किया है। इससे जाहिर है कि वैश्विक स्तर पर चरागाह भूमि संकट ग्रस्त हैं और इन पर ध्यान देने की जरूरत है। इनका क्षेत्रफल भूमि उपयोग में बदलाव के कारण घटता जा रहा है। अतिदोहन और खरपतवारों के कारण इनकी उपजाऊ क्षमता लगातार घटती जा रही है। दुनिया में चरागाह, सवाना घास के मैदान, झाड़ीदार जंगल, रेगिस्तान, पर्वतीय चरागाह, खुले वन और कृषि वानिकी क्षेत्र इसी श्रेणी में शामिल हैं। वैश्विक क्षेत्रफल का 54% भू-भाग किसी न किसी प्रकार की चरागाह भूमि में शामिल है, जिसमें से 78% शुष्क क्षेत्रों में स्थित है। एक तिहाई जैव विविधता इन्ही क्षेत्रों पर निर्भर है। विश्व खाद्य उत्पादन का 16% इन्हीं क्षेत्रों से आता है। चरागाह क्षेत्र भूमि को पोषक तत्व प्रदान करने के अतिरिक्त कार्बन प्रचूषण, इको टूरिज्म,और मनोरंजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुल चरागाह क्षेत्र का 50% भाग अनुत्पादक होने के कगार पर है। देश में चरागाह भूमि का क्षेत्रफल 1210 लाख हेक्टेयर है जिसमें से 1000 लाख हेक्टेयर अच्छी स्थिति में नहीं है और पूर्ण उपयोगिता के स्तर की भूमिका निभाने में असमर्थ है। इसके चलते पशु चारक समुदाय हाशिये पर आते जा रहे हैं और सरकारी नीतियों में भी उनके हितों की ओर उपयुक्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। खनन और ऊर्जा परियोजनाएं इन क्षेत्रों में पहुंच को सीमित करती जा रही हैं। देश में ढाई करोड़ लोग पूर्णतः पशुपालन पर आजीविका के लिए निर्भर करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे भू-मालिकों की दो तिहाई आबादी को पशुपालन से 16% आजीविका का आधार प्राप्त होता है। भारत में कुल पशु संख्या 53 करोड़ 61 लाख के लगभग है, जिसमें से गाय, भैंस, मिथुन, याक 30 करोड़ 31 लाख हैं। बाकी सूअर, घोडा, भेड़, बकरी आदि हैं। चरागाह भूमि के भूमि उपयोग में बदलाव, भूमि कटाव आदि से नुकसान के अलावा खरपतवार आक्रमण से भी चरागाह भूमि को भारी नुकसान पहुंचा है। खरपतवार चरागाहों की उत्पादकता को 90% तक नष्ट कर देते हैं। लेंटाना, युपिटोरियम, पार्थेनियम, एजरेटम आदि प्रमुख खरपतवार हैं जो चरागाहों को भारी हानि पंहुचा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो प्रदेश के कुल क्षेत्रफल 55 लाख 67 हजार हेक्टेयर में से 15 लाख 11 हजार हेक्टेयर चरागाह भूमि है, जिसमें से 6000 फुट की ऊंचाई से कम वाले क्षेत्रों की चरागाह लगभग 80% खरपतवारों की चपेट में आ कर अनुत्पादक हो चुकी है। प्रदेश में 2020 की पशु गणना के मुताबिक 44 लाख 13 हजार पशु धन है। जो 2012 की गणना के मुकाबले काफी कम है, जिसका मुख्य कारण पशु चारे की कमी है। भारतीय घास-चारा अनुसंधान परिषद के एक अध्ययन में पाया गया कि प्रदेश में हरे चारे की आपूर्ति में 20.30% और सूखे चारे की उपलब्धता में 53.61% की कमी है। इस कमी की पूर्ति करने के लिए पशुपालक पंजाब और हरियाणा से गेहूं और धान का भूसा आयात करते हैं जो 10 से 15 रुपये किलो तक यहां पहुंचता है। इतने महंगे चारे से पशु पालन घाटे का सौदा हो गया है। इसी कारण लोग पशु पालन से मुंह मोड़ रहे हैं। पशु सडकों में छोड़े जारहे हैं। इससे फसलें तबाह हो रही हैं और दुर्घटनाओं को न्योता मिल रहा है। हालांकि प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में पशु पालन का 28.8% योगदान है किन्तु पशुपालन को पेश मुख्य समस्याओं की ओर सम्यक ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है। पर्वतीय क्षेत्रों में पशुपालन मुख्यतः चराई पर निर्भर था। यदि चरागाह में पर्याप्त घास हो तो पशु पालन में लगने वाले श्रम और लागत में आधी कटौती हो जाती है। खूंटे पर बांध कर पशुपालन वह भी आयातित चारे के आधार पर करना काफी महंगा मामला है। हालांकि पशुपालन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने दूध के मूल्य में बढ़ोतरी करने आदि कुछ कदम उठाए हैं किन्तु मुख्य समस्या तो चारे की है। इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम की भूमिका

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यू-ट्यूब, व्हाट्स ऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनमत होता है। यह जनमत किसी एक दिन या एक चुनाव के दौरान निर्मित नहीं होता, बल्कि समाज में निरंतर चलने वाले संवाद, बहस, विचार-विमर्श, सामाजिक अनुभवों, राजनीतिक चेतना और नागरिक भागीदारी की लंबी प्रक्रिया से आकार लेता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का सूचित निर्णय, विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान और असहमति के प्रति सम्मान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लंबे समय तक देश में जनमत के निर्माण का आधार प्रत्यक्ष संवाद, जनसभाएं, सामाजिक संगठन, समाचार-पत्र, पुस्तकें, शिक्षण संस्थान और जन आंदोलन रहे। लेकिन डिजिटल क्रांति के बाद यह परिदृश्य तेजी से बदला है। आज सोशल मीडिया केवल संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि वह जनमत निर्माण की सबसे प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। ऐसे समय में यह प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या अब जनमत नागरिकों के स्वतंत्र चिंतन से अधिक सोशल मीडिया ट्रेंड और एल्गोरिदम द्वारा निर्धारित होने लगा है? भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और साथ ही दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल उपभोक्ता समूहों में से एक भी। करोड़ों लोग प्रतिदिन फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, यू-ट्यूब, व्हाट्स ऐप और अन्य डिजिटल मंचों का उपयोग करते हैं। समाचारों से लेकर राजनीतिक विचारों तक, समाज के बड़े वर्ग की प्राथमिक जानकारी अब इन्हीं प्लेटफॉर्मों से प्राप्त होती है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पहले जहां नागरिक किसी मुद्दे पर अखबार पढ़कर, बहस सुनकर या स्थानीय स्तर पर चर्चा करके राय बनाते थे, वहीं अब राय निर्माण की प्रक्रिया काफी हद तक डिजिटल मंचों पर निर्भर हो गई है। इस प्रक्रिया में सोशल मीडिया एल्गोरिदम की भूमिका केंद्रीय हो गई है। एल्गोरिदम ऐसे तकनीकी तंत्र हैं जो यह तय करते हैं कि किसी उपयोगकर्ता को कौन-सी सामग्री दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। वे उपयोगकर्ता की पसंद, गतिविधियों, खोज इतिहास और ऑनलाइन व्यवहार का विश्लेषण करके सामग्री का चयन करते हैं। तकनीकी दृष्टि से उनका उद्देश्य उपयोगकर्ता को अधिक समय तक प्लेटफॉर्म पर बनाए रखना होता है, क्योंकि डिजिटल कंपनियों का आर्थिक मॉडल इसी पर आधारित है। लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से यह प्रक्रिया कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि नागरिकों को वही सामग्री दिखाई जाए जो उनकी पूर्व मान्यताओं से मेल खाती हो, तो क्या वे विविध विचारों से परिचित हो पाएंगे? यदि एल्गोरिदम यह तय करने लगें कि कौन सा मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो क्या लोकतांत्रिक विमर्श स्वतंत्र रह पाएगा? आज सोशल मीडिया पर ट्रेंड होना किसी विषय की लोकप्रियता का प्रमुख संकेतक माना जाता है। कोई हैशटैग लाखों बार साझा हो जाए तो वह राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि जो ट्रेंड कर रहा है वही जनभावना का प्रतिनिधित्व कर रहा है। किंतु यह आवश्यक नहीं कि ट्रेंड वास्तव में समाज की व्यापक राय का प्रतिबिंब हो। अनेक बार ट्रेंड संगठित डिजिटल अभियानों, राजनीतिक प्रचार, भुगतान आधारित प्रचार रणनीतियों या बॉट नेटवर्क द्वारा भी निर्मित किए जाते हैं। ऐसे में यह समझना आवश्यक है कि डिजिटल दृश्यता और वास्तविक जनसमर्थन हमेशा समानार्थी नहीं होते। जमीनी स्तर की राजनीतिक भागीदारी और डिजिटल सक्रियता के बीच का अंतर भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास प्रत्यक्ष जन सहभागिता के अनेक उदाहरणों से भरा हुआ है। स्वतंत्रता आंदोलन में लोगों ने जेल यात्राएं कीं, सत्याग्रह किए और सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्तिगत जोखिम उठाए। बाद के दशकों में भी अनेक आंदोलनों ने नागरिकों को प्रत्यक्ष रूप से संगठित किया। इन आंदोलनों में लोगों के बीच संवाद, विश्वास और सामूहिकता का निर्माण होता था। इसके विपरीत डिजिटल सक्रियता अकसर प्रतीकात्मक भागीदारी तक सीमित रह जाती है। किसी पोस्ट को साझा करना, किसी हैशटैग का समर्थन करना या प्रोफाइल फोटो बदलना आसान है, लेकिन यह हमेशा वास्तविक सामाजिक हस्तक्षेप में परिवर्तित नहीं होता। परिणामस्वरूप राजनीतिक भागीदारी का एक नया स्वरूप विकसित हुआ है जिसमें दृश्यता अधिक और प्रत्यक्ष सामाजिक प्रतिबद्धता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है। सोशल मीडिया एल्गोरिदम का एक महत्वपूर्ण प्रभाव तथाकथित 'इको चैंबर' और 'फिल्टर बबल' के रूप में सामने आता है। जब कोई व्यक्ति किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखता या पसंद करता है, तो एल्गोरिदम उसे उसी प्रकार की और सामग्री दिखाने लगते हैं। धीरे-धीरे वह व्यक्ति ऐसे डिजिटल वातावरण में पहुंच जाता है जहां उसे मुख्यतः वही विचार दिखाई देते हैं जिनसे वह पहले से सहमत होता है। इससे वैचारिक विविधता कम हो जाती है और विरोधी विचारों के प्रति असहिष्णुता बढ़ने लगती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक विभिन्न दृष्टिकोणों को सुनने और समझने के लिए तैयार हों। लेकिन यदि एल्गोरिदम नागरिकों को वैचारिक रूप से अलग-अलग खेमों में बांट दें, तो लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होना स्वाभाविक है। भारत में राजनीतिक ध्रुवीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर विभिन्न राजनीतिक समूह अपने-अपने डिजिटल समुदायों में सक्रिय रहते हैं। इन समुदायों के भीतर साझा की जाने वाली सामग्री अक्सर एक विशेष दृष्टिकोण को पुष्ट करती है और विरोधी विचारों को संदेह, उपहास या शत्रुता की दृष्टि से प्रस्तुत करती है। इससे समाज में संवाद की जगह टकराव की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक और आवश्यक है, लेकिन जब असहमति संवाद के बजाय वैमनस्य का रूप लेने लगे तो लोकतांत्रिक संस्कृति कमजोर पड़ने लगती है। फ़ेक न्यूज और दुष्प्रचार का प्रश्न भी सोशल मीडिया एल्गोरिदम से गहराई से जुड़ा हुआ है। एल्गोरिदम उन सामग्रियों को अधिक बढ़ावा देते हैं जिन पर लोग तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं। अक्सर भावनात्मक और सनसनीखेज सामग्री तथ्यात्मक और संतुलित सामग्री की तुलना में अधिक तेजी से फैलती है। यही कारण है कि झूठी खबरें, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक वीडियो और मनगढ़ंत दावे सोशल मीडिया पर अत्यंत तेजी से वायरल हो जाते हैं। भारत में कई अवसरों पर फ़ेक न्यूज ने सामाजिक तनाव, सांप्रदायिक विवाद और सार्वजनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न की है। चुनावी राजनीति में भी गलत सूचनाओं का उपयोग मतदाताओं की राय को प्रभावित करने के लिए किया जाता रहा है। जब नागरिकों के निर्णय तथ्यात्मक जानकारी के बजाय दुष्प्रचार पर आधारित होने लगें, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया ने राजनीतिक संचार को भी पूरी तरह बदल दिया है। पहले राजनीतिक दलों को जनता तक पहुंचने के लिए रैलियों, सभाओं, पोस्टरों और पारंपरिक मीडिया का सहारा लेना पड़ता था। अब वे सीधे नागरिकों के मोबाइल फोन तक पहुंच सकते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए सकारात्मक भी है क्योंकि इससे सूचना का प्रवाह तेज हुआ है। लेकिन इसके साथ ही माइक्रो-टार्गेटिंग जैसी नई रणनीतियां भी विकसित हुई हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के व्यवहार से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा एकत्र करते हैं। इस डेटा के आधार पर अलग-अलग समूहों को अलग-अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं। इससे राजनीतिक प्रचार अधिक प्रभावी तो हो जाता है, लेकिन पारदर्शिता कम हो जाती है। नागरिकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें जो संदेश दिखाया जा रहा है, वही संदेश अन्य नागरिकों को भी दिखाई दे रहा है या नहीं। लोकतंत्र का आदर्श सार्वजनिक और खुला विमर्श है, जबकि माइक्रो-टार्गेटिंग राजनीतिक संवाद को खंडित और निजी बना सकती है। हालांकि सोशल मीडिया और एल्गोरिदम के प्रभाव को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इन मंचों ने अनेक सकारात्मक अवसर भी प्रदान किए हैं। समाज के हाशिए पर स्थित समूहों, महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण समुदायों और अल्पप्रतिनिधित्व वाले वर्गों को अपनी बात रखने का नया मंच मिला है। कई सामाजिक मुद्दे जो पहले मुख्यधारा मीडिया में पर्याप्त स्थान नहीं पाते थे, सोशल मीडिया के माध्यम से राष्ट्रीय बहस का विषय बने हैं। डिजिटल माध्यमों ने सूचना तक पहुंच को अधिक लोकतांत्रिक बनाया है और नागरिकों को सत्ता से सीधे संवाद करने का अवसर दिया है। कई जनहित अभियानों ने सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक समर्थन प्राप्त किया है। प्राकृतिक आपदाओं, सामाजिक आंदोलनों और जनजागरुकता अभियानों में डिजिटल प्लेटफॉर्म की सकारात्मक भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। समस्या तब उत्पन्न होती है जब तकनीकी मंच स्वयं लोकतांत्रिक विमर्श के निर्णायक बनने लगते हैं। किसी लोकतंत्र में यह निर्णय नागरिकों और संस्थाओं का होना चाहिए कि कौन-से मुद्दे महत्वपूर्ण हैं, न कि किसी निजी कंपनी के एल्गोरिदम का। लेकिन व्यवहार में कई बार यही होता दिखाई देता है कि जो विषय एल्गोरिदमिक रूप से अधिक दृश्यता प्राप्त कर लेता है, वही सार्वजनिक बहस के केंद्र में आ जाता है। इससे उन महत्वपूर्ण मुद्दों की उपेक्षा हो सकती है जो डिजिटल रूप से आकर्षक नहीं हैं, लेकिन सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण संकट, श्रमिक अधिकार, शिक्षा की गुणवत्ता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्थानीय प्रशासन जैसे विषय अक्सर मनोरंजक या विवादास्पद सामग्री की भीड़ में दब जाते हैं। हमारे लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह डिजिटल तकनीक के लाभों को स्वीकार करते हुए उसके दुष्प्रभावों को कैसे नियंत्रित करे। इसके लिए केवल सरकारी नियमन पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना आवश्यक है ताकि नागरिक सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें। स्कूलों और विश्वविद्यालयों में मीडिया साक्षरता तथा तथ्य-जांच संबंधी शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों को भी अपने एल्गोरिदम की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ानी होगी। राजनीतिक विज्ञापनों और डिजिटल प्रचार अभियानों के लिए स्पष्ट नियमों की आवश्यकता है ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की निष्पक्षता बनी रहे। स्वतंत्र मीडिया, नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थानों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अंततः यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र केवल तकनीक से संचालित नहीं हो सकता। तकनीक लोकतंत्र का साधन हो सकती है, उसका विकल्प नहीं। सोशल मीडिया नागरिकों को जोड़ सकता है, लेकिन वह वास्तविक सामाजिक संबंधों और जमीनी भागीदारी का स्थान नहीं ले सकता। किसी पोस्ट को साझा करना और किसी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेना दो अलग-अलग बातें हैं। किसी हैशटैग को ट्रेंड कराना और समाज में स्थायी परिवर्तन लाना भी समान नहीं हैं। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति अभी भी जागरूक नागरिकों, स्वतंत्र चिंतन, सार्वजनिक संवाद और सामूहिक भागीदारी में निहित है। जब ट्रेंड जनमत को प्रभावित करने लगें, तब नागरिकों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्हें यह समझना होगा कि हर वायरल सामग्री सत्य नहीं होती, हर ट्रेंड जनभावना का प्रतिनिधित्व नहीं करता और हर डिजिटल बहस लोकतांत्रिक विमर्श नहीं होती। लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाएं नहीं करतीं, बल्कि सचेत नागरिक भी करते हैं। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि डिजिटल युग में नागरिक तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके द्वारा नियंत्रित न हों। यदि हम ऐसा कर पाए, तो सोशल मीडिया लोकतंत्र को सशक्त बनाने का माध्यम बनेगा, अन्यथा यह खतरा बना रहेगा कि एक दिन जनमत नागरिकों की स्वतंत्र चेतना से नहीं, बल्कि एल्गोरिदम द्वारा निर्मित ट्रेंड से निर्धारित होने लगेगा। यही हमारे समय की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक चुनौती है। **-डॉ. प्रियंका सौरभ**

अमेरिका में भारत व हिंदू विरोधी ताकतें फिर सक्रिय

मृत्युंजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय के बाद अमेरिका में बैठा भारत व हिन्दू विरोधी गैंग फिर से जाग उठा है क्योंकि बंगाल लहराता भगवा उसे पसंद नहीं आ रहा है। बंगाल में हिंदुत्व की विजय से छद्म धर्मनिरपेक्ष लॉबी को नींद नहीं आ रही है। अमेरिका से जैसे समाचार आ रहे हैं उससे यह स्पष्ट हो रहा है कि बंगाल चुनावों के दौरान बीजेपी को रोकने के लिए जो प्रयास किए जा रहे थे उनको अमेरिकी डीप स्टेट का संरक्षण प्राप्त था। विगत दिनों सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कॉकरोच शब्द का प्रयोग कर दिया देखते देखते अमेरिका मे बैठे कुछ लोगों ने इसे पकड़ लिया और कॉकरोच जनता पार्टी बना दी। इस पार्टी का संस्थापक आम आदमी पार्टी का ही संस्थापक सदस्य अभिजीत दीपके है। कॉकरोच जनता पार्टी के नाम पर कहा जाने लगा कि अगर युवाओ की बात नही सनी गई तो यह कॉकरोच जनता पार्टी जिसके दो करोड़ से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर बन चुके हैं, देश में क्रांति कर देगी। भारत की विरोधी पार्टियों ने कॉकरोजनता पार्टी को हाथों हाथ लिया और टीवी चैनलों पर बहस के दौरान इस पार्टी का भय दिखाने लगे। ये भूल गए कि धरातल पर भारतीय जनता पार्टी दुनिया के 14 करोड़ से अधिक कार्यकर्ता काम कर रहे हैं। अमेरिका की एक संस्था यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम कथित रूप से दुनिया भर में धार्मिक स्वतंत्रता के लिए काम करती है। ये संस्था स्वयं को धार्मिक आजादी की स्वयंभू पहरेदार और रक्षक मानती है। वास्तविकता यह है कि यह संस्था सनातन हिंदू धर्म के प्रति अपनी कुंठित मानसिकता के कारण जानी जाती है और अवसर मिलते ही हिंदुओं के प्रति विकृत घृणा का प्रदर्शन करती दिखाई देती है। यह संस्था हिंदुओं के प्रति नफरत से भरी हुई है । इस संस्था ने भारत में धार्मिक आजादी खतरे में है का दुष्प्रचार किया है। इस बार इसके निशाने पर तीन मुख्यमंत्री हैं उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, असम के हिमंता बिस्वा सरमा और उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के बाद इस सूचि में स्वाभाविक रूप से शुभेंदु अधिकारी का नाम भी जुड़ गया है। इसी अमेरिकी संस्था की एक सुनवाई में अपने आप को तथाकथित मानवाधिकार कार्यकर्ता व पत्रकार बताने वाला रकीब हमीद नाइक भी पंहुचा और उसने इन लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों पर जहर उगलते हुए इन पर रोक लगाने की मांग की।रकीब अहमद नाइक मूल रूप से कश्मीर का रहने वाला है और उसका एकमात्र कार्य भारत विरोध है। यह हिंदुत्व वाच के नाम से एक संगठन भी चलाता है जिसका काम हिंदुत्व को घृणा व नफरत के तौर पर ट्रैक करना। रकीब का ये संगठन भारत में भी हिंदू राष्ट्रवाद की निगरानी करता है। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम का अपना एक राजनीतिक एजेंडा है जिसके तहत उसने हिंदू घृणा व नफरत से भरपूर रकीब को मंच दिया गया। हिंदू विरोधी एजेंडे के अंतर्गत ही रकीब ने तीनों मुख्यमंत्रियो के खिलाफ जहर उगला गया क्योंकि ये तीनों ही मुख्यमंत्री हिदुओं को एकजुट और जागरुक करने के लिए कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्र्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या में दिव्य व भव्य राम मंदिर बना, प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों का विकास हो रहा है, प्रदेश में गोवध व लव जिहाद की रोकथाम के लिए कानून बना है, माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा रही है । तीनों ही राज्यों में मतांतरण की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। तीनों ही राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ कार्यवाही हो रही है। असम व उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू हो चुकी है। घुसपैठिए भारत छोड़ने के लिए मजबूर हो रहे हैं। अमेरिका में बैठे हिन्दू विरोधियों को ये रास नहीं आ रहा है। फिलहाल तो सोशल मीडिया पर जन्मी कॉकरोच जनता पार्टी, सोशल मीडिया पर धूल चाट चुकी है अब देखते हैं कि उनका अगला पैंतरा क्या होगा?

सेहत मंत्र

पाचन शक्ति बढ़ाने से लेकर बवासीर के लिए रामबाण इलाज है हरड़

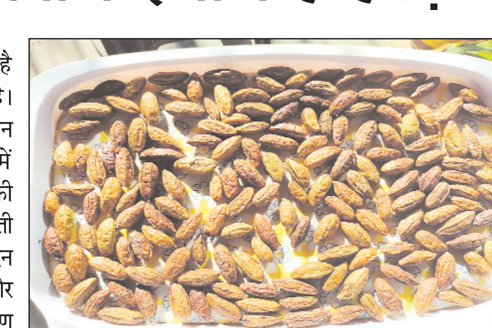

हरड़ एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है जिसके अनेक स्वास्थ्य लाभ है। एक्सपर्ट के मुताबिक, हरड़ पाचन तंत्र को बढ़ावा देती है। मल त्याग में आसानी होती है और पुरानी कब्ज की स्थिति में मल को आसानी से बाहर करती है। हरड़ के चूर्ण को पानी में मिलाकर दिन में दो बार लेने से एंटीऑक्सीडेंट और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों के कारण कोशिका क्षति को कम करके प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा मिलता है। हरड़ के चूर्ण को नारियल के साथ मिलाकर लगाने से पेस्ट के रुप में तेल का उपोग इसके कसैले गुण के कारण घावों को भरने के लिए किया जाता है। हरण संक्रामक एजेंटों से लड़ने में काफी सहायक होता है और त्वचा के संक्रमण को रोकता है। हरड़ के अर्क को कुछ नेत्र रोगों के प्रबंधन के लिए आप इसको पलकों पर लगा सकते हैं। याद रखें कि हरड़ का अधिक सेवन दस्त का कारण बन सकता है। इसके अलावा, आपकी स्किन ज्यादा ही संवेदनशील है तो हरड़ पेस्ट को नारियल तेल के साथ उपयोग करना उचित होगा। हरड़ में कई फायदे होते है। यह कब्ज को नियंत्रित करता है, इसका चूर्ण का सेवन रात में करें। वहीं, हरड़ अपने कफ को संतुलित करने वाले गुण के कारण खांसी और जुकाम को स्वाभाविक रुप से रोकने के लिए अच्छा है।

धर्म मंत्र

श्री सती जी के बारे में सब कुछ जानकार भी भगवान श्रीराम ने क्रोध नहीं किया

भगवान श्रीराम जी भी कितने दयालु हैं। उन्हें श्रीसती जी के बारे में सब कुछ ज्ञात है। लेकिन तब भी उन्होंने एक बार भी उन्होंने क्रोध नहीं किया, और न ही श्रीसती जी को कोई श्राप दिया। श्रीराम जी बस इतना ही कहते हैं, कि आप बिना बृषकेतु के इस भयानक वन में क्या कर रही हैं? इस समय श्रीसती जी शंका की प्रतिमूर्ति बन चुकी थी। जबकि उनके स्वामी भगवान शंकर जी, साक्षात विश्वास की प्रत्यक्ष मिसाल हैं। बिना विश्वास का धन लिये, भगवान की ओर जाने से क्या ही प्राप्त होने वाला है। जिस प्रकार से श्रीसती जी शंका लेकर वन में सिवा भटकने के और कुछ भी प्राप्त नहीं कर पा रही, ठीक ऐसे ही, जो साधक शंकालु विचारों के वन में उलझ जाता है, वह श्रीसती जी भाँति ही दुख पाता है। देखा जाये, तो श्रीसती जी दो भगवानों के मध्य ही अपना मार्ग तैय कर रही हैं। जैसे वे पहले, भगवान शंकर से श्रीराम जी ओर बढ़ी, और अब श्रीराम जी की दिशा से भगवान शंकर जी और बढ़ रही हैं। लेकिन आश्चर्य, वे इतनी सुंदर डगर पर चलकर भी शाँत न होकर, भयंकर अशाँति के भँवर में उलझ चुकी हैं। कहने का तात्पर्य, कि अगर आपकी यात्रा भगवान से आरम्भ होकर, भगवान की ही ओर हो, तो भी आपको यह आश्वासन नहीं होना चाहिए, कि आप शाँत अवस्था को प्राप्त होंगे। जिसका कारण मात्र एक है, और वह है, हृदय का संदेह से पटा होना। जैसे किसी पात्र में खट्टा डालकर, उसमें रखे दूध को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता, ठीक वैसे ही मन में संदेह पालकर, प्रभु की भक्ति को फलीभूत नहीं किया जा सकता। श्रीसती जी से बस यही गलती हो रही थी।

पर्यटन

शिमला के पास मौजूद गांवों की खूबसूरती देख पल में हो जाएंगे दीवाने

भारत में शिमला, कुल्लू, मनाली और नैनीताल जैसे डेस्टिनेशन सबसे ज्यादा फ़ेमस हैं। इन खूबसूरत हिल स्टेशनों का दीदार करने भारत के हर कोने से लोग आते हैं। लेकिन गर्मियों में इन हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की अधिक भीड़ होती है। क्योंकि इस दौरान यहां पर बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। जिसके कारण यहां पर स्टे में समस्या, महंगा सामान और घंटों जाम में फंसना पड़ता है। इस वजह से ट्रिप का पूरा मजा खराब हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन फ़ेमस डेस्टिनेशन के पास कई ऐसी जगहें हैं, जहां की प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल आपको सुकून देती है। भारत में प्राकृतिक खूबसूरती से घिरे कई टूरिस्ट स्पॉट हैं। वहीं शिमला में पर्यटकों का पूरे साल आना-जाना लगा रहता है। यहां के बादल और बर्फ से ढके पहाड़ शिमला को अट्रैक्टिव बनाते हैं। दिल्ली समेत कई इलाकों से यहां पर काफी कम समय में पहुंचा जा सकता है। वैसे आप शिमला में मौजूद गावों की सैर कर अपने ट्रिप को यादगार बना सकते हैं। आज हम आपको शिमला के इन्हीं खूबसूरत गांवों के बारे में बताने जा रहे हैं। कोटगढ़ गांव सेब के बगीचों के लिए काफी फ़ेमस है। यह गांव एक शांत और खूबसूरत जगह है। यहां पर सेब के अलावा एप्रीकॉट, प्लम्स, चैरी और दूसरी हेल्दी चीजें भी उगाई जाती हैं। इसके साथ ही आप यहां पर सेंट मैरी चर्च देखने जा सकते हैं। बता दें कि इस चर्च को साल 1872 में बनाया गया था। इस स्थान पर तन्नी जुब्बर झील मौजूद है, जोकि पहाड़ों से घिरी है। इस झील के पास एक छोटा सा जंगल है। यहां पर जून महीने में तन्नी जुब्बर मेला का आयोजन होता है। यह जगह हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में मौजूद है। इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 3400 मीटर है। यह पूरी जगह मेपल और शंकुधारी पेड़ से घिरा हुआ है। यहां कोटगढ़ के अलावा हाटू पीक को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा आप कोटगढ़ में बर्फ से ढकी हिमाचल की चोटियों को देखने का लुत्फ उठा सकते हैं।

बाबागंज में गूंजी कविता की स्वर लहरियां 10 माह तक चलेगा साहित्यिक महोत्सव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। कस्बा बाबागंज में संरक्षक चौधरी तालिब नजीब कोकब की उपस्थिति में काव्य कल्याणी परिवार द्वारा भव्य काव्य संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कवि संदीप अनुरागी ने किया। काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज, प्रेम, नैतिकता, देशभक्ति और हास्य के विविध रंग प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कवि संजय सावरा ने अपनी रचना ल्लसबकी होती है एक कहानी, कोई रंक हो या भूप...ङ्क से किया। इसके बाद हास्य कवि विजय तन्हा ने ल्लजिसे दिल में बसाता हूं, वह भैया बोल देती हैङ्क सुनाकर श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया।

लोकगीतकार शशि बिंदु कुमार ने सत्य, ज्ञान और नैतिकता पर आधारित रचना प्रस्तुत की, जबकि हरिगोविंद यादव ने अपनी गजल के माध्यम से नारी और मायके के भावनात्मक संबंधों को स्वर दिया। भानु प्रताप मौर्य 'अंश' ने अवधी रचना सुनाकर क्षेत्रीय भाषा की मिठास बिखेरी।

पहली बार मंच पर कविता पाठ करने वाली साक्षी मिश्रा ने ल्लआज की नारी है आज की कल्पनाङ्क शीर्षक रचना प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी। धनीराम 'निर्धन' ने महंगाई पर तीखा व्यंग्य करते हुए आमजन की समस्याओं को उजागर किया, वहीं सुनील हर्ष ने अपने दोहों के माध्यम से जीवनोपयोगी संदेश दिए।

निर्मल कुमार ने देशभक्ति से ओतप्रोत रचना ल्लइस चमन को जरूरत तुम्हारी, इस वतन से मोहब्बत करो तुमङ्क प्रस्तुत कर वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। प्रो. डॉ. आलोक कुमार यादव ने अपनी भावपूर्ण रचना ल्लहजारों उमंगें जगाती हैं आंखेंङ्क सुनाकर कार्यक्रम को नई ऊंचाई प्रदान की।

इस अवसर पर चौधरी तालिब नजीब कोकब ने घोषणा की कि प्रत्येक माह की अंतिम तिथि को लगातार 10 माह तक इसी प्रकार काव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके उपरांत बाबागंज में एक भव्य कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें देश के ख्यातिप्राप्त कवियों के साथ इन दस महीनों में प्रतिभाग करने वाले स्थानीय कवियों को भी मंच प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी कवियों, अतिथियों एवं श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

डीएम ने एचएलबी कार्य में अग्रणी 11 प्रगणकों को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत अपनी-अपनी हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण करने वाले 11 प्रगणकों को जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री ईशान प्रताप सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसकी सफलता कार्मिकों की निष्ठा, परिश्रम एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन पर निर्भर करती है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगणकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास अन्य कार्मिकों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ आगामी कार्यों को भी पूर्ण करें, जिससे जनपद जनगणना संबंधी सभी तैयारियों में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, संसाधनों के उचित वितरण एवं नीतिगत निर्णयों का आधार बनते हैं, इसलिए प्रत्येक स्तर पर कार्य की शुद्धता एवं समयबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मानित होने वाले प्रगणकों में नगरीय निकाय बेलहरा के श्री विश्वनाथ सिंह, तहसील सिरौलीगौसपुर के श्री प्रेमचन्द्र, नगरीय निकाय बंकी की श्रीमती कंचन प्रभा, तहसील हैदरगढ़ के श्री सुखदेव, तहसील नवाबगंज की श्रीमती अर्चना सिंह, नगर पंचायत रामसनेहीघाट के श्री रविकान्त श्रीवास्तव व श्री विजय बहादुर,तहसील रामसनेहीघाट की श्रीमती पिंकी सिंह, तहसील रामनगर के श्री सुनील तिवारी, नगर पंचायत सिद्धौर के आदर्श सोनी तथा तहसील फतेहपुर के अमित सिंह शामिल रहे। इन सभी प्रगणकों ने अपनी-अपनी एचएलबी में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण कर उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का परिचय दिया, जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी/एडीएम निरंकार सिंह सहित जनगणना कार्य से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में राहत की सौगात: भाजपा नेता प्रमोद ने शुरू कराया पेयजल प्याऊ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच राहगीरों एवं आमजन को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से भाजपा नेता प्रमोद तिवारी के प्रयासों से स्थापित पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव एवं जिला उपाध्यक्ष रचना श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना एक सराहनीय और पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा की ऐसी पहलें मानवता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। वक्ताओं ने जनहित में किए गए इस प्रयास के लिए प्रमोद तिवारी की प्रशंसा करते हुए इसे अनुकरणीय कदम बताया।

इस अवसर पर प्रमोद तिवारी ने कहा कि जनसेवा उनकी प्राथमिकता है और क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सामाजिक दायित्व का हिस्सा है। कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों एवं राहगीरों को शीतल पेयजल वितरित किया गया। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम बताया।

बोरिंग ट्रायल के दौरान विवाद, दोनों पक्षों के आरोपों से चर्चा का विषय बना मामला

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। निंदूरा विकास खंड में बोरिंग ट्रायल के दौरान हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। बड्डूपुर थाना क्षेत्र के पिपरसंड निवासी एवं निंदूरा ब्लॉक में कार्यरत बोरिंग मिस्त्री बनवारी लाल ने बोरिंग टेक्नीशियन पर जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी फतेहपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र में बनवारी लाल ने बताया कि शनिवार को ब्लॉक क्षेत्र में बोरिंग ट्रायल का कार्य चल रहा था। इसी दौरान उन्होंने बोरिंग टेक्नीशियन अमरनाथ से कहा कि संबंधित कास्तकार उनका इंतजार कर रहे हैं। आरोप है कि इतनी बात कहने पर टेक्नीशियन भड़क गए और उन्हें जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया। पीड़ित का कहना है कि उसने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपित मौके से चला गया। वहीं, मामले में दूसरा पक्ष पूरी तरह अलग तस्वीर पेश कर रहा है। लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता (जेई) अनुराग कुमार का कहना है कि घटना वाले दिन विभागीय जांच चल रही थी और वह अधिकारियों के साथ कार्यालय में मौजूद थे। उनके अनुसार बोरिंग मिस्त्री बनवारी लाल नशे की हालत में कार्यालय पहुंचे और अनुचित व्यवहार करने लगे। उन्हें समझाकर वहां से हटाया गया, लेकिन बाद में वह दोबारा अधिक नशे की अवस्था में पहुंचे और हंगामा किया। घटना को लेकर दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच मामला जांच का विषय बन गया है। क्षेत्राधिकारी कार्यालय में दी गई शिकायत के आधार पर मामले की पड़ताल की जा रही है। पुलिस और विभागीय अधिकारियों की जांच के बाद ही विवाद की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

शादी के छह माह बाद युवक ने लगाई फांसी, पलटूपुर में मचा कोहराम

निंदूरा बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। घुंघटेर थाना क्षेत्र के पलटूपुर गांव में एक युवक का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पलटूपुर निवासी कुलदीप गौतम (32) मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार को वह किसी कार्य से बाहर गए थे और देर रात घर लौटे थे। बताया जा रहा है कि घर पहुंचने के बाद किसी बात को लेकर उनकी पत्नी से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद कुलदीप अपने कमरे में चले गए। कुछ देर बाद पत्नी उन्हें भोजन के लिए बुलाने पहुंची तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज लगाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आशंका होने पर परिजनों को बुलाया गया। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो कुलदीप का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। यह दृश्य देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों के अनुसार कुलदीप का विवाह लगभग छह माह पूर्व ही हुआ था। युवक की असामयिक मौत से गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलने पर घुंघटेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

तारीख बदलकर मांगा तलाक, खुली पोल, फैमिली कोर्ट ने दिया पति व वकील पर मुकदमे का आदेश

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। फैमिली कोर्ट ने न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग और अदालत को गुमराह करने के प्रयास पर कड़ा रुख अपनाते हुए एक पति और उसके अधिवक्ता के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने के आदेश दिए हैं। अदालत ने माना कि दोनों ने जानबूझकर गलत तथ्य प्रस्तुत कर न्यायालय से अनुचित लाभ लेने का प्रयास किया। मामले के अनुसार, पिछले वर्ष एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में वाद दायर किया था। याचिका में दावा किया गया था कि उसकी पत्नी 22 फरवरी 2026 को मायके चली गई थी। हालांकि, पति-पत्नी के बीच दो वर्ष के पृथक निवास का आवश्यक आधार सिद्ध न होने पर अदालत ने 17 मार्च 2024 को वाद खारिज कर दिया। हमारे प्रतिनिधि शुभम अवस्थी की गहन पड़ताल में यह तथ्य सामने आया कि वाद खारिज होने के अगले ही दिन उसी अधिवक्ता के माध्यम से नया वाद दाखिल किया गया। इस बार पत्नी के मायके जाने की तारीख 22 फरवरी 2024 दर्शाई गई, जिससे दो वर्ष के अलगाव की अवधि पूरी दिखाकर तलाक का आधार मजबूत किया जा सके। सुनवाई के दौरान दोनों वादों में दर्ज तथ्यों का अंतर अदालत के संज्ञान में आया। प्रभारी प्रधान न्यायाधीश कृष्ण कुमार ने मामले को गंभीर मानते हुए कहा कि वादी और उसके अधिवक्ता ने न्यायालय को भ्रमित करने के उद्देश्य से झूठे तथ्यों का सहारा लिया है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ छल करने का प्रयास है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने दोनों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने का आदेश देते हुए उन्हें अगले माह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए तलब किया है। न्यायिक हलकों में इस आदेश को अदालतों में झूठे तथ्यों के आधार पर वाद दायर करने वालों के लिए एक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

रेलवे की बंद रफ्तार से चौपट हो रहा पूरनपुर का व्यापार, सभासद अनुज ने रेलवे पोर्टल पर दर्ज कराई शिकायत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मैलानी-बरेली रेलखंड पर पर्याप्त ट्रेनों के संचालन न होने से परेशान क्षेत्रवासियों ने अब अपनी आवाज रेलवे के पोर्टल तक पहुंचा दी है नगर पालिका परिषद पूरनपुर से जुड़े अनुज कुमार गुप्ता ने रेलवे पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए रेल सेवाएं बढ़ाने की मांग की है उन्होंने शिकायत में बताया कि मैलानी से बरेली रेलखंड पर लाखों की आबादी निर्भर है, लेकिन पर्याप्त सवारी और एक्सप्रेस ट्रेनों के अभाव में यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है पूरनपुर क्षेत्र का अधिकांश व्यापार बरेली आधारित होने के कारण सीधा रेल संचालन बेहद जरूरी है, लेकिन ट्रेनों की कमी से व्यापारी वर्ग सहित किसान, विद्यार्थी, अधिवक्ता और नौकरीपेशा लोग परेशान हैं शिकायत में कहा गया कि मीटर गेज के समय लखनऊ-बरेली के बीच पर्याप्त ट्रेनें चलती थीं, लेकिन ब्रॉड गेज बनने के बाद भी सुविधाएं पहले जैसी नहीं मिल सकीं रात के समय ट्रेन सुविधा न होने से यात्रियों को अतिरिक्त परेशानी झेलनी पड़ती है अनुज कुमार गुप्ता ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि लखनऊ से बरेली के मध्य कम से कम चार एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाए साथ ही मैलानी से पीलीभीत तक चल रही ट्रेनों को बरेली तक बढ़ाया जाए और रात्रिकालीन रेल सेवाएं भी बहाल की जाएं, ताकि आम जनता को राहत मिल सके क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि जल्द रेल सेवाएं नहीं बढ़ाई गईं तो क्षेत्र का व्यापार और आम जनजीवन और अधिक प्रभावित होगा।

पुरुषोत्तम मास में उमड़ रही आस्था की भीड़, परिक्रमार्थियों की सुविधाओं पर अब भी उदासीन तहसील प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर श्री लोधेश्वर महादेव धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। दूर-दराज से हजारों शिवभक्त भगवान लोधेश्वर के दर्शन और पूजन-अर्चन के लिए पहुंच रहे हैं। विशेष रूप से लेटकर परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो कठिन तपस्या और अटूट श्रद्धा के साथ महादेव की नगरी तक पहुंचते हैं।

अधिक मास के दौरान प्रतिदिन भक्तों की भारी भीड़ रहती है, जबकि सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। रविवार की शाम से ही भक्तों का आगमन शुरू हो जाता है और मंदिर के कपाट खुलते ही दर्शन के लिए लंबी कतारें लग जाती हैं। श्रद्धालु अपने परिवार और साथियों के साथ घंटों प्रतीक्षा कर भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन करते हैं। शाम के समय आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जिससे देर रात तक मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूबा रहता है। हालांकि, बढ़ती आस्था के बीच श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधाओं का अभाव गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। महादेवा कॉरिडोर निर्माण के बाद यहां भक्तों के ठहरने की समुचित व्यवस्था नहीं है। मजबूरन श्रद्धालु पेड़ों की छांव, पहाड़ी बाबा और नाथ बाबा की कुटियों में आश्रय लेने को विवश हैं। सबसे अधिक कठिनाई लेटकर परिक्रमा करने वाले शिवभक्तों को झेलनी पड़ रही है।

परिक्रमा मार्गों पर प्रकाश, पेयजल और विश्राम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मुख्य मार्गों को छोड़ दें तो अधिकांश रास्तों पर न तो रोशनी की व्यवस्था है और न ही पानी की। लंबा पुर गांव की ओर से दंडवत परिक्रमा करके आने वाले शिव भक्तों को भारी गंदगी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

प्रशासनिक उदासीनता इस हद की इस मार्ग पर एक भी बल्ब नहीं टांगा गया।बावजूद शिवभक्त अपनी आस्था और विश्वास के बल पर कठिन परिक्रमा पूरी कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि पुरुषोत्तम मास और सावन जैसे अवसरों पर एक माह तक चलने वाले धार्मिक आयोजनों में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन प्रशासन ने आज तक परिक्रमार्थियों के लिए अलग और सुरक्षित परिक्रमा मार्ग निर्धारित नहीं किया। सड़क किनारे वाहनों की लगातार आवाजाही के बीच श्रद्धालु जान जोखिम में डालकर परिक्रमा करने को विवश हैं। कई बार वाहन दुर्घटनाओं में श्रद्धालु घायल भी हो चुके हैं।

श्रद्धालुओं का यह भी कहना है कि लंबी और कठिन परिक्रमा पूरी कर जब वे मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचते हैं तो उनकी विशेष व्यवस्था नहीं की जाती। जबकि ऐसे तपस्वी श्रद्धालुओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्शन कराने की व्यवस्था होनी चाहिए।

धार्मिक आस्था के इस विराट केंद्र पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में आवश्यकता है कि प्रशासन परिक्रमा मार्गों पर प्रकाश, पेयजल, चिकित्सा, विश्राम स्थल और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भगवान शिव की नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और सुविधा का भी सम्मान हो सके।

जिलाधिकारी नें मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र व डेमो चेक प्रदान कर किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर-कमलों द्वारा लोक भवन स्थित सभागार से मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। जिसका सजीव प्रसारण मा0 जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, अभिभावकों, छात्र-छात्राओं द्वारा देखा एवं सुना गया। गांधी सभागार जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में मा0 राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ0प्र0 श्री संजय सिंह गंगवार, मा0 जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, मा0 विधायक बररखेडा एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर राज्यमंत्री, जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारियों ने हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में जनपद का नाम रोशन करने वाले 22 मेधावी छात्र-छात्राओं को पगडी पहनाकर, मेडल, प्रशस्ति पत्र व 21-21 हजार के डेमो चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में प्रांजल मौर्य, यश प्रजापति, युवराज, कृति गोस्वामी, अक्शरा, अंशिका देवी, शिवा कश्यप, राजवीर, आदित्य गंगवार, प्रमोद कुमार, विकास वर्मा अनामिका वर्मा एवं इंटर मीडिएट दर्शिका शर्मा, प्रियांशी देवी, ऋषभ भास्कार, नितिन वर्मा, साक्षी, अमन गंगवार, अमन वर्मा, मानवी वर्मा, साक्षी गिहार, पंखुडी को सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों व अध्यापकों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने मेधावियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज के मेधावी छात्र ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को हर संभव मंच और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत के साथ साथ उनके शिक्षकों और माता-पिता का भी अमूल्य योगदान रहा है। इसके साथ ही मा0 जिलाध्यक्ष एवं मा0 विधायक बरखेड़ा ने भी मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाऐं दी।जिलाधिकारी ने मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुये जीवन में समय प्रबंधन और निरंतरता के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान आपकी मेहनत और लगन का परिणाम है, लेकिन इसे एक नई शुरूआत मानें। उन्होंने कहा कि सभी छात्र-छात्राऐं अपने लक्ष्य का स्पष्ट निर्धारित करते हुये तथा लक्ष्य का चिन्तन मनन करते हुए लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अनुशासित होकर प्रयास करें।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत निरीक्षण एवं मकानीकरण कार्य का व्यापक अभियान जारी

पीलीभीत। जनपद में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत तैयारियों को गति प्रदान करने हेतु जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी, चार्ज अधिकारी एवं नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनगणना संबंधी व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा मकानीकरण का कार्य भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र भ्रमण कर मकानीकरण कार्य की गुणवत्ता, शुद्धता एवं समयबद्धता का सत्यापन किया तथा संबंधित कार्मिकों को जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत सभी गतिविधियां निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं तथा प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके सफल संपादन हेतु सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें।

सीएमओ पहुंचे गौशाला

पीलीभीत।विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीण कुमार त्यागी द्वारा गौशाला देवीपुरा पहुंचकर गौ वंशीय को स्नान कराकर माला पहनाकर व गुड व हरा चारा खिलाया गया। इस अवसर पर महिला गौ पालक को सम्मानित मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष 01 जून को विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वैश्विक खाद्य पदार्थ के रूप में दूध के महत्व को मान्यता दी जा सके और पोषण, आजीविका और सतत विकास में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र के योगदान का उजागर किया जा सके। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा वर्ष 2001 में स्थापित यह दिवस दूध के पोषण मूल्य और विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं में सहयोग देने में दुग्ध उत्पादकों की भूमिका के बारे जागरूकता फैलाता है।

बैंक के 45 लाख से अधिक बकाये पर बड़ी कार्रवाई, 2.296 हेक्टेयर भूमि कुर्क

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। आईडीबीआई बैंक के बकाया ऋण की वसूली को लेकर तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पलहरी स्थित एक भूखंड को कुर्क कर लिया है। उपजिलाधिकारी नवाबगंज के आदेश के अनुपालन में सोमवार को राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर कुर्की की कार्रवाई संपन्न कराई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम एवं पोस्ट पलहरी, थाना सफदरगंज निवासी बसीरुल निशा पत्नी गुलाम रसूल तथा मोहम्मद इरफान एवं मोहम्मद रिजवान पुत्रगण गुलाम रसूल पर आईडीबीआई बैंक का कुल ?45,45,684 बकाया है। बकाया धनराशि की वसूली के लिए तहसील प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी कर ऋण जमा करने का अवसर दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि में भुगतान न किए जाने पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाया। राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम पलहरी स्थित गाटा संख्या 2500, रकबा 2.2960 हेक्टेयर भूमि को कुर्क कर लिया। यह कार्रवाई तहसीलदार भूपेंद्र विक्रम सिंह द्वारा गठित टीम के माध्यम से संपन्न कराई गई। अभियान का नेतृत्व नायब तहसीलदार अंकिता पाण्डेय ने किया।

कार्रवाई के दौरान अमीन अभय प्रताप सिंह, उपेंद्र प्रताप सिंह, आशीष रस्तोगी, विजय किशोर सिंह और दीपक सिंह सहित अन्य राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

तहसीलदार भूपेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि बकाया धनराशि की वसूली के लिए अब कुर्क की गई भूमि की नियमानुसार नीलामी की जाएगी और प्राप्त धनराशि से बैंक का बकाया जमा कराया जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से अन्य बकायेदारों में भी हड़कंप मच गया है।

इस साल पूरे टूर्नामेंट में हमारा दबदबा रहा: पाटीदार

एजेंसी

अहमदाबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना दूसरा खिताब उस दिन जीता जब कप्तान रजत पाटीदार अपना 33वां जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन इस सुखद संयोग से भी कहीं अधिक वह प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरू से अंत तक के दबदबे से खुश थे। आरसीबी ने पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन किया। उसने अपने पहले मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को बुरी तरह हराया और अब नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। पाटीदार ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत दबाव था। इस साल टूर्नामेंट में हमारे प्रदर्शन की वजह से माहौल काफी शांत रहा। मुझे लगता है कि हमने न सिर्फ अच्छा खेल दिखाया, बल्कि इस साल हमने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने कहा, ''हमें पूरा भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हम निश्चित रूप से दूसरा खिताब जीतने में सफल रहेंगे। पाटीदार ने इसके साथ ही अन्य टीम को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा, ''यह सबसे अच्छा उपहार है क्योंकि आज (रविवार) मेरा जन्मदिन है। कुल मिलाकर अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं वर्तमान में जीने की कोशिश करता हूं। हमें इस बात पर अधिक ध्यान देना होगा कि हम लगातार तीसरी (खिताबी) जीत कैसे हासिल कर सकते हैं। पाटीदार ने आरसीबी की इस जीत में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में अहम भूमिका निभाई। मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने कहा कि कैसे उन्होंने चुपचाप आरसीबी का नेतृत्व किया, जो उनके पूर्ववर्ती कप्तानों विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की आक्रामक शैली से बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, ''कप्तानी का मेरा तरीका अलग है। मैं ज्यादा खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करता, लेकिन साथ ही खेल की स्थिति से भी पूरी तरह वाकिफ रहता हूं। मुझे प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों का भरपूर समर्थन मिला।

इस बार विजय जुलूस नहीं निकालेगा आरसीबी

अहमदाबाद, एक जून (भाषा) पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, ''बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, ''हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

सोच में बदलाव और युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी से मिली प्रेरणा सफलता का राज: कोहली

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने आईपीएल में अपना सबसे तेज अर्धशतक लगाने और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी ट्रॉफी दिलाने के बाद कहा कि टी20 प्रारूप में अपने खेल को नया रूप देने के लिए उन्हें अपनी सोच में बदलाव करना पड़ा और इस बीच युवा खिलाड़ियों ने भी उन्हें प्रेरित किया। कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान के खिलाफ शानदार छक्का लगाकर टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया। कोहली ने 42 गेंद में नौ चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलने के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये। उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा, ''यह वही पल है जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। कोहली ने कहा, ''मुझे पता था कि रन-चेज़ में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है। अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा, ''यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था, बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी। कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था। उन्होंने कहा, ''एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गए तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े मुकाबलों में यही अनुभव काम आता है। उन्होंने कहा, ''बड़े अवसरों पर बड़े खिलाड़ियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होती है। मुझे पता था कि लक्ष्य का पीछा करते समय विपक्षी टीम मुझे जल्दी आउट करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा था। मुझे विश्वास था कि हमारी चैंपियन टीम तीन-चार ओवर शेष रहते लक्ष्य हासिल कर सकती है। आरसीबी के प्रशंसकों की सराहना करते हुए कोहली ने कहा, ''हमारे लिए हर मैच घरेलू मुकाबले जैसा लगता है। हमारे 14 घरेलू मैच होते हैं, सिर्फ सात नहीं, क्योंकि प्रशंसक हर जगह हमारे साथ रहते हैं। यहां तक कि गुजरात टाइटंस के घरेलू मैदान पर भी करीब 90 प्रतिशत दर्शक हमारे समर्थन में थे। उन्होंने इससे पहले प्रसारकों से कहा कि मौजूदा आरसीबी टीम की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसमें कई मैच जिताने वाले खिलाड़ी मौजूद हैं और उन्हें हर बार अकेले आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभाने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा, ''हमें इस पल का बहुत लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। अब हमारे पास ऐसा समूह है जिसके साथ मैदान पर उतरते समय यह महसूस होता है कि हर बार आपको ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं उठानी है।

विश्व कप 2027 की तैयारी में जुटा वेस्टइंडीज शिमरॉन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी

एजेंसी

एंटिगुआ। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी वनडे श्रृंखला के लिए रविवार को टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज शिमरॉन हेटमायर की एक बार फिर वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ चोट से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने के लिए तैयार हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने स्पष्ट किया है कि हेटमायर को 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए टीम में दोबारा शामिल किया गया है। हेटमायर ने आखिरी बार जून 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच खेला था। इसके बाद वह पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई तीन वनडे श्रृंखलाओं से बाहर रहे थे। हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में हेटमायर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 248 रन बनाए थे। हालांकि आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और उन्होंने सात पारियों में सिर्फ 78 रन बनाए। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ पीठ की चोट से उबरकर टीम में लौटे हैं। वह जुलाई 2025 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते नजर आ सकते हैं। उनके साथ तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और जेडन सील्स भी टीम में शामिल हैं, जिनके कार्यभार पर विशेष नजर रखी जाएगी। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती की भी टीम में वापसी हुई है। वह पिछले साल न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा नहीं थे। न्यूजीलैंड दौरे वाली टीम से अलिक अथानाजे, जोहान लेन, खैरी पियरे और रोमारियो शेफर्ड को बाहर कर दिया गया है। वेस्टइंडीज इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में 10वें स्थान पर है और 2027 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की दौड़ में बना हुआ है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

इस साल मैंने खेल को परिस्थितियों के अनुसार ढालना सीखा: सूर्यवंशी

एजेंसी

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) का पुरस्कार जीतने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि इस सीजन उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करना और मैच की परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को ढालना सीखा है। रविवार देर रात आरसीबी और गुजरात के बीच खेले गए खिताबी मुकाबले के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में पुरस्कार जीतने के बाद प्रसारकों से बातचीत में वैभव ने कहा, ''इस सीजन मैंने दबाव में बल्लेबाजी करना सीखा है। मैंने यह भी सीखा है कि परिस्थितियों के अनुसार अपने खेल को कैसे बदला जाए। आप हर मैच में एक जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकते। आपको मैच की स्थिति को समझकर उसी के अनुसार खेलना होता है, खासकर प्लेऑफ जैसे बड़े मुकाबलों में। महज 15 वर्षीय वैभव ने आईपीएल

2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 776 रन बनाए। उन्होंने 48.50 की औसत और 237.31 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से रन बनाकर राजस्थान रॉयल्स को क्वालिफायर-2 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनके बल्ले से पांच अर्धशतक और एक शतक भी निकला। वैभव ने इस सीजन व्यक्तिगत पुरस्कारों पर भी अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन, सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन, ऑरेंज कैप और एमवीपी ऑफ द सीजन जैसे सभी प्रमुख सम्मान अपने नाम किए। सीजन के बाद अपनी आगे की योजनाओं पर बात करते हुए वैभव ने कहा कि वह अब अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा,''मुझे अपनी फिटनेस पर फोकस करना होगा क्योंकि मैं लंबे समय तक क्रिकेट खेलना चाहता हूं और चोटों से दूर रहना चाहता हूं। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के टीम प्रबंधन और सीनियर खिलाड़ियों का आभार जताते हुए कहा, ''सभी ने मेरा बहुत समर्थन किया है। टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है क्योंकि वे सभी उच्च स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। उनसे सीखने का मौका मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा है।

सूर्यवंशी को आयरलैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में होना चाहिए: एमएसके प्रसाद

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने वैभव सूर्यवंशी को 'अति प्रतिभाशाली' और 'टी20 क्रिकेट में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' करार देते हुए कहा कि इस महीने के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। प्रसाद ने पीटीआई से कहा, ''वह केवल असाधारण प्रतिभा ही नहीं हैं। वह टी20 क्रिकेट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्हें तुरंत ही भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारत ए के साथ श्रीलंका दौरे के बाद उन्हें आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना जा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह श्रीलंका में भारत ए की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्हें इंतजार करवाने का कोई मतलब नहीं होगा। वह जल्द ही भारत के लिए खेलेंगे और लंबे समय तक खेलते रहेंगे। प्रसाद ने इसके साथ ही कहा कि सूर्यवंशी अभी केवल 15 साल के हैं और उनको अच्छी तरह से संभालना बेहद जरूरी है।

प्रीमियर लीग: लिवरपूल को बड़ा झटका, इब्राहिमा कोनाते ने क्लब छोड़ने का फैसला किया

लिवरपूल। लिवरपूल एफसी ने रविवार को पुष्टि की कि उसके स्टार सेंटर-बैक इब्राहिमा कोनाते इस गर्मी में अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब छोड़ देंगे। क्लब और खिलाड़ी के बीच नए अनुबंध को लेकर बातचीत सफल नहीं हो सकी, जिसके चलते कोनाते ने अलग होने का फैसला किया। हालांकि पिछले महीने फ्रांस के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने भरोसा जताया था कि नए अनुबंध पर सहमति बन जाएगी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी। कोनाते के जाने से लिवरपूल को बड़ा झटका लगा है। वह इस सत्र क्लब छोड़ने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। इससे पहले मोहम्मद सलाह और एंडी रॉबर्टसन भी क्लब से अलग हो चुके हैं। 27 वर्षीय कोनाते ने वर्ष 2021 में लिवरपूल का दामन थामा था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्लब को प्रीमियर लीग, एफए कप और दो लीग कप खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आई मामूली कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,57,180 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की

आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,57,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,57,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,57,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है।

यूपीआई के जरिए मई में 29.9 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर हुआ लेनदेन

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) के जरिये लेन-देन मई महीने में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। गर्मियों में यात्रा और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्रभाव से इस दौरान कुल लेन-देन मूल्य 29.90 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया, जबकि संख्या 23.2 अरब रही। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार गर्मियों की यात्रा और आईपीएल के बुखार के चलते मई महीने में लोकप्रिय यूपीआई के जरिए होने वाले ट्रांजेक्शन (लेन-देन) रिकॉर्ड स्तर पर पहुच गया। एनपीसीआई के अनुसार मूल्य के हिसाब से यह 29.90 लाख करोड़ रुपये और संख्या (वॉल्यूम) के हिसाब से 23.2 अरब तक पहुच गया। पिछले वर्ष इसी महीने में यह 25.14 लाख करोड़ रुपये रहा था, जो सालाना आधार पर 19

फीसदी वृद्धि दर्शाता है। अप्रैल में लेन-देन का मूल्य 29.03 लाख करोड़ रुपये था। आंकड़ों के अनुसार संख्या के लिहाज से मई में 23.2 अरब लेन-देन के साथ नया रिकॉर्ड बना, जो पिछले वर्ष इसी अवधि के 18.67 अरब लेन-देन से 24 फीसदी अधिक है। अप्रैल 2026 में लेन-देन की संख्या 22.35 अरब थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की भुगतान प्रणाली रिपोर्ट के अनुसार यूपीआई के जरिए औसत लेन-देन का आकार 2021 में 1848 रुपये से घटकर 2025 में 1313 रुपये रह गया है, जो चिंता की बात नहीं, बल्कि परिपक्व होते तंत्र का संकेत है।

संक्षिप्त समाचार

नॉर्वे शतरंज: भारत के चारों खिलाड़ियों को मिली हार

ओस्लो। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग ले रहे चारों भारतीय खिलाड़ियों का छठे दौर में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन सभी को हार का सामना करना पड़ा। पिछले दौर में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विश्व चैंपियन डी गुकेश अपना विजय अभियान जारी नहीं रख पाए जबकि आर प्रज्ञाननंदा, दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी भी हार गए। भारतीय खिलाड़ियों को जहां निराशा हाथ लगी वहीं मौजूदा चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल में जीत दर्ज करके खुद को खिताब की दौड़ में शामिल कर दिया है। उन्होंने अलीरेजा फिरोजा को हराया। वेस्ली सो ने प्रज्ञाननंदा पर क्लासिकल गेम में जीत से पूरे तीन अंक हासिल करके अपने कुल अंकों की संख्या 11.5 पर पहुंचा दी है और वह एकल बढ़त पर पहुंच गए। प्रज्ञाननंदा इस हार के कारण छह खिलाड़ियों की तालिका में छह अंकों के साथ सबसे नीचे खिसक गए। विन्सेंट कीमर ने गुकेश (6.5 अंक) की गलतियों का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिससे उनके अंकों की संख्या आठ हो गई है। कार्लसन फिरोजा (10 अंक) पर जीत से 7.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख (8.5 अंक) चीन की पांच बार की विश्व चैंपियन जू वेनजुन (8 अंक) से क्लासिकल बाजी में हार से दूसरे स्थान पर खिसक गईं। वह हालांकि शीर्ष पर काबिज बिबिसारा असौबायेवा (9.5 अंक) से ज्यादा दूर नहीं हैं। असौबायेवा ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में कोनेरू हम्पी (5.5 अंक) को हराया।

आईजीपीएल राइजिंग स्टार्स गोल्फ में संयुक्त 12वें स्थान पर रहे कार्तिक

अल जदीदा (मोरक्को)। भारत के उभरते हुए गोल्फर कार्तिक सिंह ने यहां आईजीपीएल मोरक्को राइजिंग स्टार्स 2026 के अंतिम दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर संयुक्त 12वां स्थान हासिल किया। आखिरी नौ होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के बावजूद कार्तिक का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस बीच थाईलैंड के तानापत पिचैकूल ने बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी सिद्दीकुर रहमान को दो शॉट से हराकर खिताब जीता। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे दौर में आठ अंडर 64 के स्कोर के बाद दो शॉट की बढ़त बना ली थी। उन्होंने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को बरकरार रखा। उन्होंने कुल नौ अंडर का स्कोर बनाया।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 जून से रेपो रेट यथावत रहने की संभवाना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा पांच जून को नीतिगत निर्णय की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, आरबीआई मुंबई में आयोजित होने वाली की इस बैठक में पश्चिमी एशिया संकट और भू-राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति की चिंताओं तथा रुपये पर दबाव के कारण रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर यथावत रख सकता है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि एमपीसी से इस बार प्रमुख ब्याज दरों रेपो रेट में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं जताई जा रही है। बढ़ती ऊर्जा कीमतों, कमजोर होते रुपये और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान की वजह से आरबीआई अपने मुद्रास्फीति के अनुमान बढ़ा सकता है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल की मौद्रिक समीक्षा में आरबीआई ने पश्चिम एशिया संघर्ष के ऊर्जा आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक वृद्धि पर प्रभाव का आकलन के लिए 'देखो और इंतजार करो' का रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी अपरिवर्तित रखा था।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा की बिक्री मई में 18.9 प्रतिशत बढ़कर 12,310 इकाई

नयी दिल्ली। कृषि मशीनरी एवं निर्माण उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड की ट्रैक्टर बिक्री मई में 18.9 प्रतिशत बढ़कर 12,310 इकाई हो गई। मई 2025 में यह 10,354 इकाई थी। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले महीने घरेलू बिक्री 11,887 इकाई रही, जो मई 2025 की 9,703 इकाइयों की तुलना में 22.5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार, यह वृद्धि अनुकूल कृषि माहौल, जलाशयों में पर्याप्त पानी और ग्रामीण मांग के बने रहने से संभव हुई। हालांकि, निकट अवधि में उर्वरकों सहित कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी, कुछ नकदी फसलों के नरम दाम और बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियां ग्राहकों की खरीद क्षमता एवं कच्चे माल की उपलब्धता को प्रभावित कर सकती हैं। मई 2026 में कंपनी का निर्यात 35 प्रतिशत घटकर 423 ट्रैक्टर रह गया, जबकि मई 2025 में यह 651 ट्रैक्टर था।

जीएसटी राजस्व संग्रह मई में 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मई महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 3.2 फीसदी बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। पिछले साल मई में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1.88 लाख करोड़ रुपये रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने सोमवार को आंकड़ों में बताया कि जीएसटी राजस्व संग्रह में यह वृद्धि वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति में सुधार तथा आयात मिलने वाले कर संग्रह में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुई है। आंकड़ों के अनुसार मई के दौरान घरेलू लेन-देन से केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) संग्रह 37,397 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 45,143 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) 51,990 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में 26.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई, जो घरेलू मांग को दर्शाती है। सेवाओं

के क्षेत्र में यह वृद्धि 22.2 फीसदी रही है, जो घरेलू खपत की मजबूती को दिखाती है। इसी तरह आयात से आईजीएसटी संग्रह 19.1 फीसदी बढ़कर मई में 59,654 करोड़ रुपये हो गया, जो औद्योगिक क्षमता के विस्तार का संकेत है। इसके अलावा इस अवधि में जीएसटी 'रिफंड' 2.6 फीसदी बढ़कर 27,281 करोड़ रुपये हो गया। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद मई में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 3.3 फीसदी बढ़कर लगभग 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे पहले अप्रैल महीने में जीएसटी राजस्व संग्रह 8.7 फीसदी बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

फिर महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर घरेलू सिलेंडर के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। हालांकि कीमत में की गई ये वृद्धि सिर्फ 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर और पांच किलोग्राम वाले छोटू सिलेंडर तक ही सीमित है। घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये से लेकर 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। सिलेंडर की नई कीमत आज से ही लागू हो गई है। इससे पहले पिछले महीने की पहली तारीख यानी एक मई को कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगभग एक हजार

रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में ये बढ़ोतरी 993 रुपये की थी, जबकि कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 998.50 रुपये हो गई थी। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 990.50 रुपये महंगा हो गया था। कीमत में आज की गई बढ़ोतरी के बाद राजधानी दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत 3,113.50 रुपये और कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,255.50 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर आज सुबह से 3,063.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ कर 3,281.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की तरह ही छोटू सिलेंडर के नाम से मशहूर पांच किलोग्राम वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत में भी आज से 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इस बढ़ोतरी के बाद पांच किलोग्राम वाले एफटीएल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 821.50 रुपये से लेकर 832.50 रुपये तक हो गई है। जहां तक घरेलू इस्तेमाल में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की बात है, तो इसकी कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में आखिरी बार बदलाव इस साल सात मार्च 2026 को हुआ था।

भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ

दिव्यास्त्र मार्क-1 का भरोसेमंद प्रदर्शन, जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान में मोबाइल लॉन्चर से किया गया परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। अब भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरूरतों को देखते हुए लॉन्ग रेंज ड्रोन विकसित करने की कोशिशों में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत के स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डिफेंस स्टार्टअप कंपनी होवरइट ने दिव्यास्त्र मार्क-1 विकसित करके सफल परीक्षण भी कर लिया है। राजस्थान के जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान और तेज हवाओं में टेस्ट किए जाने पर इस प्लेटफ़ॉर्म ने मुश्किल फील्ड स्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन दिखाया।

कंपनी के अनुसार दिव्यास्त्र मार्क-1 ने अपने ऑपरेशनल प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसमें वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई लॉन्च, लाइव आईएसआर मिशन और टर्मिनल अटैक प्रोफाइल शामिल थे। इस प्रदर्शन के हिस्से के तौर पर दिव्यास्त्र मार्क-1 यूएवी को एक वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई बार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इससे प्लेटफॉर्म की तेजी से तैनात होने की क्षमता, युद्ध के मैदान में गतिशीलता और जमीनी हालात में टैक्टिकल लॉन्च की तैयारी का प्रदर्शन हुआ। इस अभ्यास ने ऑपरेशनल माहौल में गतिशील आईएसआर और टोही मिशनों में मदद करने की यूएवी की क्षमता को भी और पुख्ता किया।

दिव्यास्त्र मार्क-1 स्वदेशी टैक्टिकल यूएवी है, जिसे खुफिया जानकारी, निगरानी, टोही और सटीक हमले के मिशनों के लिए विकसित किया गया है। 500 किलोमीटर तक की ऑपरेशनल रेंज और 5 घंटे तक की उड़ान क्षमता के साथ इस प्लेटफॉर्म को लंबे समय तक निगरानी, लक्ष्य की पहचान और टैक्टिकल कार्रवाई की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस यूएवी को पेलोड, संचार रिले सिस्टम और मिशन-विशिष्ट वॉरहेड कॉन्फ़िगरेशन

के साथ कॉन्फ़िगर किया जा सकता है, जिससे यह अलग-अलग तरह के मिशनों में ऑपरेशनल किया जा सकता है।

'दिव्यास्त्र' नाम से भारत में दो प्रमुख और अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियां विकसित की गई हैं। एक मिशन दिव्यास्त्र (मिसाइल) है और दूसरी दिव्यास्त्र मार्क-1' लड़ाकू ड्रोन-लोइटरिंग म्यूनिशन है। इसे भारत में ही डिजाइन, विकसित और इंटीग्रेट किया गया है। यह एक स्वदेशी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित 'लोइटरिंग म्यूनिशन' प्रणाली है। यह प्रणाली भारतीय सेना के लिए रक्षा तैयारियों में एक बड़ा गेम-चेंजर मानी जा रही है। इसे लंबी दूरी की सटीक निगरानी, सामरिक हमलों और दुश्मन की वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसमें 'एआई और स्वार्म' तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जिससे कई ड्रोन एक साथ मिलकर दुश्मन के ठिकानों पर स्वायत्त रूप से सटीक हमला कर सकते हैं। यह हवा में लगातार 5 घंटे तक मंडराने में सक्षम है। यह ड्रोन 15 किलोग्राम तक का वॉरहेड (विस्फोटक) ले जा सकता है।ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही भारत ने लंबी दूरी के हमलावर ड्रोन विकसित करने का काम तेज कर दिया था। इस काम में निजी क्षेत्र की मेहनत रंग लाने लगी है। लखनऊ स्थित रक्षा स्टार्टअप होवरइट ने 'दिव्यास्त्र' ड्रोन विकसित करने की योजना की घोषणा की है।

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार, 35 नये मंत्री शामिल

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने सोमवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार कर 35 नये मंत्रियों को शामिल किया है। इसके साथ ही मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री समेत मंत्रियों की कुल संख्या 41 हो गयी है।

विधानसभा चुनाव में पहली बार भारी बहुमत से जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नौ मई को राज्य में सरकार गठित की थी। उस दिन श्री अधिकारी ने यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों श्री दिलीप घोष, सुश्री अग्निमित्रा पॉल, श्री अशोक कीर्तिनया, श्री खुदीराम टुडू और श्री निसिथ प्रमाणिक ने भी शपथ ली थी।

राज्यपाल आर. एन. रवि ने आज पूर्वाह्न 35 नये मंत्रियों को लोक भवन में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इनमें 13 कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री बनाये गये हैं।

शपथ लेने वालों में श्री तापस रॉय (मानिकतला), श्री दीपक बर्मन (फालाकाटा), श्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय (सूरी), श्री शरद्वत मुखोपाध्याय (राजारहाट-न्यू टाउन), श्री स्वपन दासगुप्ता (रासबिहारी), श्री सजल घोष (बारानगर), श्री शंकर घोष (सिलीगुड़ी), श्री अर्जुन सिंह (नोआपारा), श्री अशोक डिंडा (मयना), श्री इंद्रनील खान (बेहाला पश्चिम), सुश्री मालती रावा रॉय (तूफानगंज) और श्री राजेश महतो (गोपीबल्लभपुर) के साथ कई अन्य विधायक शामिल हैं। औसग्राम की सुश्री कलिता माझी और कंदी की सुश्री गार्गी घोष दास ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

कैबिनेट मंत्रियों में श्री दीपक बर्मन, श्री तापस रॉय, श्री शंकर घोष, श्री मनोज उरांव, श्री अर्जुन सिंह, श्री गौरीशंकर घोष, श्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, श्री स्वपन दासगुप्ता, श्री कल्याण चक्रवर्ती, श्री दूधकुमार मंडल, श्री अजय पोद्दार ,श्री सजल घोष और श्री अरूप कुमार दास शामिल हैं। श्री इंद्रनील खान, सुश्री मालती रावा रॉय और राजेश महतो को स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री का दर्ज़ा दिया गया है।

राज्य मंत्रियों में श्री जुएल मुर्मू, श्री हरेकृष्ण बेरा, श्री आनंदमय बर्मन, श्री अशोक डिंडा, श्री नादियाचंद बाउरी, श्री बिशाल लामा, श्री दिवाकर घरामी, श्री शांतनु प्रमाणिक, सुश्री पूर्णिमा चक्रवर्ती, सुश्री मौमिता बिस्वास मिश्रा, सुश्री गार्गी घोष दास, श्री उमेश राय, श्री कौशिक चौधरी, श्री भास्कर भट्टाचार्य, सुश्री कलिता माझी, श्री बिराज बिस्वास, श्री दीपांकर जेना, सुश्री सुमाना सरकार और सुश्री अमिया किस्कू शामिल हैं।

भाजपा ने राज्य विधानसभा की 294 सीटों में से 208 सीटों पर जीत हासिल की थी। श्री अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केन्द्रीय मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के शासन वाले राज्यों के मुख्यमंत्री तथा अन्य नेता शामिल हुए थे।

नागेंद्र नाथ त्रिपाठी बने भाजपा के राष्ट्रीय संगठक

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सांगठनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए श्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने श्री त्रिपाठी को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि उनका केंद्र दिल्ली होगा और यह नियुक्त तत्काल रूप से प्रभावी होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पृष्ठभूमि से आने वाले श्री त्रिपाठी को लंबे समय तक पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करने का काम करने का अनुभव प्राप्त है। वह बिहार-झारखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। इससे पहले वह करीब आठ वर्षों तक उत्तर प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री भी रह चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले (तत्कालीन बस्ती) के बेलौली गांव में किसान परिवार में चार जनवरी 1955 को श्री त्रिपाठी का जन्म हुआ था। श्री गिरिजा पति त्रिपाठी और श्रीमती गणेशा देवी के बच्चों में वह सबसे बड़े हैं। वह स्कूली शिक्षा के दौरान बस्ती में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्क में आ गये थे। संघ में लंबे समय तक सक्रिय रहने के दौरान उन्होंने प्रचारक के रूप में काम किया और युवाओं के बीच वैचारिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूत किया

श्री त्रिपाठी ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) में भी अहम जिम्मेदारियां निभाईं, जहां उनकी पहचान एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में बनी।

शिक्षा को कारोबार बनाना सभी बुराइयों का आधार : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कंग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर उसकी गलतियों के लिये छात्रों से शुल्क वसूली को लूट करार देते हुए कहा है कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय कारोबार बना दिया जाता है तो उससे अनेक बुराइयां जन्म लेना शुरू कर देती हैं।

श्री गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, ''सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आएं तो उसकी कीमत छात्रों को चुकानी पड़ती है। डिजिटल स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए अलग-अलग शुल्क देना पड़ता है। अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए एक छात्र को हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियों का बोझ छात्रों पर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि गलती सीबीएसई करती है और इसकी सज़ा बच्चे को मिलती है।

'महा ऑन वाटर' कार्यक्रम शुरु, इसरो से एमओयू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल सुरक्षा और जल संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'मिशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ हाई-इम्पैक्ट एरियाज फॉर वॉटर' (महा ऑन वाटर) कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) संयुक्त रूप से 200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

जल शक्ति मंत्रालय ने सोमवार को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी और वी सोमन्ना भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में

स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद एवं प्रोटोटाइप विकास के लिए कंपनियों और स्टार्टअप्स को आमंत्रित भी किया गया है। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और इसरो के बीच उपग्रह आधारित जल अनुसंधान, जल गुणवत्ता निगरानी, नदी प्रवाह विश्लेषण तथा जल संरक्षण तकनीकों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'महा ऑन वॉटर' (जल के लिए उच्च-प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति का मिशन) की शुरुआत थी। यह जल शक्ति मंत्रालय और एएनआरएफ की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल, जलवायु अनुकूलन और जल-उपयोग दक्षता जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत अनुसंधान प्रस्तावों के लिए 'ओपन कॉल' (खुला आमंत्रण) दिया गया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल को भारत की सभ्यता की आधारशिला बताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन देश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रीय जल मिशन के तहत देशभर में 300 से अधिक अनुसंधान इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिनमें से 100 से अधिक को विशेष सहायता प्राप्त है। उन्होंने जल संरक्षण अभियान 'जल संचय' की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जून 2025 से शुरू हुए अभियान में पहले वर्ष में 10 लाख जल संरचनाओं का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जनभागीदारी से 27 लाख से अधिक संरचनाएं तैयार की गईं। अगले चरण में निर्धारित 1 करोड़ संरचनाओं का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा कर लिया गया है और अब इसे बढ़ाकर 2 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की और बताया कि वर्तमान में 20 विभिन्न डिजाइनों पर जल संरक्षण कार्य किया जा रहा है।

कार्यशाला में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास केवल सरकार की नहीं बल्कि पूरे देश की साझा जिम्मेदारी है, जिसमें निजी क्षेत्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में इसमें कई गुना वृद्धि की संभावना है। उपग्रह तकनीक का उपयोग अब जनकल्याणकारी योजनाओं में व्यापक रूप से किया जा रहा है और इसरो की विशेषज्ञता अन्य मंत्रालयों के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है।

पेज एक का शेष

गाय राष्ट्र माता...

हमारे सारे संस्कार गंगा के सानिध्य में ही संपन्न होते हैं। क्या यह कोई बताने की आवश्यकता है की गंगा हमारी मां है। मुख्यमंत्री ने कट्टरपंथियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पाकिस्तान से आए विस्थापितों के बारे में आज तक किसी मौलवी ने कोई भी आवाज नहीं उठाई, जबकि कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान में हिन्दुओं की संपत्तियों पर कब्जा किया। यहां हिंदुस्तान में भी वक्फ के नाम पर संपत्ति पर कब्जा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 6 महीने पहले बांग्लादेश में हिंदुओं का कतलेआम किया गया, पर हमारे देश के किसी मौलवी ने कोई आवाज नहीं उठायी। आज बांग्लादेश में हिन्दू 22 से घटकर केवल 7 फीसदी रह गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में 14 से घटकर मात्र दो प्रतिशत रह गया यह मौलवी कभी भी बांग्लादेश-पाकिस्तान की कोई निंदा नहीं करते। मुख्यमंत्री ने सरकार की सजगता को भी बताते हुए कहा कि हम पहले से ही माहौल देखकर सतर्क है। इसीलिए रामनवमी, शिवरात्रि, होली व दिवाली जैसे पर्व शांतिपूर्वक मनाये जा रहे हैं, अन्यथा पहले दुर्गा पूजा, कांवड़ यात्रा सपना जैसे हो गए थे। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि उनके शासन में बेटी स्कूल –कॉलेज नहीं जा पा रही थीं और व्यापारी भी सुरक्षित नहीं थे। मुख्यमंत्री योगी ने हाल ही में गाजियाबाद मर्डर का उल्लेख करते हुए कहा कि आपने दोस्ती का माहौल देख लिया होगा कि दोस्ती की आड़ में कैसे खत्म किया जाता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह को श्रेय देते हुए कहा कि उन्होंने बांग्लादेश, अफगानिस्तान , नेपाल और पाकिस्तान से आए विस्थापित हिंदुओं, बौद्धों व सिखों को यहां का नागरिक अधिकार देने का बिल पास कराया। फलस्वरुप आज हम ऐसे लोगों को भी कानूनी रूप से कृषि भूमि का मालिकाना हक दे पा रहे हैं। इस कानून को बनाए जाने के समय कंग्रेस ने इसका विरोध किया था, पर वहीं कंग्रेस बांग्लादेशी घुसपैठिये को यहां बसने के लिए जोर लगाती है। भारत का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग के साथ यह गलबाहियां करके चुनाव लड़ते हैं । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और स्वयं सहायता समूहों से जुड़े लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, डेमो चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए। विभिन्न विभागों के चयनित 11 प्रेरणादायी लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के संचालित विदुर प्रेरणा कैफ़े सहित अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह, जनपद के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ,विधायक सुशांत सिंह, विधायक अशोक राणा, विधायक सुचि चौधरी, विधायक ओम कुमार, पूर्व सांसद भारतेन्द्र सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि समेत सभी बड़े नेता उपस्थित रहे।

गोल्फ चौराहे पर...

करने का ढोंग कर रहे थे। चारों आरोपियों के अलावा वीडियो बनाने वाले उनके साथियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, आत्मदाह के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मुकेश, ज्ञानेंद्र, नितिन और अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें जेल भेजा जा रहा है। उनके साथियों की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है। सोमवार दोपहर चारों के आत्मदाह के प्रयास का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वायरल वीडियो के अनुसार चारों खुद पर पेट्रोल उड़ेल रहे हैं। पेट्रोल उड़ेलने के दौरान अपने साथियों से बोल रहे हैं कि वीडियो बनाओ ठीक से। पेट्रोल उड़ेलने के बाद साथी से माचिस मांग रहे हैं। थाना प्रभारी गौतमपल्ली के मुताबिक प्राथमिक जांच में पता चला है कि साजिश के तहत उक्त लोग दबाव बनाने के लिए आत्मदाह के प्रयास का ढोंग कर रहे थे।

जून के बिजली बिल...

जून के बिजली बिल में करीब दो फीसदी तक की अतिरिक्त राहत मिल सकती है। उपभोक्ता परिषद ने इसे उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण फैसला बताया है। अब सभी की नजरें उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के जवाब और नियामक आयोग के अंतिम निर्णय पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि उपभोक्ताओं से अतिरिक्त वसूली की जा सकेगी या नहीं। आपको बता दें कि पावर कॉरपोरेशन ने हर महीने लगने वाले ईंधन अधिभार शुल्क की अधिकतम सीमा यानी, 10 फीसदी की वसूली के आदेश जारी किए हैं। गर्मी के मौसम में बिजली संकट से जूझ रही जनता पर इस अतिरिक्त वसूली के आदेश पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शनिवार देर शाम पावर कॉरपोरेशन ने इस 10 फीसदी वसूली के आदेश पर स्पष्टीकरण दिया था कि अपीलीय अधिकरण (अप्टेल) के कुछ आदेशों के अनुपालन में पुराने बकाये का भुगतान किया गया, जिसे ईंधन अधिभार शुल्क में शामिल करने से यह बढ़कर 10 फीसदी हो गया है। जब ईंधन अधिभार शुल्क संबंधी कानून बनाया गया था, तब भी उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में इस पर आपत्ति दर्ज की थी। परिषद ने कहा था कि बिजली कंपनियों को मनमाने तरीके से शुल्क लगाने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। यह आपत्ति आयोग के रिकॉर्ड में दर्ज है। उपभोक्ता परिषद सोमवार को दाखिल होने वाली लोक महत्व याचिका में इस आपत्ति का भी हवाला देगा। अवधेश ने कहा कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 51 हजार करोड़ रुपये बकाया है। ऐसे में अतिरिक्त वसूली पूरी तरह अनुचित है।

नर्सिंग प्रवेश परीक्षा...

के 20 जिलों में 307 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 11 बजे से दोपहर 1.20 बजे तक प्रवेश परीक्षा होगी। डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि सीनेट परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिला प्रशासन, पुलिस, साइबर सेल, एसटीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का पूरा सहयोग लिया जा रहा है। खुफिया विभाग को भी लगातार निगरानी रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। जिम्मेदार अधिकारी परीक्षा से पहले केंद्रों का जायजा लेंगे। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि परीक्षा से जुड़ी किसी भी अफवाह, फर्जी सूचना, पेपर लीक की भ्रामक खबर या सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले भ्रामक संदेशों को गंभीरता से लिया जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी की जा रही है। अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक प्रचार से दूर रहें। इन जिलों में होगी प्रवेश परीक्षा : आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़, बांदा, बरेली, बस्ती, गाजियाबाद, गोंडा, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, मिर्ज़ापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर, वाराणसी व गौतमबुद्ध नगर शामिल हैं।

ड्रोन गिराए जाने के...

द्वारा जारी बयान में, गार्ड ने कहा कि अमेरिकी सेना ने दूरसंचार टावर को निशाना बनाया था। कुवैत में ही अमेरिकी सेना का 'सेंट्रल कमांड' स्थित है, जो सेना का मध्य-पूर्व क्षेत्र के लिए अग्रिम कमान केंद्र है। मिसाइल पर स्टीकर, ट्रंप को घायल हालत में दिखाया हमले के बाद, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च का फुटेज भी शेयर किया। इस फुटेज में क्लोज-अप कर मिसाइल की बॉडी पर लगा स्टिकर दिखाया गया, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चोटिल हालत में थे और उनके पीछे बंद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बना हुआ था। इस पर कैप्शन लिखा था, जब तक आखिरी अमेरिकी सैनिक इस इलाके से चला नहीं जाता। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि ईरान सच में अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए अच्छी डील होगी। अमेरिकी सेना के ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले के पोस्ट के कुछ ही घंटों के बाद ट्रंप ने यह बयान दिया। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर कहा, ईरान सच में एक डील करना चाहता है, और यह अमेरिका और हमारे साथ खड़े लोगों के लिए एक अच्छी डील होगी। ट्रंप ने यह भी कहा कि इस संघर्ष को लेकर हो रही तमाम राजनीतिक टीका-टिप्पणियों के चलते उनके लिए ईरान के साथ बातचीत करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, मेरे लिए अपना काम ठीक से करना और बातचीत करना बहुत ज़्यादा मुश्किल हो जाता है, जब राजनीतिक टीकाकार लगातार नकारात्मक बातें करते हैं। जैसे कि मुझे और तेजी से आगे बढ़ना चाहिए, या धीरे चलना चाहिए, या युद्ध करना चाहिए, या युद्ध नहीं करना चाहिए..। ट्रंप ने कहा बस आराम से बैठिए और निश्चिंत रहिए, अंत में सब कुछ ठीक हो जाएगा, हमेशा ऐसा ही होता है। उधर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने सोमवार को एक बार फिर अमेरिका पर लगातार अपनी स्थिति बदलने का आरोप लगाया। बगाई ने साप्ताहिक ब्रिफिंग में पत्रकारों से कहा, शुरू से ही हम जानते थे, और अब भी जानते हैं कि हम अविश्वास के माहौल में बातचीत कर रहे हैं। थ्याई ने कहा, गंभीर शक और अविश्वास के बीच बातचीत शुरू हुई है। इसी माहौल में संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है। दूसरी पार्टी लगातार अपने विचार बदल रही है और नई या अलग-अलग मांगें रख रही है। यह स्वाभाविक है कि इस स्थिति से बातचीत लंबी खिंचेगी। बगाई ने कहा कि, लेबनान में संघर्ष विराम, युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से किए जाने वाले किसी भी समझौते के लिए एक अनिवार्य शर्त है। उन्होंने आगे कहा कि तेहरान लेबनान समेत इस इलाके में इजरायली कार्रवाइयों को अमेरिका से अलग न किया जा सकने वाला मानता है। बगाई ने यह भी कहा कि फिलहाल तेहरान के परमाणु कार्यक्रम के विवरण को लेकर अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है। हम जानते हैं कि परमाणु मामलों पर कब कार्रवाई करना जरूरी है। परमाणु फाइल के विवरण पर कोई बातचीत नहीं हुई है। इस चरण में, हमारी प्राथमिकता युद्ध को समाप्त करना है।

नीट परीक्षा : फिलहाल...

उन्होंने टिप्पणी की कि इस तरह की राहत देने का 'कोई सवाल ही नहीं उठता', विशेषकर तब जब अधिकारी पहले ही पिछली परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा आयोजित करने की साजो-सामान संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब याचिकाकर्ता के वकील ने एक बार फिर कहा कि वह केवल सीबीटी से जुड़ी मांग पर ही जोर दे रहे हैं, तो पीठ ने संकेत दिया कि वह इस मुद्दे पर तुरंत विचार करने के पक्ष में नहीं है और इसके बाद मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

साइबर सुरक्षा के लिए...

प्रभावी फॉलो-अप के परिणामस्वरूप भारत सरकार के पोर्टल, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/पोर्टल और आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों एवं लम्बित प्रकरणों में सम्मिलित रूप से 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था की प्राथमिकता के दृष्टिगत उपरोक्त अवधि में प्रदेश में सभी प्रमुख आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया गया। प्रयागराज में आयोजित माघ मेला 2026 लगभग 22 करोड़ श्रद्धालुओं की उपस्थिति के साथ सकुशल सम्पन्न हुआ। दीपावली, होली, ईद तथा विभिन्न धार्मिक जुलूसों एवं आयोजनों को बिना किसी गंभीर घटना के शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया गया। लगातार निगरानी, समयबद्ध समीक्षा और अद्यतन आकस्मिक योजनाओं के कारण पूरी अवधि में प्रदेश में कोई साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश की प्राथमिकता के अनुरूप साइबर अपराधों पर सख्त नियंत्रण करने के लिए लखनऊ के कल्ली पश्चिम में समर्पित साइबर क्राइम कॉल सेंटर स्थापित किया गया। इसकी क्षमता 20 सीटों से बढ़ाकर 80 सीटों तक की गई है और इसे आगे 200 सीटों तक विस्तारित किए जाने की योजना है। राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर कुल 400.66 करोड़ रुपये की धनराशि फ्रीज कराई गई। इसके अतिरिक्त 1.11 लाख मोबाइल नंबर तथा 1.22 लाख आईएमईआई ब्लॉक कराए गए। प्रतिबिंब पोर्टल और सीआईएआर अनुपालन में उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें सीआईएआर अनुपालन 91 प्रतिशत रहा। साइबर प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर रहा। ऋ४ए एभड्ढन्थद्ध पोर्टल के माध्यम से 65,608 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया तथा 84,705 प्रमाणपत्र जारी किए गए। प्रत्येक जोन स्तर पर साइबर कमांडो की तैनाती की गई। साइबर फ्रॉड में धनराशि को तत्काल रोकने के लिए साइबर धोखाधड़ी शमन केंद्र (सीएफएमसी) को संचालित किया गया, जिससे बैंकों के बीच त्वरित लियन/फ्रीज कार्रवाई संभव हुई। इसके परिणामस्वरूप साइबर फ्रॉड की धनराशि पर लियन प्रतिशत लगभग 18 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया। अपराध, अपराधियों और बीट पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए यक्ष एप की परिकल्पना की गई। इस ऐप का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दिसम्बर 2025 में किया था। इस ऐप के माध्यम से फरार अपराधियों की पहचान और ट्रैकिंग, जटिल आपराधिक मामलों के खुलासे, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी और फील्ड स्तर पर जवाबदेही को मजबूत करने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण ढांचे को आधुनिक, परिणाम-केंद्रित और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप बनाया गया। 60 हजार से अधिक नव-आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही नाइन ट्रेनिंग आफ ट्रेनर्स कार्यक्रमों के माध्यम से 412 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए गए। नई न्याय संहिताओं–बीएनएस,बीएनएसएस और बीएसए पर 27 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण व्यवस्था में पारंपरिक पुलिसिंग कौशलों के साथ-साथ तकनीक, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, डिजिटल फ्रॉड, डेटा एनालिटिक्स और आधुनिक जांच पद्धतियों को भी शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के कल्याण तंत्र को कई स्तरों पर सुदृढ़ किया गया। पुलिस सैलरी पैकेज के नवीनीकरण के अंतर्गत 76 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को कुल 137 करोड़ रुपये तथा 11 दिव्यांग पुलिस कर्मियों को 2.36 करोड़ रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा पर दिए गए विशेष बल के क्रम में एक जनवरी 2026 से प्रदेश के सभी 7 पुलिस कमिश्नरेट और 68 जनपदों में जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेएफड) योजना शुरू की गई। इसके अंतर्गत 487 अत्यधिक दुर्घटना-प्रवण थाना क्षेत्रों को चिन्हित किया गया और आधुनिक इनफोर्समेंट डिवाइस से युक्त 573 क्रैश कंट्रोल टीम तैनात की गईं। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से वर्ष 2026 की प्रथम तिमाही में वर्ष 2025 की तुलना में दुर्घटनाओं में 7.43 प्रतिशत, मृत्यु में 11.55 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 8.05 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। 88 मैनोटोरिंग यूनिट्स में से 66 यूनिट्स अर्थात 75 प्रतिशत में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों में गिरावट आई। प्रथम तिमाही में इस पहल से लगभग 450 सड़क दुर्घटना संबंधी मौतों को रोका गया, अर्थात प्रतिदिन लगभग पांच लोगों की जान बचाई जा सकी। इसी अवधि में 506 दुर्घटनाओं की कमी भी दर्ज की गई।

'नवीन मंत्र' से उत्तराखंड भाजपा का मनोबल ऊंचा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के 'नवीन मंत्र' से उत्तराखंड में पार्टी का मनोबल ऊंचा है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जीत की हैट्रिक के लिए भाजपा के प्रयास अब और गति पकड़ेंगे। उत्तराखंड भाजपा ऐसे मौके पर वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव को भी याद कर रही है, जबकि उसने सत्ता में वापसी से जुड़े मिथक को तोड़ दिया था। पार्टी के आंतरिक सर्वे की रिपोर्ट और चुनावी तैयारियों में बढ़त उत्तराखंड भाजपा को संजीवनी दे रही है। अपेक्षाकृत नए होने के बावजूद नितिन नवीन ने उत्तराखंड में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान जिस सांगठनिक क्षमता का परिचय दिया है, वह कमाल का है। उत्तराखंड से संबंधित कोई

सांगठनिक दायित्व नितिन नवीन पर पहले कभी नहीं रहा। वह निजी यात्राओं पर उत्तराखंड आते रहे हैं, लेकिन संगठन के किसी कार्यक्रम में उनका आना नहीं रहा। बावजूद इसके, अलग-अलग बैठकों में जिस तरह से बूथवार उन्होंने अपनी क्षमता साबित की, उससे हर कोई प्रभावित हुआ । वह जिम्मेदार पदाधिकारियों से लेकर सामान्य कार्यकर्ताओं से बेहदआत्मीय ढंग से पेश आए, लेकिन संगठन की मजबूती के लिए खरी बात करने से भी नहीं चूके। नितिन नवीन के नवीन मंत्रों में खामियों को दूर करने, बेहतर समन्वय बनाने और दृढ़ इच्छा शक्ति के सहारे जीत का परचम फहराने की बातें शामिल हैं। भाजपा ने अपने चिर-परिचित अंदाज में इस बार भी चुनाव पूर्व आंतरिक सर्वे कराया है। सूत्रों के अनुसार-कुछ दिन पूर्व कराए गए इस सर्वे की रिपोर्ट से भाजपा उत्साहित है, क्योंकि इससे अनुसार पार्टी की हैट्रिक में कोई खास अड़चन नहीं है। हालांकि इस सर्वे रिपोर्ट में भाजपा के एक दर्जन सिटिंग विधायकों के प्रदर्शन को खराब बताया गया है। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण से पहले पार्टी फिर से सर्वे का सहारा लेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में वर्ष 2022 के चुनाव में भाजपा ने सत्ता में वापसी करके इतिहास रचा था। इससे पहले, राज्य के इतिहास में कोई भी सत्तारूढ़ दल वापसी नहीं कर पाया था। एंटी इनकंबेंसी का डर तब भाजपा को सता रहा था, लेकिन पार्टी ने इस डर से उबरकर जीत हासिल की और सत्ता में वापसी से जुड़े मिथक को भी तोड़ दिया। इन पांच वर्षों में समान नागरिक संहिता लागू करने से लेकर कई अन्य ऐसे मामले रहे हैं, जिससे पूरे देश में उत्तराखंड सुर्खियों में रहा। कुछ एक मामलों में सरकार को विरोध झेलना पड़ा है, लेकिन फिर भी एंटी इनकंबेंसी की प्रचंडता कहीं दिखाई नहीं देती। इसके अलावा, चुनावी तैयारियों में भाजपा प्रमुख विरोधी दल कांग्रेस के मुकाबले कहीं आगे बना हुआ है। ये सारी बातें भाजपा के लिए किसी खुराक से कम नहीं हैं। नितिन नवीन के दौरे ने उत्तराखंड भाजपा के मनोबल को नवीन ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

नारायणा विहार में दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की नई शाखा का भव्य उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। आध्यात्मिक एवं सामाजिक जागरण के लिए समर्पित दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने दिल्ली के नारायणा विहार क्षेत्र में अपनी नई शाखा का भव्य शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-यज्ञ और सत्संग के साथ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रतिनिधियों ने बताया कि नई शाखा का उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना, युवाओं को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना तथा ब्रह्मज्ञान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि संस्थान वर्षों से मानवता, सेवा और आत्मिक उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

समारोह के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति-गीतों और आध्यात्मिक प्रवचनों का आनंद लिया। वक्ताओं ने वर्तमान समय में आध्यात्मिकता की आवश्यकता पर बल देते

हुए कहा कि आंतरिक शांति और सकारात्मक सोच के माध्यम से ही व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकता है। नई शाखा के शुभारंभ पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और स्थानीय निवासियों ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन विश्व शांति, मानव कल्याण और राष्ट्र की समृद्धि की कामना के साथ हुआ। संस्थान के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह नई शाखा क्षेत्र में आध्यात्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगी तथा लोगों को सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करेगी।

पंजाब : लुधियाना में गैस लीक से तीन की मौत व दो की हालत गंभीर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में रविवार की रात एक फैक्टरी में गैस लीक होने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्यों की हालत गंभीर बनी हुई है। इस घटना के बारे में पुलिस तथा सिविल प्रशासन को सोमवार की सुबह करीब 10 बजे सूचित किया गया। इसके बाद पुलिस तथा सिविल प्रशासन के अधिकारी फायर ब्रिगेड व एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंच गए। एफएसएल टीमों की रिपोर्ट के आधार पर गैस रिसाव का कारण पता लगाया जा रहा है। बताया गया कि लुधियाना में चाबी-पाने बनाने वाली एक कंपनी में सामान्य की भांति काम चल रहा था। बीती रात यहां अचानक पाइपलाइन से गैस का रिसाव शुरू हो गया। गैस का असर इतना तेज था कि वहां मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। दम घुटने और आंखों में तेज जलन के कारण कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर ही जमीन पर गिर पड़े। इस अफरा-तफरी में उद्योग में काम करने वाले मान सिंह और उनके बेटे अमित के अलावा एक अन्य कारीगर श्रीराम की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मान सिंह और अमित मशीन के नीचे निकलने वाली मिट्टी को ट्रॉली में भरने के लिए गए थे। इसी दौरान वे हादसे की चपेट में आ गए। एसडीएम जसलीन भुल्लर के अनुसार तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और दो घायलों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि एफएसएल टीमों की रिपोर्ट के आधार पर घटना के वास्तविक कारणों का पता लगेगा। एसडीएम के अनुसार यह फैक्टरी दीप टूल्स आरके रोड पर स्थित है। फिलहाल कंपनी को सील कर दिया गया है। अभी यह पता नहीं चला कि गैस कौन सी है। देखने में यह जरूर लग रहा है कि फैक्टरी के अंदर एक टैंक है। जहां पर कुछ केमिकल या अन्य चीजें स्टोर की गई हैं।

जल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 'महा ऑन वाटर' कार्यक्रम शुरु, इसरो से एमओयू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। देश में जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल सुरक्षा और जल संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'मिशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ हाई-इम्पैक्ट एरियाज फॉर वॉटर' (महा ऑन वाटर) कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) संयुक्त रूप से 200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। जल शक्ति मंत्रालय ने सोमवार को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी और वी सोमन्ना भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए

उत्पाद एवं प्रोटोटाइप विकास के लिए कंपनियों और स्टार्टअप्स को आमंत्रित भी किया गया है। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और इसरो के बीच उपग्रह आधारित जल अनुसंधान, जल गुणवत्ता निगरानी, नदी प्रवाह विश्लेषण तथा जल संरक्षण तकनीकों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'महा ऑन वॉटर' (जल के लिए उच्च-प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति का मिशन) की शुरुआत थी। यह जल शक्ति मंत्रालय और एएनआरएफ की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल, जलवायु अनुकूलन और जल-उपयोग दक्षता जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत अनुसंधान प्रस्तावों के लिए 'ओपन कॉल' (खुला आमंत्रण) दिया गया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल को भारत की सभ्यता की आधारशिला बताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन देश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रीय जल मिशन के तहत देशभर में 300 से अधिक अनुसंधान इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिनमें से 100 से अधिक को विशेष सहायता प्राप्त है। उन्होंने जल संरक्षण अभियान 'जल संचय' की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि जून 2025 से शुरू हुए अभियान में पहले वर्ष में 10 लाख जल संरचनाओं का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जनभागीदारी से 27 लाख से अधिक संरचनाएं तैयार की गईं। अगले चरण में निर्धारित 1 करोड़ संरचनाओं का लक्ष्य समय से पहले ही पूरा कर लिया गया है और अब इसे बढ़ाकर 2 करोड़ कर दिया गया है। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की और बताया कि वर्तमान में 20 विभिन्न डिजाइनों पर जल संरक्षण कार्य किया जा रहा है। कार्यशाला में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास केवल सरकार की नहीं बल्कि पूरे देश की साझा जिम्मेदारी है, जिसमें निजी क्षेत्र की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में इसमें कई गुना वृद्धि की संभावना है। उपग्रह तकनीक का उपयोग अब जनकल्याणकारी योजनाओं में व्यापक रूप से किया जा रहा है और इसरो की विशेषज्ञता अन्य मंत्रालयों के लिए भी उपयोगी साबित हो रही है। तटीय राज्यों में पेयजल संकट के समाधान के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के साथ नया समझौता किया जाएगा, जबकि जल शोधन के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी और सीएसआईआर के साथ संयुक्त परियोजनाएं चलाई जा रही हैं।

मेट्रो एक जिम्मेदार नागरिक होने की हमारी पहचान : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को 'मेट्रो मंडे' अभियान के तहत मेट्रो से यात्रा की। उन्होंने सभी से जनभागीदारी करने की अपील की। मेट्रो मे यात्रा के दौरान मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अपील के अनुरूप आज भी मेट्रो से यात्रा की। उन्होंने कहा कि मेट्रो हमारे लिए केवल एक जगह से दूसरे जगह तक पहुंचने का साधन ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक होने की पहचान भी है। इससे समय की बचत होती है, ट्रैफिक का दबाव कम होता है, ईंधन की खपत घटती है और प्रदूषण कम करने में भी बड़ी मदद मिलती है। सिरसा ने कहा कि हम अपनी रोजमर्रा की यात्रा में मेट्रो, बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें, तो हम न केवल अपने शहर को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि ऊर्जा बचाने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि साथ मिलकर ऐसे छोटे-छोटे कोशिशों को अपनी आदत बनाएं और एक स्वच्छ, हरित एवं विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा को लेकर संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन

भागलपुर। यात्रियों की सुरक्षा एवं किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने को लेकर सोमवार को भागलपुर रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ, जीआरपी तथा रेलवे के विभिन्न विभागों द्वारा एक संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल आरपीएफ इंस्पेक्टर ए.के. गिरी के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। मॉक ड्रिल के दौरान ट्रेन दुर्घटना, स्टेशन परिसर में आग लगने, भगदड़, संदिग्ध वस्तु मिलने तथा अन्य आपदा संबंधी परिस्थितियों में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर आपसी तालमेल, राहत एवं बचाव कार्य, घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा यात्रियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का प्रदर्शन किया।

विभिन्न मांगों को लेकर सुरक्षाकर्मियों का धरना-प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। विभिन्न मांगों को लेकर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने सोमवार को सामूहिक कार्य बहिष्कार करते हुए धरना-प्रदर्शन किया। सामानता सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी अस्पताल परिसर में जुटे और अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि करीब 10 दिन पूर्व भी उन्होंने अपनी मांगों को लेकर कार्य बहिष्कार किया था। उस समय संबंधित अधिकारियों और एजेंसी प्रबंधन ने समस्याओं के समाधान के लिए 10 दिनों का समय मांगा था। अधिकारियों के आश्वासन पर आंदोलन को स्थगित कर दिया गया था और सभी सुरक्षाकर्मी अपने कार्य पर लौट गए थे। आरोप है कि तय समय

सीमा समाप्त होने के बावजूद उनकी मांगों के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे नाराज होकर उन्होंने आज दोबारा कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने वेतन वृद्धि, नियमित अवकाश, वर्दी और पीएफ जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग दोहराई। कार्य बहिष्कार के कारण अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। जेएलएनएमसीएच में प्रतिदिन हजारों मरीज और उनके परिजन पहुंचते हैं. ऐसे में सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति से अस्पताल परिसर में व्यवस्था बनाए रखने में परेशानी हो सकती है। खासकर ओपीडी, इमरजेंसी, वार्डों तथा अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के संचालन पर असर पड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्रदर्शन कर रहे सुरक्षाकर्मियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। वहीं अस्पताल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एसआईआर की तैयारियां तेज, बीएलओ व सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत 25-हरिद्वार और 26-रानीपुर विधानसभा क्षेत्रों के सभी बूथ लेवल ऑफिसर, बूथ लेवल सुपरवाइजर और विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट का प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएचईएल कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईआरओ एवं उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी नरेश कुमार हल्दियानी ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में शत-प्रतिशत शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान प्रतिभागियों को मतदाता सूची के शुद्धिकरण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा त्रुटि सुधार की प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में निर्वाचन संबंधी विभिन्न प्रपत्रों, समयबद्ध कार्रवाई और समन्वय के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य संदर्भदाता डॉ. संतोष कुमार चमोला ने निर्वाचन प्रक्रिया की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यों को निष्पक्षता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ संपादित करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक नोडल अधिकारी (मीडिया) गोविन्द कुर्ल, संतोष रावत एवं प्रकाश चंद देवराणी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीमांचल एक्सप्रेस पैंट्री कार कर्मचारियों की दादागिरी सीट को लेकर मारपीट, छह हिरासत में

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अररिया। आनंद विहार से जोगबनी चलने वाली सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12488 में पैंट्री कार कर्मचारियों की दादागिरी का शिकार अधिवक्ता और उनकी पत्नी हुई। जनरल बोगी में कब्जा जमाकर यात्रियों से पैसे लेकर सीट देने के सवाल पर कहासुनी में पैंट्री कार कर्मचारियों ने अधिवक्ता और उनकी पत्नी के साथ मारपीट कर अधिवक्ता का सर फोड़ दिया। कथित रूप से महिला यात्री का मोबाइल और चेन छीन लिया गया। इतना ही नहीं फारबिसगंज स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर उसे रिसीव करने के लिए पहुंचे उनके दो भाइयों को भी पैंट्री कार कर्मचारियों ने ट्रेन के अंदर खींच लिया और उसके साथ मारपीट की घटना की गई। जिसके बाद ट्रेन में लोकल सवार हुए यात्रियों ने हंगामा मचाना शुरू किया और चेन पुलिंग कर फारबिसगंज स्टेशन से आगे केजे 65 रेलवे फाटक से पहले फुलवरिया हाट के पास ट्रेन को रुकवाया और जीआरपी और आरपीएफ के साथ फारबिसगंज थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। जिसके बाद मौके पर फारबिसगंज डीएसपी राजकिशोर प्रसाद, फारबिसगंज थानाध्यक्ष मनोज कुमार, आरपीएफ प्रभारी उमेश प्रसाद सिंह, जोगबनी आरपीएफ प्रभारी अनूप तिवारी, अररिया आरपीएफ इंचार्ज जगदीश रजक, जोगबनी जीआरपी प्रभारी दीपनारायण हेम्ब्रम, एएसआई के. एन. सिंह समेत भारी संख्या में जीआरपी और आरपीएफ कर्मियों के साथ थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपित सभी छह पैंट्री कार कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए सभी छह पैंट्री कार के प्रभारी उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। गिरफ्तार पैंट्री कार कर्मचारियों से फारबिसगंज आरपीएफ कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। घटना को लेकर ढोलबज्जा वार्ड संख्या आठ के रहने वाले घायल अधिवक्ता अबू शमा और उसकी पत्नी नुसरत प्रवीण ने बताया कि उत्तरप्रदेश के चंदौली में सकलडीहा इंटर कॉलेज में नुसरत प्रवीण बीएड की परीक्षा देने के लिए गई थी। परीक्षा संपन्न के बाद आरक्षित टिकट नहीं मिलने पर जनरल टिकट लेकर वे लोग दीनदयाल उपाध्याय नगर स्टेशन पर सीमांचल एक्सप्रेस संख्या वाले 12488 के जनरल बोगी में सवार हो गए। जैसे ही वे लोग जनरल बोगी में सवार हुए, उस बोगी पर पैंट्री कार के कर्मचारी कब्जा जमाए हुए थे और पैसे लेकर सीट पर यात्रियों को बैठने के लिए दे रहे थे। करीबन एक घंटे तक खड़े रहने के बाद जब बैठने के लिए सीट देने की आरजू की गई तो वे लोग कहासुनी पर उतर गए और फिर मारपीट करना शुरू कर दिया। पति के साथ मारपीट होता देख नुसरत प्रवीण जब उन्हें बचाने के लिए बीच बचाव के लिए गई तो उसके साथ भी मारपीट की गई। पैंट्री कार कर्मचारियों ने अधिवक्ता अबू शमा का सर फोड़ दिया।

गणेश जोशी ने शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा की प्रतिमा का अनावरण किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को देहरादून के शेरबाग रोड स्थित पार्क में अमर शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा की प्रतिमा का अनावरण किया। मंत्री गणेश जोशी ने पूर्व सैनिकों व वीर नारियों को सम्मानित कर उनके राष्ट्र निर्माण एवं देश सेवा में दिए गए योगदान को नमन किया। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले असंख्य वीर सपूतों में अमर शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा का नाम विशेष सम्मान और गौरव के साथ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि देहरादून सहित समूचे गोरखा समुदाय के लिए कैप्टन थापा साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान के प्रतीक हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि आजाद हिन्द फौज के वीर जवानों ने देश की आजादी के लिए जिस समर्पण, जज्बे और त्याग का परिचय दिया, वह राष्ट्र के इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है।

उनके बलिदान को देश कभी भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के संघर्ष के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि शहीदों का सम्मान करना और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने यह भी कहा कि अमर शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा के नाम पर देहरादून में भव्य द्वार के निर्माण के लिए ?30 लाख की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि द्वार का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इस दौरान मंत्री जोशी ने समिति के सदस्यों को इस प्रयास के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हंस फाउंडेशन के संस्थापक भोले महाराज उपस्थित रहे। संस्थापक भोले महाराज ने इस प्रयास के लिए समिति के सदस्यों को बधाई दी इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने अमर शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अद्वितीय योगदान को नमन किया। इस अवसर पर नेपाली भाषा समिति अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा, पीबीओआर अध्यक्ष शमशेर सिंह बिष्ट, ज्योति कोटिया, वंदना ठाकुर, सपना मल्ल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063